अध्याय

1 दो बैलों की की कथा

— प्रेमचन्द

निम्न प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए—

1. 'दो बैलों की कथा' पाठ के लेखक हैं—

(क) राहुल सांकृत्यायन **(ख)** प्रेमचंद

(ग) श्यामाचरण दुबे **(घ)** जाबिर हुसैन

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

2. 'दो बैलों की कथा' पाठ के आधार पर बताइए कि पशुओं में कौन-सा गुण मनुष्यों की अपेक्षा ज्यादा विकसित है?

(क) परिश्रम करना

(ख) अच्छे बुरे में भेद करना

(ग) दूसरे के मन के भावों को समझना

(घ) दूसरों से काम लेना

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या— लेखक का मानना है कि हीरा-मोती मूक भाषा में विचार-विनिमय करके एक-दूसरे के मन की बात समझ लेते थे जबकि मनुष्य बिना कहे बात नहीं समझ पाते।

AI 3. झूरी के बैलों ने नाँद की तरफ देखा भी नहीं। क्यों?

(क) गया के भय से

(ख) भूख न होने के कारण

(ग) बीमार होने के कारण

(घ) अपने अपमान के कारण

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—गया ने दोनों बैलों को दंड देने के लिए उन्हें मोटी रस्सियों से बाँध कर खूब मारा और खाने के लिए सूखा भूसा डाल दिया। दोनों बैलों का ऐसा अपमान कभी नहीं हुआ था इसलिए उन्होंने नाँद की ओर देखा भी नहीं।

4. हीरा-मोती कितने दिनों तक कांजीहौस में बँधे पड़े रहे?

(क) दस दिन **(ख)** पंद्रह दिन

(ग) एक सप्ताह **(घ)** बीस दिन

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

5. 'मुझे मारेगा तो मैं भी एक दो को गिरा दूँगा' 'दो बैलों की कथा पाठ में यह कथन किसका है?

(क) झूरी का **(ख)** गया का

(ग) हीरा का **(घ)** मोती का

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—गया के अत्याचार से त्रस्त मोती गुस्से से बेकाबू हो गया और हल लेकर भाग निकला। हीरा ने उसे बताया कि गया दो आदमियों के साथ लाठियाँ लेकर उन्हें पकड़ने आ रहा है तो यह बात मोती ने कही है।

6. गया के घर में हीरा-मोती को रोटियाँ किसने दी थीं?

(क) छोटी लड़की ने

(ख) उसके यहाँ काम करने वाले नौकरों ने

(ग) गया की पत्नी ने

(घ) भैरों ने

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—भैरों की छोटी-सी लड़की रात में चुपचाप आकर दोनों भूखे बैलों के मुँह में एक-एक रोटी दे गई। उसकी माँ मर चुकी थी। सौतेली माँ उसे मारती रहती थी इसलिए उसे इन बैलों से आत्मीयता हो गई थी।

AI 7. जानवरों में सबसे अधिक बुद्धिहीन प्राणी किसे समझा जाता है?

(क) बैल को **(ख)** सियार को

(ग) हाथी को **(घ)** गधे को

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—गधे को कभी क्रोध करते नहीं देखा जाता। उसे चाहे जितना मारो या खराब सड़ी हुई घास खाने को दो लेकिन उसके चेहरे पर कभी असंतोष दिखाई नहीं देता। शायद उसके इसी सीधेपन के कारण पशुओं में सबसे बुद्धिहीन समझा जाता है।

8. झूरी के दोनों बैल किस जाति के थे?

(क) साहीवाल जाति के **(ख)** पछाई जाति के

(ग) गिर जाति के **(घ)** अंगूरा जाति के

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

9. बैलों के घर लौटने पर किसने उनका अभिनंदन करने का निश्चय किया?

(क) झूरी ने **(ख)** गया ने

(ग) झूरी की पत्नी ने **(घ)** बाल-सभा ने

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—उस गाँव के इतिहास में दो बैलों के द्वारा भाग कर अपने आप अपने घर आ जाना एक महत्वपूर्ण घटना थी। गाँव के लड़के तालियाँ बजा-बजाकर हीरा-मोती का स्वागत कर रहे थे।

10. 'लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है, यह भूले जाते हो।' 'दो बैलों की कथा' पाठ में लेखक यह कथन स्त्रियों के प्रति उनके किस दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है?

(क) सामाजिक नियमों के अनुसार स्त्रियों को शारीरिक दंड देना अनुचित है

(ख) समाज द्वारा स्त्रियों का शोषण करना उचित है

(ग) लेखक समाज में स्त्री-पुरुष समानता और नारियों के सम्मान का पक्षधर है

(घ) (क) और (ग) दोनों

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—लेखक स्त्री और पुरुष की समानता के पक्षधर थे। इस कथन द्वारा उन्होंने स्त्रियों के प्रति हिंसा और शोषण का विरोध करते हुए उन्हें सम्मान देने की बात कही है।

AI **11.** 'दो बैलों की कथा' कहानी परोक्ष रूप से किस आंदोलन से जुड़ी है?

(क) प्रथम विश्वयुद्ध से

(ख) भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन से

(ग) भारत-पाकिस्तान युद्ध से

(घ) इनमें से किसी से नहीं

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—लेखक प्रेमचंद ने इस कहानी में बताया है कि स्वतंत्रता सहज में प्राप्त नहीं होती उसे पाने के लिए बार-बार संघर्ष करना पड़ता हे। अत: परोक्ष रूप से यह कथा आज़ादी के आंदोलन की भावना से जुड़ी है।

12. कांजीहौस द्वारा की गई पशुओं की नीलामी में हीरा-मोती को किसने खरीदा?

(क) एक किसान ने

(ख) एक ज़मींदार ने

(ग) एक दढ़ियल कसाई ने

(घ) गया ने

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—एक सप्ताह तक कांजीहौस में भूखे-प्यासे बंद रहने के कारण हीरा-मोती बहुत कमज़ोर हो गए थे इसी कारण नीलामी के समय लोग उनकी हालत देखकर लौट जाते। अंत में एक दढ़ियल कसाई ने उन्हें खरीदा।

13. हीरा और मोती द्वारा मिलकर शक्तिशाली साँड़ का मुकाबला करके उसे हरा देना किस जीवन मूल्य को प्रतिपादित करता है?

(क) संगठन या एकता में शक्ति है

(ख) निस्वार्थ परोपकार की भावना

(ग) स्वतंत्रता-प्रियता

(घ) धर्मपरायणता

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—'एकता में शक्ति होती है' इस कहावत को चरितार्थ करते हुए दोनों मित्रों ने मिलकर शक्तिशाली साँड़ का मुकाबला किया और उसे घायल करके भगा दिया।

AI **14.** कांजीहौस में कैद पशुओं को हीरा-मोती ने कैसे आज़ाद कराया?

(क) कांजीहौस के चौकीदार को घायल करके

(ख) उनकी रस्सी तोड़कर

(ग) कांजीहौस की दीवार गिरा कर

(घ) आपस में झगड़ा करके

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—हीरा और मोती ने अपने सींगों से कांजीहौस की दीवार गिरा दी, जिससे वहाँ बंद सभी जानवर भाग निकले।

15. प्रेमचंद की रचनाओं के मूल विषय हैं—

(क) किसानों और मजदूरों की दयनीय स्थिति और दलितों का शोषण

(ख) समाज में स्त्री की दुर्दशा का चित्रण

(ग) स्वाधीनता आंदोलन

(घ) उपरोक्त सभी

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—प्रेमचंद ने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज के निर्धन, उपेक्षित और शोषित वर्ग की समस्याओं को उठाया। साथ ही समाज में स्त्रियों की दुर्दशा और स्वाधीनता आंदोलन भी उनकी रचनाओं के मूल विषय रहे हैं।

गद्यांशों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— $1 \times 5 = 5$

I. जानवरों में गधा सबसे ज्यादा बुद्धिहीन समझा जाता है। हम जब किसी आदमी को पहले दर्जे का बेवकूफ कहना चाहते हैं तो उसे गधा कहते हैं। गधा सचमुच बेवकूफ है, या उसके सीधेपन, उसकी निरापद सहिष्णुता ने उसे यह पदवी दे दी है, इसका निश्चय नहीं किया जा सकता। गायें सींग मारती हैं, ब्याई हुई गाय तो अनायास ही सिंहनी का रूप धारण कर लेती है। कुत्ता भी बहुत

गरीब जानवर है, लेकिन कभी-कभी उसे भी क्रोध आ ही जाता है, किन्तु गधे को कभी क्रोध करते नहीं सुना, न देखा। जितना चाहो गरीब को मारो, चाहे जैसी खराब, सड़ी हुई घास सामने डाल दो, उसके चेहरे पर कभी असंतोष की छाया भी न दिखाई देगी। वैशाख में चाहे एकाध बार कुलेल कर लेता हो; पर हमने तो उसे कभी खुश होते नहीं देखा। उसके चेहरे पर एक विषाद स्थायी रूप से छाया रहता है। सुख-दु:ख, हानि-लाभ, किसी भी दशा में उसे बदलते नहीं देखा।

1. किसी मनुष्य को 'गधा' कब कहा जाता है? 1
   (क) उसे बहुत सीधा सिद्ध करने के लिए
   (ख) उसे परले दर्जे का बेवकूफ़ सिद्ध करने के लिए
   (ग) उसे चालाक सिद्ध करने के लिए
   (घ) कामचोर सिद्ध करने के लिए

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—जब हम किसी मनुष्य को अत्यधिक मूर्ख कहना चाहते हैं तब हम उसकी तुलना गधे से करते हैं या उसे गधा कहते हैं।

2. लेखक के अनुसार गधे को पशुओं में सबसे ज्यादा बुद्धिहीन समझे जाने का क्या कारण रहा होगा? 1
   (क) उसके सचमुच बेवकूफ होने के कारण
   (ख) उसके क्रोध न करने के कारण
   (ग) उसके सीधेपन या निरापद सहिष्णुता के कारण
   (घ) (क) और (ग) दोनों

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

3. गाय और कुत्ता गधे से किस प्रकार भिन्न हैं? 1
   (क) दोनों बहुत सीधे हैं
   (ख) दोनों जंगली जानवर हैं
   (ग) दोनों सींग मारते हैं
   (घ) दोनों को क्रोध आ जाता है

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—गाय क्रोध में सींग मारती है और यदि कोई उसके जन्मे हुए बच्चे को छूने की भी कोशिश करे तो वह सिंहनी का रूप धारण कर लेती है। इसी प्रकार कुत्ते को भी क्रोध आ जाता है।

4. गधे के चेहरे पर कौन-सा भाव स्थायी रूप से छाया रहता है? 1
   (क) विषाद का **(ख)** उल्लास का
   (ग) हर्ष का **(घ)** उत्सुकता का

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—गधे को न कभी क्रोध आता है और न ही कभी उसे खुश होते देखा जाता है। उसके चेहरे पर एक विषाद स्थायी रूप से छाया रहता है।

5. गधे की कौन-सी विशेषताएँ उसे अन्य पशुओं से अलग करती हैं? 1
   (क) सुख-दु:ख, हानि-लाभ, किसी भी दशा में उसे बदलते नहीं देखा
   (ख) विषम परिस्थितियों में भी उसके चेहरे पर असंतोष दिखाई नहीं देता
   (ग) उसे कभी क्रोध नहीं आता
   (घ) उपरोक्त सभी

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—गधे को कभी क्रोध नहीं आता। उसे चाहे मारो, चाहे कैसी भी खराब सड़ी हुई घास खाने को दो उसके चेहरे पर कभी असंतोष दिखाई नही देता।

AI II. दोनों आमने-सामने या आस-पास बैठे हुए एक-दूसरे से मूक-भाषा में विचार-विनिमय करते थे। एक, दूसरे के मन की बात कैसे समझ जाता था, हम नहीं कह सकते। अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त-शक्ति थी, जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है। दोनों एक-दूसरे को चाटकर और सूँघकर अपना प्रेम प्रकट करते, कभी-कभी दोनों सींग भी मिला लिया करते थे — विग्रह के नाते से नहीं, केवल विनोद के भाव से, आत्मीयता के भाव से, जैसे दोस्तों में घनिष्ठता होते ही धौल-धप्पा होने लगता है। इसके बिना दोस्ती कुछ हल्की-सी रहती है, जिस पर ज्यादा विश्वास नहीं किया जा सकता। जिस वक्त ये दोनों बैल हल में जोत दिए जाते, उस वक्त हर एक की यही चेष्टा होती थी कि ज्यादा-से-ज्यादा बोझ मेरी ही गरदन पर रहे। दिन-भर के बाद दोपहर या संध्या को दोनों खुलते, तो एक-दूसरे को चाट-चाटकर अपनी थकान मिटा लिया करते।

1. गद्यांश में 'दोनों' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? 1
   (क) झूरी और गया के लिए
   (ख) हीरा और पन्ना के लिए
   (ग) हीरा और मोती के लिए
   (घ) झूरी और मोती के लिए

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

2. मनुष्य क्या दावा करता है? 1
   (क) सबसे शक्तिशाली होने का
   (ख) सभी जीवों में श्रेष्ठ होने का
   (ग) महान और परोपकारी होने का
   (घ) सबसे सहनशील होने का

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—मनुष्य स्वयं को समस्त जीवों में श्रेष्ठ प्राणी समझकर अपनी श्रेष्ठता का दावा करता है।

3. दोनों बैल परस्पर अपना प्रेम किस प्रकार प्रकट करते थे? 1
   (क) एक-दूसरे को चाटकर, सूँघकर और सींग मिलाकर
   (ख) एक साथ भोजन करके
   (ग) एक-दूसरे को देखकर
   (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—दोनों बैल एक-दूसरे को चाटकर और सूँघकर अपना प्रेम प्रकट करते थे। कभी-कभी आत्मीयता के भाव से दोनों सींग भी मिला लिया करते थे।

4. हल में जोते जाते समय दोनों का क्या प्रयास होता था? **1**

(क) ज्यादा से ज्यादा बोझ दूसरे की गर्दन पर रहे
(ख) जल्दी से जल्दी काम खत्म करने का
(ग) ज्यादा से ज्यादा बोझ उसकी स्वयं की गर्दन पर रहे
(घ) बहुत धीरे-धीरे चलें

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—जिस समय हीरा-मोती हल में जोते जाते थे उस वक्त दोनों की यही चेष्टा होती थी कि ज्यादा से ज्यादा बोझ उसकी (स्वयं) गर्दन पर रहे।

5. लेखक ने गद्यांश में किस गुप्त शक्ति की ओर संकेत किया है? **1**

(क) दोनों बैलों के बिना कहे एक-दूसरे के मन की बात समझ लेने की
(ख) दोनों बैलों की फुर्ती और चुस्ती का
(ग) मनुष्य के बुद्धिमान होने की
(घ) बहुत धीरे-धीरे चलें

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—हीरा और मोती दोनों आमने-सामने या आस-पास बैठे हुए एक-दूसरे से मूक भाषा में विचार-विनिमय करते थे। बिना बोले ही दोनों एक-दूसरे के मन की बात समझ जाते थे। लेखक ने इसी गुप्त शक्ति का उल्लेख किया है।

III. संयोग की बात, झूरी ने एक बार गोईं को ससुराल भेज दिया। बैलों को क्या मालूम, वे क्यों भेजे जा रहे हैं। समझे, मालिक ने हमें बेच दिया। अपना यों बेचा जाना उन्हें अच्छा लगा या बुरा, कौन जाने, पर झूरी के साले गया को घर तक गोईं ले जाने में दाँतों पसीना आ गया। पीछे से हाँकता तो दोनों दाएँ-बाएँ भागते, पगहिया पकड़कर आगे से खींचता, तो दोनों पीछे को जोर लगाते। मारता तो दोनों सींग नीचे करके हुँकारते। अगर ईश्वर ने उन्हें वाणी दी होती, तो झूरी से पूछते-''तुम हम गरीबों को क्यों निकाल रहे हो? हमने तो तुम्हारी सेवा में कोई कसर नहीं उठा रखी।''

1. झूरी ने दोनों को किसके साथ कहाँ भेज दिया? **1**

(क) अपने भाई के साथ अपने गाँव
(ख) अपने साले के साथ अपनी ससुराल
(ग) अपने पिता के साथ खेत में
(घ) सेठ के हाथों बाजार में

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—एक बार झूरी ने अपने बैल हीरा और मोती को अपने साले गया के साथ अपने ससुराल भेज दिया।

2. झूरी के द्वारा बैलों को भेजे जाने को उन्होंने क्या समझा? **1**

(क) मालिक ने हमें बेच दिया
(ख) मालिक हमसे नाराज हैं
(ग) मालिक हमारे काम से खुश नहीं है
(घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—दोनों ने समझा कि हमारे काम से शायद खुश नहीं था इसलिए नाराज होकर हमारे मालिक ने हमें बेच दिया है। उन्हें बहुत बुरा लगा।

3. गद्यांश में आए 'दाँतों पसीना आना' मुहावरे का क्या अर्थ है? **1**

(क) दाँत में पसीना आ जाना
(ख) दाँतों में दर्द होना
(ग) बहुत क्रोध करना
(घ) बहुत परिश्रम करना

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—गद्यांश में आए इस मुहावरे का अर्थ है—बहुत परिश्रम करना है। हीरा और मोती को उनकी इच्छा के विरुद्ध अपने घर तक ले जाने में गया को बहुत परिश्रम करना पड़ा।

4. गया द्वारा मारे जाने पर दोनों बैलों की क्या प्रतिक्रिया होती थी? **1**

(क) दोनों सींग नीचे करके हुँकारते थे
(ख) दोनों पीछे को जोर लगाते थे
(ग) दोनों दाएँ -बाएँ भागने लगते थे
(घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

5. अपने बेचे जाने के भ्रम में बैलों को झूरी से क्या शिकायत थी? **1**

(क) उसने हमें पैसों के लिए क्यों बेच दिया?
(ख) इतनी सेवा करने पर भी उन्हें उनके घर से क्यों निकाल दिया?
(ग) बेचे जाने से पहले हमें बताया क्यों नहीं?
(घ) उपर्युक्त से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—अपना घर छोड़ने पर हीरा और मोती बहुत दु:खी थे। अगर ईश्वर ने उन्हें वाणी दी होती तो वह अपने मालिक से शायद यही पूछते कि इतनी सेवा करने के बाद भी तुम हम गरीबों को अपने घर से क्यों निकाल रहे हो।

IV. झूरी प्रात:काल सोकर उठा तो देखा दोनों बैल चरनी पर खड़े हैं। दोनों की गरदनों में आधा-आधा गराँव लटक रहा है। घुटने तक पाँव कीचड़ में भरे हैं और दोनों की आँखों में विद्रोहमय

स्नेह झलक रहा है। झूरी बैलों को देखकर स्नेह से गद्गद् हो गया। दौड़कर गले लगा लिया। प्रेमालिंगन और चुम्बन का वह दृश्य बड़ा ही मनोहर था। घर और गाँव के लड़के जमा हो गए और तालियाँ बजा-बजाकर उनका स्वागत करने लगे। गाँव के इतिहास में यह घटना अभूतपूर्व न होने पर भी महत्त्वपूर्ण थी। बाल सभा ने निश्चय किया दोनों पशु वीरों को अभिनंदन पत्र देना चाहिए। कोई अपने घर से रोटियाँ लाया, कोई गुड़, कोई चोकर, कोई भूसी।

1. झूरी ने प्रात: काल क्या देखा 1

(क) दोनों बैल घर से भाग गए हैं

(ख) गया दरवाजे पर खड़ा है

(ग) दोनों बैल चरनी पर खड़े हैं

(घ) उसका खेत उजड़ा पड़ा है

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

2. बैलों को वापस आया देखकर झूरी की क्या प्रतिक्रिया थी? 1

(क) झूरी बैलों को देखकर स्नेह से गद्गद् हो गया

(ख) उसने दौड़ कर उन्हें गले लगा लिया

(ग) झूरी गुस्से से बेकाबू हो गया

(घ) (क) और (ख) दोनों

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—झूरी अपने बैलों को बहुत प्रेम करता था इसलिए बैलों को वापस आया देखकर खुशी से फूला नहीं समाया उसने दौड़कर दोनों बैलों को गले से लगा लिया।

3. बैलों के घर वापस आने पर बच्चों ने अपनी खुशी कैसे प्रकट की? 1

(क) बच्चे खुशी से नाचने लगे

(ख) बच्चे तालियाँ बजा-बजाकर उनका स्वागत करने लगे

(ग) बच्चे अपने घर से बैलों के लिए रोटी, गुड़, चोकर, भूसी आदि लाए

(घ) (ख) और (ग) दोनों

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—बैलों को अपने आप वापस घर आया देखकर गाँव और घर के लड़के जमा हो गए और तालियाँ बजा-बजाकर उनका स्वागत करने लगे। उन के लिए कोई अपने घर से रोटी लाया कोई गुड़, कोई चोकर तो कोई भूसी।

4. बाल-सभा ने क्या निश्चय किया? 1

(क) दोनों पशु-वीरों को अभिनंदन पत्र देना चाहिए

(ख) दोनों बैलों को सजाकर गाँव में जुलूस निकालना चाहिए

(ग) उनको वापस गया के घर भेज देना चाहिए

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

5. घर वापस आए बैलों की क्या दशा थी? 1

(क) दोनों बैल बहुत तंदुरुस्त हो गए थे

(ख) दोनों बैल बहुत हिंसक हो गए थे

(ग) दोनों की गर्दन में आधा-आधा गराँव लटक रहा था और उनके पाँव कीचड़ से भरे थे

(घ) उपरोक्त सभी

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—दोनों बैलों की गर्दनों में आधा-आधा गराँव लटक रहा था और उनके पाँव घुटनों तक कीचड़ से भरे हुए थे। दोनों की आँखों में विद्रोहमय स्नेह झलक रहा था।

AI V. दोनों मित्रों को जीवन में पहली बार ऐसा साबिका पड़ा कि सारा दिन बीत गया और खाने को एक तिनका भी न मिला। समझ ही में न आता था, यह कैसा स्वामी है? इससे तो गया फिर भी अच्छा था। यहाँ कई भैंसें थीं, कई बकरियाँ, कई घोड़े, कई गधे; पर किसी के सामने चारा न था, सब जमीन पर मुर्दों की तरह पड़े थे। कई तो इतने कमजोर हो गए थे कि खड़े भी न हो सकते थे। सारा दिन दोनों मित्र फाटक की ओर टकटकी लगाए ताकते रहे; पर कोई चारा लेकर आता न दिखाई दिया। तब दोनों ने दीवार की नमकीन मिट्टी चाटनी शुरू की, पर इससे क्या तृप्ति होती?

1. इस गद्यांश में किस स्थान का वर्णन किया गया है? 1

(क) गया के घर का

(ख) काँजी हौस का

(ग) झूरी के घर का

(घ) कसाई के घर का

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

2. वहाँ आने पर दोनों मित्रों को पहली बार किस स्थिति का सामना करना पड़ा? 1

(क) उन्हें इतना लाड़-प्यार मिला कि वे हैरान रह गए

(ख) सारा दिन बीत गया और खाने को एक तिनका भी न मिला।

(ग) उन्हें बहुत मार पड़ी

(घ) वहाँ के चौकीदार ने उन्हें धूप में खड़ा कर दिया

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—दोनों मित्रों हीरा और मोती के जीवन में यह पहला दिन था, जब सारा दिन बीत जाने के बाद भी उन्हें खाने को एक तिनका भी नहीं मिला था।

3. काँजीहौस में हीरा-मोती के साथ और कौन-कौन था? 1

(क) कई भैंसे

(ख) कई बकरियाँ

(ग) कई घोड़े और गधे

(घ) उपरोक्त सभी

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

4. वहाँ रहने वाले पशुओं की क्या स्थिति थी? 1

(क) वे बहुत हट्टे-कट्टे और ताकतवर थे

(ख) वे सब खा-पीकर उछल-कूद मचा रहे थे

(ग) सबके सामने बहुत सारा चारा रखा था

(घ) किसी के सामने चारा न था और सब बहुत कमजोर हो गए थे

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—भोजन के अभाव में, सभी पशु इतने कमजोर हो गए थे कि खड़े भी नहीं हो सकते थे। वे सब जमीन पर मुर्दों की तरह पड़े थे।

5. दिन भर चारे की आस लगाए हीरा और मोती ने अंत में निराश होकर क्या किया? 1
   (क) उन्होंने दीवार की नमकीन मिट्टी चाटनी शुरू कर दी
   (ख) उन्होंने जोर-जोर से आवाज निकालना शुरू कर दिया
   (ग) उन्होंने अन्य जानवरों पर आक्रमण कर दिया
   (घ) इसमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—दोनों मित्र सारा दिन चारे की आस में टकटकी लगाए फाटक की ओर ताकते रहे परंतु उन्हें निराशा हाथ लगी। तब दोनों ने भूख से व्याकुल होकर दीवार की नमकीन मिट्टी चाटनी शुरू कर दी।

VI. एक सप्ताह तक दोनों मित्र वहाँ बँधे पड़े रहे। किसी ने चारे का एक तृण भी न डाला। हाँ, एक बार पानी दिखा दिया जाता था। यही उनका आधार था। दोनों इतने दुर्बल हो गए थे कि उठा तक न जाता था, ठठरियाँ निकल आई थीं। एक दिन बाड़े के सामने डुग्गी बजने लगी और दोपहर होते-होते वहाँ पचास-साठ आदमी जमा हो गए। तब दोनों मित्र निकाले गए और उनकी देखभाल होने लगी। लोग आ-आकर उनकी सूरत देखते और मन फीका करके चले जाते। ऐसे मृतक बैलों का कौन खरीददार होता?

1. दोनों मित्र एक सप्ताह तक कहाँ बँधे पड़े रहे? 1
   (क) गया के घर में
   (ख) गाँव के बाहर एक पीपल के पेड़ के नीचे
   (ग) काँजीहौस में
   (घ) उपरोक्त सभी कथन सही हैं

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—मटर के खेत में चरते हुए हीरा और मोती को खेत के रखवालों ने पकड़ लिया। प्रात:काल दोनों मित्र काँजी हौस में बंद कर दिए गए।

2. बाड़े के सामने डुग्गी बजने का क्या कारण था? 1
   (क) वहाँ तमाशा होने वाला था
   (ख) पशुओं की नीलामी शुरू होने की सूचना देने के लिए
   (ग) पशुओं के मरने की सूचना देने के लिए
   (घ) जानवरों के काँजीहौस से भागने के कारण

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—डुग्गी बजने का यह कारण था कि वहाँ बंद पशुओं की नीलामी शुरू होने वाली थी।

AI 3. काँजीहौस में बंद पशुओं के जीवन का क्या आधार था? 1
   (क) उन्हें दिन में एक बार दिया जाने वाला पानी
   (ख) उन्हें दिन में एक बार दिया जाने वाला चारा
   (ग) उन्हें दिया जाने वाला स्वादिष्ट भोजन
   (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—काँजीहौंस में बंद पशुओं को दिन में एक बार पानी दिखा दिया जाता था वही उनके जीने का आधार था।

4. काँजीहौस में बंद हीरा-मोती की क्या दशा हो गई थी? 1
   (क) दोनों बहुत दुर्बल हो गए थे
   (ख) उनकी ठठरियाँ निकल आई थीं
   (ग) उनसे उठा भी नहीं जाता था
   (घ) उपरोक्त सभी कथन सही हैं

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

5. दोनों बैलों को देखकर लोगों की क्या प्रतिक्रिया होती थी? 1
   (क) लोग बहुत खुश होते थे
   (ख) लोग उन्हें खरीदने के लिए बहुत उत्सुक थे
   (ग) लोग उनकी ऊँची बोली लगा रहे थे
   (घ) लोग उनकी बुरी हालत देखकर मन फीका करके चले जाते थे

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—हीरा-मोती इतने कमजोर हो गए थे कि लोग उनकी सूरत देखकर मन फीका करके चले जाते थे। ऐसे मृतक बैलों को कौन खरीदता।

❑❑

अध्याय

2 ल्हासा की ओर

— राहुल सांकृत्यायन

निम्न प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए—

1. 'ल्हासा की ओर' पाठ के लेखक हैं—

(क) जाबिर हुसैन **(ख)** महादेवी वर्मा

(ग) हजारी प्रसाद द्विवेदी **(घ)** राहुल सांकृत्यायन

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

2. 'ल्हासा की ओर' पाठ हिंदी गद्य की कौन-सी विधा है?

(क) रिपोर्ताज **(ख)** संस्मरण

(ग) डायरी लेखन **(घ)** यात्रा वृत्त

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—यात्रा वृत्त लेखन में राहुल जी का अन्यतम स्थान है। 'ल्हासा की ओर' पाठ में संकलित अंश उनकी प्रथम तिब्बत यात्रा, जो उन्होंने 1929-30 में नेपाल के रास्ते की थी से लिया गया है।

AI 3. 'ल्हासा की ओर' पाठ के अनुसार कुची-कुची का क्या अर्थ है?

(क) दया-दया **(ख)** दूर रहो-दूर रहो

(ग) जल्दी भागो-जल्दी भागो **(घ)** डाकू-डाकू

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

4. लेखक एवं उसके मित्र ने किस वेश में तिब्बत की यात्रा की?

(क) सैनिक के वेश में **(ख)** राजा के वेश में

(ग) घुड़सवार के वेश में **(घ)** भिखमंगों के वेश में

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—उस समय तिब्बत में डाकुओं का अत्यधिक आतंक था। डाकू पहले यात्रियों को मार डालते थे फिर देखते थे कि उसके पास पैसा है या नहीं। उनसे बचने के लिए लेखक और उनके मित्र ने भिखमंगों के वेश में यात्रा की थी।

5. लेखक भिखमंगे के वेश में क्यों यात्रा कर रहे थे?

(क) डाकुओं के भय से

(ख) अपने धन की रक्षा करने के लिए

(ग) अपनी खराब आर्थिक स्थिति के कारण

(घ) घर से बहुत दूर होने के कारण

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—उस समय तिब्बत में हथियार का कानून न होने के कारण यात्रियों को अपनी जान का खतरा रहता था। डाकुओं के भय से लेखक और उनके मित्र ने भिखमंगों के वेश में यात्रा की थी।

6. तिङ्री का विशाल मैदान किस से घिरा हुआ था?

(क) वनों से

(ख) पहाड़ियों से

(ग) नदी से

(घ) ऊबड़-खाबड़ रास्तों से

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—तिङ्री का विशाल मैदान पहाड़ियों से घिरा हुआ एक टापू जैसा लगता था।

AI 7. तिब्बत में चाय बनाने के टोंटीदार बर्तन को क्या कहते हैं

(क) केतली **(ख)** खोटी

(ग) सिंगड़ी **(घ)** सोटी

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

8. तिब्बत में सबसे खतरे की जगह कौन-सी है?

(क) तिङ्गी **(ख)** लङ्कोर

(ग) थाने **(घ)** डाँड़े

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—डाँड़े तिब्बत में सबसे खतरे की जगह है। सोलह-सत्रह हज़ार फीट की ऊँचाई होने के कारण यहाँ दूर-दूर तक कोई गाँव नहीं है। इस निर्जन स्थान पर डाकुओं का अत्यधिक भय है।

9. थुक्पा क्या होता है?

(क) एक तीर्थ स्थान का नाम

(ख) मंगोलों की एक जाति

(ग) एक खाद्य पदार्थ

(घ) एक पारंपरिक वस्त्र

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

10. शेकर विहार में 'कंजुर' की कितनी हस्तलिखित पोथियाँ थीं?

(क) 105 **(ख)** 103

(ग) 101 **(घ)** 110

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—शेकर विहार के एक मंदिर में कंजुर अर्थात् बुद्धवचन-अनुवाद की एक सौ तीन हस्तलिखित पोथियाँ रखी हुई थीं। लेखक उन्हें पढ़ने बैठ गए।

11. तिब्बत में सामान ढोने वाले को क्या कहते हैं?

(क) मजदूर

(ख) भरिया

(ग) मिरिया

(घ) इनमें से किसी से नहीं

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

AI **12.** लेखक कहाँ जाते समय रास्ता भटक गया था?

(क) लङ्कोर **(ख)** श्रीलंका

(ग) भारत **(घ)** नेपाल

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—लेखक लङ्कोर जाते समय रास्ता भटक गया था। एक स्थान पर दो जगह रास्ते फूट रहे थे। लेखक गलती से बाएँ रास्ते पर डेढ़-दो मील चला गया। बाद में एक घर में पूछने पर पता चला कि लङकोर का रास्ता दाहिने वाला था।

13. लेखक के मित्र का क्या नाम था?

(क) भिक्षुनम्से **(ख)** सुमति

(ग) सुमित **(घ)** राहुल

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

AI **14.** राहुल सांकृत्यायन जी ने कौन-सा धर्म अपनाया?

(क) हिंदू धर्म

(ख) पारसी धर्म

(ग) जैन धर्म

(घ) बौद्ध धर्म

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—राहुल जी ने सन् 1930 में श्रीलंका जाकर बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया था।

15. 'ल्हासा की ओर' पाठ के आधार पर बताइए कि उस समय तिब्बत की जमीनों पर किन का अधिकार था?

(क) डाकुओं का

(ख) वहाँ की सरकार का

(ग) वहाँ के निवासियों का

(घ) वहाँ के जागीरदारों का

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—उस समय तिब्बत की अधिकतर ज़मीन वहाँ के छोटे-बड़े जागीरदारों में बँटी थी।

गद्यांशों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— $1 \times 5 = 5$

I. चार-पाँच बजे के करीब मैं गाँव से मील भर पर था, तो सुमति इंतजार करते हुए मिला। मंगोलों का मुँह वैसे ही लाल होता है और अब तो वह पूरे गुस्से में था। उन्होंने कहा—''मैंने दो टोकरी कंडे फूँक डाले, तीन-तीन बार चाय को गरम किया'' मैंने बहुत नरमी से जवाब दिया—लेकिन मेरा कसूर नहीं है मित्र? देख नहीं रहे हो कैसा घोड़ा मुझे मिला है, मैं तो रात तक पहुँचने की उम्मीद रखता था।'

1. यह गद्यांश किस पाठ से लिया गया है और इसके लेखक कौन हैं? 1

(क) ल्हासा की ओर, लेखक—श्यामाचरण दुबे

(ख) मेरी तिब्बत यात्रा, लेखक—राहुल सांकृत्यायन

(ग) ल्हासा की ओर, लेखक—राहुल सांकृत्यायन

(घ) मेरे बचपन के दिन, लेखिका—महादेवी वर्मा

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

2. सुमति कौन था? 1

(क) लेखक परिचित

(ख) सामान ढोने वाला भरिया

(ग) एक बौद्ध भिक्षु और लेखक का मित्र

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—सुमति एक मंगोल बौद्ध भिक्षु और लेखक का मित्र था। उनका व्यक्तित्व बहुत सुंदर था।

3. सुमति गुस्से में क्यों था? 1

(क) वह लेखक की बहुत देर से प्रतीक्षा कर रहा था

(ख) उसे भूख लग रही थी

(ग) लेखक की प्रतीक्षा करते-करते उसे नींद आ रही थी

(घ) वह तीन-चार बार दूध गरम कर-करके ऊब चुका था

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

4. सुमति ने अपनी नाराजगी प्रकट करते हुए लेखक से क्या कहा? 1

(क) मैंने दो टोकरी कंडे फूँक डाले।

(ख) मुझे तुम्हारे न आने से डर लग रहा था।

(ग) मैंने तीन-तीन बार चाय को गरम किया।

(घ) (क) और (ग) दोनों

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—सुमति ने लेखक को गुस्से से बताया कि उनके इंतजार में उन्होंने ठंड से बचने के लिए दो टोकरी कंडे फूँक दिए और तीन बार चार को गर्म किया।

5. लेखक ने अपनी देरी से आने का क्या कारण बताया? 1

(क) उसका घोड़ा बहुत सुस्त था

(ख) उसका घोड़ा घायल हो गया था

(ग) उसके साथी उसे छोड़कर चले गए थे

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

II. डाँड़े तिब्बत में सबसे खतरे की जगह है। सोलह-सत्रह हजार फीट की ऊँचाई होने के कारण उनके दोनों तरफ मीलों तक कोई गाँव-गिराँव नहीं थे। नदियों के मोड़ और पहाड़ों के कोनों के कारण बहुत दूर तक आदमी को देखा नहीं जा सकता। डाकुओं के लिए यही सबसे अच्छी जगह है। तिब्बत के गाँव में आकर खून हो जाए, तब तो खूनी को सजा भी मिल सकती है, लेकिन इन निर्जन स्थानों में मरे हुए आदमियों के लिए कोई परवाह नहीं करता। सरकार खुफ़िया-विभाग और पुलिस पर उतना खर्च नहीं करती और वहाँ गवाह भी तो कोई नहीं मिल सकता। डकैत पहले आदमी को मार डालते हैं, उसके बाद देखते हैं कि कुछ पैसा है कि नहीं। हथियार का कानून न रहने के कारण यहाँ लाठी की तरह लोग पिस्तौल, बन्दूक लिए फ़िरते हैं। डाकू यदि जान से न मारे तो खुद उसे अपने प्राणों का खतरा है।

1. डाँड़े की ऊँचाई लगभग कितनी है? 1

(क) पंद्रह-सोलह हजार फीट

(ख) दस-बारह हज़ार फीट

(ग) सोलह-सत्रह हजार फीट

(घ) बारह-चौदह हजार फीट

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

2. डाकुओं के लिए डाँड़े सबसे अच्छी जगह क्यों है? 1

(क) बहुत ऊँचाई के कारण दोनों तरफ मीलों तक कोई गाँव नहीं है।

(ख) नदियों के मोड़ और पहाड़ों के कोनों के कारण

(ग) आदमियों के छिपने की अच्छी जगह है।

(घ) (क) और (ख) दोनों

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—लगभग सोलह-सत्रह हजार फीट की ऊँचाई पर स्थित डाँड़े एक निर्जन स्थान है। नदियों के मोड़ और पहाड़ों के कोनों के कारण बहुत दूर तक आदमी को देखा नहीं जा सकता इसलिए यह डाकुओं के छिपने के लिए सबसे अच्छी जगह है।

AI 3. तिब्बत में हथियार संबंधी कौन-सा कानून है? 1

(क) एक परिवार में एक हथियार रखने का कानून

(ख) हथियार न रखने का कानून

(ग) वहाँ हथियार संबंधी कोई कानून नहीं है।

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

4. लेखक के अनुसार ऐसे निर्जन स्थानों पर अपराध पनपने का क्या कारण है? 1

(क) सर्वत्र निर्जनता और हथियार संबंधी कानून न होना

(ख) सरकार की उदासीनता

(ग) अपराध होने पर गवाहों का न मिलना

(घ) उपरोक्त सभी

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—सरकार की उदासीनता, क्षेत्र में हथियार का कानून न होना तथा अपराध होने पर भी गवाह का न मिल पाना ऐसे स्थानों पर अपराध पनपने का प्रमुख कारण है।

5. हथियार संबंधी कानून न होने के कारण लोग क्या करते हैं? 1

(क) यहाँ लोग लाठी की तरह पिस्तौल और बंदूक लिए घूमते हैं

(ख) लोग एक-दूसरे को मारने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं

(ग) लोग बहुत मुश्किल से अपना जीवन यापन करते हैं

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—उस समय तिब्बत में हथियार का कानून न रहने के कारण वहाँ लोगों को हथियार आसानी से मिल जाते थे और लाइसेंस ना होने से अपराधी की पहचान करना सम्भव नहीं होता था।

III. वह नेपाल से तिब्बत जाने का मुख्य रास्ता है। फरी कलिङ्पोङ् का रास्ता जब नहीं खुला था, तो नेपाल ही नहीं हिन्दुस्तान की भी चीजें इसी रास्ते तिब्बत जाया करती थीं। यह व्यापारिक ही नहीं सैनिक रास्ता भी था, इसलिए जगह-जगह फौजी चौकियाँ और किले बने हुए हैं, जिनमें कभी चीनी पलटन रहा करती थी। आजकल बहुत से फौजी मकान गिर चुके हैं। दुर्ग के किसी भाग में जहाँ किसानों ने अपना बसेरा बना लिया है, वहाँ कुछ घर आबाद दिखाई पड़ते हैं। ऐसा ही परित्यक्त एक चीनी किला था वहाँ हम चाय पीने को ठहरे। वहाँ जाति-पाँति, छुआछूत का सवाल ही नहीं है और न ही औरतें परदा करती हैं। बहुत निम्न श्रेणी के भिखमंगों को लोग चोरी के डर से घर के भीतर नहीं आने देते, नहीं तो आप बिलकुल घर के भीतर चले जा सकते हैं।

1. फरी कलिङ्पोङ् का रास्ता खुलने से पहले तिब्बत जाने के लिए किस मार्ग का प्रयोग किया जाता था? 1

(क) भारत से होकर जाने वाले रास्ते का

(ख) नेपाल से होकर जाने वाले रास्ते का

(ग) श्रीलंका से होकर जाने वाले रास्ते का

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—फरी कलिङ्पोङ् का रास्ता खुलने से पूर्व लोग नेपाल के रास्ते ही तिब्बत जाया करते थे।

2. इस रास्ते में जगह-जगह क्या बना हुआ है? 1

(क) झुग्गी झोपड़ियाँ

(ख) व्यापारिक संस्थान

(ग) फौजी मकान

(घ) फौजी चौकियाँ और किले

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—यहाँ जगह-जगह फौजी चौकियाँ और किले बने हुए हैं जिनमें कभी चीनी पलटन रहा करती थी।

3. लेखक और उनके मित्र चाय पीने के लिए कहाँ ठहरे? 1

(क) एक परित्यक्त चीनी किले में

(ख) अपेन सहयात्री के घर में

(ग) एक दुर्ग के बाहरी हिस्से में

(घ) एक होटल में

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

4. तिब्बती समाज की प्रमुख विशेषताएँ हैं— 1

(क) वहाँ जाति-पाँति का भेदभाव और छुआछूत नहीं है

(ख) वहाँ के लोग अतिथि-सत्कार में बहुत कुशल हैं

(ग) वहाँ औरतें परदा नहीं करती हैं

(घ) उपरोक्त सभी

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—तिब्बत में जाति-पाँति और छुआछूत का भेदभाव नहीं है और वहाँ की औरतें पर्दा भी नहीं करती हैं।

5. परित्यक्त चीनी किलों में आजकल किसने अपना बसेरा बना लिया है? 1

(क) फौजियों ने

(ख) किसानों ने

(ग) चोर और डाकुओं ने

(घ) सेना के अधिकारियों ने

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—चीनी पलटन द्वारा परित्यक्त किलों में कुछ किसानों ने अपना बसेरा बना लिया है। इसीलिए वहाँ कुछ घर आबाद दिखाई पड़ते हैं।

IV. हमारी दक्खिन तरफ पूरब से पश्चिम की ओर हिमालय के हजारों श्वेत शिखर चले गए थे। भीटे की ओर दिखने वाले पहाड़ बिलकुल नंगे थे, न वहाँ बर्फ़ की सफेदी थी, न किसी तरह की हरियाली। उत्तर की तरफ बहुत कम बरफ वाली चोटियाँ दिखाई पड़ती थीं। सर्वोच्च स्थान पर डाँड़े के देवता का स्थान था, जो पत्थरों के ढेर, जानवरों के सींगों और रंग-बिरंगे कपड़े की झंडियों से सजाया गया था। अब हमें बराबर उतराई पर चलना था। चढ़ाई तो कुछ दूर थोड़ी मुश्किल थी लेकिन उतराई बिलकुल नहीं। शायद दो-एक और सवार साथी हमारे साथ चल रहे थे। मेरा घोड़ा कुछ धीमे चलने लगा। मैंने समझा कि चढ़ाई की थकावट के कारण वह ऐसा कर रहा है और उसे मारना नहीं चाहता था। धीरे-धीरे वह बहुत पिछड़ गया और दोनिक्वक्स्तो की तरह अपने घोड़े पर झूमता हुआ चला जा रहा था। जान ही नहीं पड़ता था कि घोड़ा आगे जा रहा है या पीछे।

1. भीटे की ओर दिखने वाले पहाड़ कैसे थे? 1

(क) बहुत कम बर्फ से ढके हुए

(ख) हरियाली से युक्त

(ग) पूरी तरह बर्फ से ढके हुए

(घ) उन पर न बर्फ की सफेदी थी और न हरियाली

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—भीटे की ओर दिखाई पड़ने वाले पहाड़ों पर न तो बर्फ़ की सफ़ेदी थी और न किसी तरह की हरियाली। पहाड़ बिल्कुल नंगे थे।

2. डाँड़े में सर्वोच्च स्थान पर क्या था? 1

(क) डाँड़े के देवता का स्थान

(ख) एक प्राचीन मंदिर

(ग) एक संन्यासी की तपस्थली

(घ) स्थानीय जनजाति के देवता

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

3. देवता के स्थान को किस प्रकार सजाया गया था? 1

(क) जानवरों के सींगों और रंग-बिरंगे कपड़े की झंडियों से

(ख) फूल मालाओं से

(ग) पत्थरों के ढेर से

(घ) (क) और (ग) दोनों

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

4. घोड़े की धीमी गति देखकर लेखक ने क्या समझा? 1

(क) घोड़ा आलसी है इसलिए मारना बेकार है

(ख) घोड़ा बीमार है इसलिए लेखक उसे अस्पताल ले जाना पड़ा

(ग) घोड़ा थक गया है इसलिए उसे मारना उचित नहीं

(घ) (क) और (ख) दोनों सही हैं

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—लेखक का घोड़ा धीमे चल रहा था। उसने यह सोचकर उसे मारा नहीं कि वह चढ़ाई होने के कारण थक गया है। जिसके परिणाम स्वरूप वह अपने साथियों से बहुत पिछड़ गया।

5. गद्यांश में लेखक ने अपनी तुलना किससे की है? 1

(क) एक स्पेनिश उपन्यास के नायक 'दोन्क्विकस्तो' से

(ख) एक रूसी उपन्यास के नायक यूजीन वनगिन से

(ग) एक हिंदी उपन्यास के नायक चंद्रगुप्त से

(घ) भारत के महान् सम्राट अशोक से

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—लेखक अपने साथियों से पिछड़ जाने के बाद अपने घोड़े पर झूमता हुआ चला जा रहा था उस समय उसे लगा कि वह 'दोन्क्विक्स्तो' की तरह लग रहा है।

AI V. तिब्बत की जमीन बहुत अधिक छोटे-बड़े जागीरदारों में बँटी है। इन जागीरों का बहुत बड़ा हिस्सा मठों (विहारों) के हाथ में है। अपनी-अपनी जागीर में हरेक जागीरदार कुछ खेती खुद भी कराता है, जिसके लिए मजदूर बेगार में मिल जाते हैं। खेती का इंतजाम देखने के लिए वहाँ कोई भिक्षु भेजा जाता है, जो जागीर के आदमियों के लिए राजा से कम नहीं होता। शेकर की खेती के मुखिया (नम्से) बड़े भद्र पुरुष थे। वह बहुत प्रेम से मिले हालांकि उस वक्त भेष ऐसा नहीं था कि उन्हें कुछ भी ख्याल करना चाहिए था। यहाँ एक अच्छा मंदिर था; जिस में कंजुर (बुद्धवचन-अनुवाद) की हस्तलिखित 103 पोथियाँ रखी हुई थीं। मेरा आसन भी वहीं लगा। वह बड़े मोटे कागज पर अच्छे अक्षरों में लिखी हुई थीं। एक-एक पोथी 15-15 सेर से कम नहीं रही होगी।

1. तिब्बत की जागीरों का एक बहुत बड़ा हिस्सा किसके हाथ में है? 1

(क) वहाँ के किसानों के

(ख) वहाँ रहने वाली चीनी पलटन के

(ग) बौद्ध मठों या विहारों के

(घ) स्थानीय लागों के

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

2. तिब्बत के जागीरदार अपनी जागीरों में किससे खेती करवाते हैं? 1

(क) वहाँ के किसानों द्वारा

(ख) बेगार (मुफ्त) में मिलने वाले मजदूरों द्वारा

(ग) बाल मजदूरों द्वारा

(घ) कैदियों द्वारा

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—अपनी-अपनी जागीर में हर एक जागीरदार कुछ खेती खुद भी करता है जिसके लिए मजदूर मुफ्त में मिल जाते हैं।

3. वहाँ होने वाली खेती की व्यवस्था देखने वाले या मुखिया कौन होते हैं? 1

(क) बौद्ध भिक्षु (ख) मठाधीश

(ग) जागीरदार (घ) पुलिस अधिकारी

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

4. लेखक को 'कंजुर' की हस्तलिखित पोथियाँ कहाँ मिलीं? 1

(क) थोङ्ला के मार्ग में

(ख) लङ्कोर जाते समय

(ग) शेकर विहार में स्थित एक मंदिर में

(घ) खंडहर में

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—लेखक को कंजुर की हस्तलिखित 103 पोथियाँ शेकर विहार में स्थित एक मंदिर में रखी हुई मिलीं।

5. इस गद्यांश में लेखक ने कंजुर की पोथियों की क्या विशेषताएँ बताई हैं? 1

(क) वे हस्तलिखित थीं

(ख) एक-एक पोथी लगभग 15 सेर की थी

(ग) वह बड़े मोटे कागज पर अच्छे अक्षरों में लिखी हुई थीं

(घ) उपरोक्त सभी

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—पोथियाँ बड़े मोटे कागज पर अच्छे अक्षरों में लिखी हुई थीं। एक-एक पोथी 15-15 सेर से कम नहीं होगी।

AI VI. परित्यक्त चीनी किले से जब हम चलने लगे तो एक आदमी राहदारी माँगने आया। हमने वो दोनों चिटें उसे दे दीं। शायद उसी दिन हम थोङ्ला के पहले के आखिरी गाँव में पहुँच गए। यहाँ भी सुमति के जान पहचान के आदमी थे इसलिए भिखमंगे के भेष में भी ठहरने के लिए अच्छी जगह मिली। पाँच साल पहले हम इसी रास्ते लौटे थे और भिखमंगे नहीं, एक भद्र यात्री के भेष में घोड़ों पर सवार होकर आए थे, किन्तु उस वक्त किसी ने भी हमें रहने के लिए जगह नहीं दी और हम गाँव के एक सबसे गरीब झोंपड़े में ठहरे थे। बहुत कुछ लोगों की उस वक्त की मनोवृत्ति पर निर्भर है। खासकर शाम के वक्त छंग पीकर बहुत कम होश-हवास को दुरुस्त रखते हैं।

1. चीनी किले में एक आदमी लेखक और उनके मित्र से क्या माँगने आया? 1

(क) उनके पहचान-पत्र माँगने आया था

(ख) उनसे रिश्वत माँगने आया था

(ग) उनसे भीख माँगने आया था

(घ) उनसे राहदारी माँगने आया था

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—लेखक जब परित्यक्त चीनी किले से चलने लगा तो एक आदमी उन लोगों से राहदारी माँगने आया उन्होंने वह दोनों चिटें उसे दे दीं।

2. थोङ्ला के पहले के आखिरी गाँव में किसकी जान पहचान के लोग थे? उससे उन्हें क्या लाभ हुआ? **1**

(क) लेखक के मित्र सुमति के, उन्हें ठहरने के लिए अच्छी जगह मिली

(ख) लेखक के, उनकी खूब आवभगत हुई

(ग) वहाँ के जागीरदार के, उन्होंने दोनों की सुरक्षा का ध्यान रखा

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—इस गाँव में सुमति की जान पहचान के बहुत व्यक्ति थे इसलिए भिखमंगे के भेष में भी उन लोगों को ठहरने के लिए अच्छी जगह मिल गई।

3. छंग क्या होता है? **1**

(क) तिब्बत का एक स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थ

(ख) तिब्बत का एक मादक पेय पदार्थ

(ग) वहाँ प्रचलित एक मिठाई

(घ) (क) और (ग) दोनों

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

4. पाँच साल पहले तिब्बत आने पर लेखक कहाँ ठहरा था? **1**

(क) एक महल में

(ख) परित्यक्त चीनी किले में

(ग) तिब्बत के गाँव के एक सबसे गरीब झोपड़े में

(घ) सेना की एक चौकी में

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—लेखक जब पाँच वर्ष पूर्व वहाँ आया था तो भद्र यात्री के भेष में घोड़ों पर सवार होने के बाद भी उन्हें उस गाँव के एक सबसे गरीब झोपड़े में ठहरने को जगह मिली थी।

5. पाँच वर्ष पूर्व लेखक किस भेष में तिब्बत आया था? **1**

(क) एक भद्र यात्री के रूप में घोड़े पर सवार होकर

(ख) भिखमंगे के वेश में

(ग) सेना के एक जवान के रूप में

(घ) एक अमीर व्यक्ति के रूप में

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

❑❑

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

अध्याय

3 साँवले सपनों की याद

— ज़ाबिर हुसैन

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए—

1. 'साँवले सपनों की याद' पाठ साहित्य की कौन-सी विधा है?

(क) कहानी

(ख) नाटक

(ग) डायरी शैली में लिखा गया संस्मरण

(घ) आत्मकथा

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—जाबिर हुसैन ने प्रस्तुति, शिल्प और शैली की दृष्टि से डायरी विधा में एक अभिनव (नवीन) प्रयोग किया है। प्रस्तुत पाठ उनका डायरी शैली में लिखा गया संस्मरण है।

2. 'साँवले सपनों की याद' पाठ किस समय लिखा गया है?

(क) प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी सालिम अली की मृत्यु के तुरंत बाद

(ख) प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी सालिम अली के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर

(ग) प्रसिद्ध लेखक जाबिर हुसैन के जन्मदिन पर

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—प्रसिद्ध लेखक जाबिर हुसैन ने यह संस्मरण जून 1987 में प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी सालिम अली की मृत्यु के तुरंत बाद लिखा था।

3. सालिम अली की मृत्यु से उत्पन्न दु:ख और अवसाद को लेखक ने किस रूप में अभिव्यक्त किया है?

(क) गहरे दु:ख से उपजी पीड़ा के रूप में

(ख) सतरंगे इंद्रधनुषी सपनों के रूप में

(ग) साँवले सपनों की याद में

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—लेखक जाबिर हुसैन ने पक्षी-विज्ञानी सालिम अली की मृत्यु से उत्पन्न दु:ख और अवसाद को साँवले सपनों की याद के रूप में व्यक्त करते हुए उनका व्यक्ति-चित्र प्रस्तुत किया है।

4. सालिम अली के अनुसार लोग पक्षियों को किस नज़र से देखना चाहते हैं?

(क) प्रकृति की नज़र से

(ख) आदमी की नज़र से

(ग) प्राकृतिक संसाधनों की नज़र से

(घ) सौन्दर्यवर्धक उपादानों की नज़र से

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

5. सालिम अली की पुस्तक का क्या नाम था?

(क) पर्यावरण संरक्षण **(ख)** फॉल ऑफ ए स्पैरो

(ग) पक्षी-प्रेमी सालिम अली **(घ)** सपनों के देश में

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

6. सालिम अली की मृत्यु के पश्चात् भी लेखक को क्या महसूस होता है?

(क) वे अब कभी लौटकर नहीं आएँगे

(ख) वे वन्य पशुओं की खोज में निकले हैं और शीघ्र ही अपने खोजपूर्ण नतीजों के साथ लौट आएँगे

(ग) वे पक्षियों की खोज में निकले हैं और शीघ्र ही अपने खोजपूर्ण नतीजों के साथ लौट आएँगे

(घ) वे पक्षी के रूप में पुन: जन्म लेंगे।

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—लेखक को प्रसिद्ध पक्षीविज्ञानी सालिम अली की मृत्यु के पश्चात् भी ऐसा महसूस होता था मानो वे आज भी गले में दूरबीन लटकाए पक्षियों की खोज में ही निकले हैं और अपने खोजपूर्ण नतीजों के साथ शीघ्र लौट आएँगे।

7. 'साँवले सपनों की याद' पाठ में सालिम अली के अलावा किस पक्षी विज्ञानी का उल्लेख हुआ है?

(क) शेक्सपियर **(ख)** सालिम अली

(ग) रवीन्द्रनाथ टैगोर **(घ)** डी.एच. लॉरेंस

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—पाठ में 20वीं सदी के अंग्रेजी के प्रसिद्ध उपन्यासकार और कवि डी.एच लॉरेंस का उल्लेख हुआ है।

8. सालिम अली की पत्नी का क्या नाम था?

(क) तहमीना **(ख)** फरीदा बेग़म

(ग) फ्रीडा **(घ)** तसलीमा

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—सालिम अली की पत्नी का नाम तहमीना है, जो स्कूल के दिनों से उनकी सहपाठी रही थीं। उन्होंने सालिम अली के कार्यों में बहुत सहयोग दिया।

9. सालिम अली किस प्रधानमंत्री से मिले थे?

(क) चौधरी चरण सिंह

(ख) श्रीमती इंदिरा गाँधी

(ग) श्री चंद्रशेखर

(घ) श्री अटलबिहारी वाजपेई

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

10. 'साँवले सपनों की याद' पाठ में सालिम अली के लिए किस दूसरे नाम का प्रयोग किया गया है?

(क) बर्ड-प्रोटेक्टर

(ख) एनिमल -वाचर

(ग) प्रकृति-प्रेमी

(घ) बर्ड-वाचर

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—लेखक ने उनके लिए 'बर्ड-वाचर' शब्द का प्रयोग किया है। साथ ही उनकी प्रशंसा करते हुए लिखा है कि उन जैसा बर्ड-वाचर शायद ही कोई हुआ होगा।

11. लेखक के अनुसार वृंदावन किसके जादू से कभी भी खाली नहीं होता?

(क) फूलों की खुशबुओं के **(ख)** कृष्ण की बाँसुरी के

(ग) पक्षियों के कलरव के **(घ)** राधा के सौन्दर्य के

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—लेखक के अनुसार कृष्ण की बाँसुरी का जादू पूरे वृंदावन पर छाया हुआ है। वहाँ की धरती आज भी उसके सम्मोहन से अछूती नहीं है।

12. सालिम अली में तत्कालीन प्रधानमंत्री से मिलने क्यों गए थे?

(क) पक्षियों के संरक्षण हेतु आर्थिक सहायता प्राप्त करने के लिए

(ख) अपनी लिखी पुस्तक के विमोचन हेतु

(ग) अपनी लिखी पुस्तक के विमोचन समारोह में अध्यक्षता करने का आग्रह करने हेतु

(घ) साइलेंट-वैली को रेगिस्तानी हवा के झोंकों से बचाने के लिए

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी सालिम अली केरल की साइलेंट-वैली को रेगिस्तानी हवा के झोंकों से बचाने हेतु तत्कालीन प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह से मिले थे।

गद्यांशों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए— 1×5=5

I. इस हुजूम में आगे-आगे चल रहे हैं, सालिम अली। अपने कंधों पर, सैलानियों की तरह अपने अंतहीन सफ़र का बोझ उठाए, लेकिन यह सफ़र पिछले तमाम सफ़रों से भिन्न है। भीड़-भाड़ की ज़िंदगी और तनाव के माहौल से सालिम अली का यह आखिरी पलायन है। अब तो वे उस वन-पक्षी की तरह प्रकृति में विलीन हो रहे हैं, जो ज़िंदगी का आखिरी गीत गाने के बाद मौत की गोद में जा बसा हो। कोई अपने जिस्म की हरारत और दिल की धड़कन देकर भी उसे लौटाना चाहे, तो वह पक्षी अपने सपनों के गीत दोबारा कैसे गा सकेगा?

1. अंतहीन सफ़र का आशय है—

(क) बहुत लम्बी यात्रा

(ख) मृत्यु के उपरान्त अन्तिम यात्रा

(ग) जंगलों में भटक जाना

(घ) हुजूम में आगे चलना

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—अंतहीन सफ़र का आशय है एक ऐसी यात्रा जिसका कभी अंत न हो। लेखक ने सालिम अली की मृत्यु के उपरान्त उनकी शवयात्रा का वर्णन करते समय इसका प्रयोग किया है।

2. सालिम अली का यह आखिरी पलायन कैसा था?

(क) अपना घर-परिवार छोड़ रहे थे

(ख) अपना दफ्तर छोड़ के भाग रहे थे

(ग) विदेश जाकर बस रहे थे

(घ) वे मौत के आगोश में चले गए थे

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—सालिम अली की मृत्यु हो चुकी थी, वे इस संसार को छोड़कर जा चुके थे। अब वे भीड़ भरी ज़िन्दगी और तनाव के माहौल से बहुत दूर जा रहे थे।

3. प्रकृति से सालिम अली का सम्बन्ध कैसा था?

(क) प्रकृति उनके लिए उपभोग की वस्तु थी

(ख) वे प्रकृति पर विजय पाना चाहते थे

(ग) वे प्रकृति का दोहन कर सफ़ल होना चाहते थे

(घ) वे प्रकृति का आत्मीय हिस्सा बनकर रहना चाहते थे

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—सालिम अली प्रकृतिमय हो चुके थे। उन्होंने प्रकृति की एक हँसती-खेलती दुनिया अपने चारों ओर बसा रखी थी और उसी का आत्मीय हिस्सा बनकर रहना चाहते थे।

4. 'सपनों के गीत गाने' का तात्पर्य है।

(क) अपना पसंदीदा कार्य करना **(ख)** नींद में गाना गाने

(ग) गाने में सपनों का वर्णन करना **(घ)** झूठी बातें करना

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—हर व्यक्ति सपने देखता है और जीवन भर उन्हें पूरा करने का प्रयास करता है। उस सपने से संबंधित प्रत्येक कार्य को करने में उसे आनंद की अनुभूति होती है।

5. सालिम अली किसकी तरह प्रकृति में विलीन हो रहे थे?

(क) वन पक्षी **(ख)** वन सिंह

(ग) जलीय पौधे **(घ)** सुगंधित वायु

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—सालिम अली जीवन भर पक्षियों की खोज में लगे रहे। उनका जीवन पूरी तरह पक्षियों को ही समर्पित था इसलिए लेखक ने उन्हें वन-पक्षी की संज्ञा दी है।

AI **II.** पता नहीं, इतिहास में कब कृष्ण ने वृंदावन में रासलीला रची थी और शोख गोपियों को अपनी शरारतों का निशाना बनाया था। कब माखन भरे भाँड़े फोड़े थे और दूध-छाछ से अपने मुँह भरे थे। कब वाटिका में, छोटे-छोटे किंतु घने पेड़ों की छाँह में विश्राम किया था। कब दिल की धड़कनों को एकदम से तेज़ करने वाले अंदाज़ में बंसी बजाई थी और पता नहीं कब वृदांवन की पूरी दुनिया संगीतमय हो गई थी। पता नहीं यह सब कब हुआ था? लेकिन कोई आज भी वृंदावन जाए तो नदी का साँवला पानी उसे पूरे घटनाक्रम की याद दिला देगा। हर सुबह, सूरज निकलने से पहले, जब पतली गलियों से उत्साह भरी नदी की ओर बढ़ती है, तो लगता है। जैसे उस भीड़ को चीरकर अचानक कोई सामने आएगा और बंसी की आवाज़ पर सब किसी के कदम थम जाएँगे। हर शाम सूरज ढलने से पहले, जब वाटिका का माली सैलानियों को हिदायत देगा, तो लगता है जैसे बस कुछ ही क्षणों में वह कहीं से आ टपकेगा और संगीत का जादू वाटिका के भरे-पूरे माहौल पर छा जाएगा। वृंदावन कभी कृष्ण की बाँसुरी के जादू से खाली हुआ है क्या?

1. वृंदावन में श्रीकृष्ण ने कौन-कौन सी रासलीलाएँ रचाई?

(क) माखन की हड़िया फोड़ डाली

(ख) चुरा-चुरा कर माखन खाने की लीला

(ग) दूध, छाछ गिराने और खाने की

(घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—वृंदावन में श्रीकृष्ण ने गोपियों को अपनी शरारतों का निशाना बनाया। उन्होंने मक्खन और दही से भरी मटकियाँ फोड़ीं। खूब माखन खाया। वाटिकाओं और कुंजों में बंसी बजाई।

2. वृंदावन जाने पर सैलानियों को क्या याद आता है?

(क) घंटियों की आवाज़

(ख) मधुर बंसी की आवाज़

(ग) दरवाजें खुलने की आवाज़

(घ) बच्चों के रोने की आवाज़

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—वृंदावन जाने पर सैलानियों को श्रीकृष्ण की मधुर बंसी की याद अवश्य आती है। उन्हें ऐसा लगता है मानो अभी कोई भीड़ को चीरकर सामने प्रकट होगा और उसकी मधुर बंसी को सुनकर सबके कदम थम जाएँगे।

3. कृष्ण की बाँसुरी के जादू से कौन-सा स्थान खाली नहीं होता?

(क) द्वारका **(ख)** हस्तिनापुर

(ग) मथुरा **(घ)** वृंदावन

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—वृंदावन कभी भी श्रीकृष्ण की मधुर बंसी के प्रभाव से मुक्त नहीं होता। उसका जादू सदैव छाया रहता है।

4. गद्यांश में प्रयुक्त 'शोख' शब्द का अर्थ लिखिए।

(क) चंचल **(ख)** मूर्ख

(ग) बुद्धिहीन **(घ)** विवेकी

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—'शोख' उर्दू भाषा का शब्द है, इसका अर्थ है—चंचल।

5. वाटिका पर किसका जादू छा जाएगा?

(क) संगीत का **(ख)** फूलों का

(ग) माली का **(घ)** सैलानियों का

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

AI **III.** मिथकों की दुनिया में इस सवाल का जवाब तलाश करने से पहले एक नजर कमजोर काया वाले उस व्यक्ति पर डाली जाए, जिसे हम सालिम अली के नाम से जानते हैं। उम्र की शती तक

पहुँचने में थोड़े ही दिन तो बच रहे थे। संभव है, लम्बी यात्राओं की थकान ने उनके शरीर को कमज़ोर कर दिया हो और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी उनकी मौत का कारण बनी हो, लेकिन अन्तिम समय तक मौत उनकी आँखों से वह रोशनी छीनने में सफल नहीं हुई जो पक्षियों की तलाश और उनकी हिफ़ाज़त के प्रति समर्पित थी। सालिम अली की आँखों पर चढ़ी दूरबीन उनकी मौत के बाद ही तो उतरी थी।

1. सालिम अली दूरबीन का उपयोग किसके लिए करते थे?

(क) पक्षियों की सुरक्षा के लिए
(ख) पक्षियों को देखने के लिए
(ग) दूरगामी दृश्य देखने के लिए
(घ) सैलानियों को देखने के लिए

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—सालिम अली पक्षियों को देखने के लिए दूरबीन का प्रयोग करते थे जो उनके गले में हर समय लटकी रहती थी।

2. सालिम अली का जीवन-काल कितने समय का था?

(क) लगभग 100 वर्ष
(ख) लगभग 80 वर्ष
(ग) लगभग 90 वर्ष
(घ) लगभग 85 वर्ष

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—जिस समय सालिम अली की मृत्यु हुई, उस समय उनकी आयु के सौ वर्ष पूरे होने में थोड़े दिन ही बचे थे।

3. सालिम अली की आँखों पर चढ़ी दूरबीन कब उतरी?

(क) मृत्यु से पहले **(ख)** उनकी मृत्यु के बाद
(ग) पक्षियों को देखते समय **(घ)** उपर्युक्त सभी

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—सालिम अली अपने गले में लंबी दूरबीन लटकाए पक्षियों की खोज में निकल पड़ते थे। वह दूरबीन उनकी मृत्यु के बाद ही उनके गले से उतरी।

4. लगातार लंबी यात्रा करने का सालिम अली पर क्या प्रभाव पड़ा?

(क) यात्रा व्यय के कारण आर्थिक संकट से जूझना पड़ा।
(ख) परिवार के साथ समय न व्यतीत कर पाने से पारिवारिक कलह का सामना करना पड़ा।
(ग) थकान के कारण शरीर कमज़ोर होता गया।
(घ) लगातार घूमने के कारण घर में उनका दम फूलने लगा।

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—सालिम अली पक्षियों की तलाश में निरंतर लंबी यात्राएँ करते रहे जिससे थकान के कारण उनका शरीर कमज़ोर होता चला गया।

5. गद्यांश में प्रयुक्त 'समर्पित' शब्द में उपसर्ग है।

(क) स **(ख)** सम्
(ग) त **(घ)** इत

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—यहाँ 'अर्पित' मूल शब्द है और इसमें 'सम्' उपसर्ग लगा है।

AI IV. उन जैसा 'बर्ड-वाचर' शायद ही कोई हुआ हो, लेकिन एकान्त क्षणों में सालिम अली बिना दूरबीन भी देखे गए हैं। दूर क्षितिज तक फैली ज़मीन और झुके आसमान को छूने वाली उनकी नजरों में कुछ-कुछ वैसा ही जादू था, जो प्रकृति को अपने घेरे में बाँध लेता है। सालिम अली उन लोगों में थे जो प्रकृति के प्रभाव में आने की बजाए प्रकृति को अपने प्रभाव में लाने के कायल होते हैं। उनके लिए प्रकृति में हर तरफ़ एक हँसती-खेलती रहस्यभरी दुनिया पसरी थी। यह दुनिया उन्होंने बड़ी मेहनत से अपने लिए गढ़ी थी। इसको गढ़ने में उनकी जीवन-साथी तहमीना ने काफी मदद पहुँचाई थी।

1. बिना दूरबीन के सालिम अली कब देखे गए?

(क) व्यस्त समय में **(ख)** एकान्त क्षणों में
(ग) सामान्य दिनों में **(घ)** इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—सालिम अली अपने गले में लंबी दूरबीन लटकाए पक्षियों की खोज में निकल पड़ते थे। कभी-कभी एकांत के क्षणों में वे बिना दूरबीन के देखे जाते थे।

2. सालिम अली को किस नाम से सम्बोधित किया गया है?

(क) बर्ड-वाचर **(ख)** पक्षीसम्राट
(ग) पक्षीराज **(घ)** प्रकृति वैज्ञानिक

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—गद्यांश में सालिम अली को बर्ड-वाचर के नाम से संबोधित किया है क्योंकि वे पक्षियों की तलाश में जीवन भर लगे रहे।

3. उनकी नज़रों में कैसा जादू था?

(क) जो प्रकृति को अपने घेरे में बाँध लेता है
(ख) जो प्रकृति के सानिध्य में रहता है
(ग) जो प्रकृति को अपने प्रभाव में लाते हैं
(घ) (क) व (ग) दोनों

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—सालिम अली की आँखों में प्रकृति को अपने घेरे में बाँध लेने का जादू था। वे उन लोगों में से थे जो प्रकृति के प्रभाव में न आकर उसे अपने प्रभाव में ले लेते हैं।

4. उनके लिए प्रकृति कैसी थी?

(क) अद्भुत, रहस्यभरी **(ख)** विलक्षण
(ग) अपूर्ण **(घ)** अकल्पनीय

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—सालिम अली के लिए प्रकृति में हर तरफ़ एक हँसती-खेलती रहस्यभरी दुनिया बिखरी हुई थी।

5. सालिम अली के सपनों को पूरा करने में किसने उनकी मदद की ?

(क) उनके एक मित्र ने
(ख) उनकी जीवन-साथी तहमीना ने
(ग) उनकी माँ ने
(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—सालिम अली एक प्रसिद्ध पक्षी-विज्ञानी थे। उनका पूरा जीवन पक्षियों की खोज में बीता। उन्हें अपने सपने पूरे करने में उनकी पत्नी तहमीना ने बहुत मदद की।

V. अपने लंबे रोमांचकारी जीवन में ढेर सारे अनुभवों के मालिक सालिम अली एक दिन केरल की 'साइलेंट वैली' को रेगिस्तानी हवा के झोंकों से बचाने का अनुरोध लेकर चौधरी चरण सिंह से मिले थे। वे प्रधानमंत्री थे। चौधरी साहब गाँव की मिट्टी पर पड़ने वाली पानी की पहली बूँद का असर जानने वाले नेता थे। पर्यावरण के संभावित खतरों का जो चित्र सालिम अली ने उनके सामने रखा, उसने उनकी आँखें नम कर दी थीं। आज सालिम अली नहीं हैं। चौधरी साहब भी नहीं हैं। कौन बचा है, जो अब सोंधी माटी पर उगी फसलों के बीच एक नए भारत की नींव रखने का संकल्प लेगा? कौन बचा है, जो अब हिमालय और लद्दाख की बर्फ़ीली ज़मीनों पर जीने वाले पक्षियों की वकालत करेगा?

1. सालिम अली अपने लम्बे रोमांचकारी जीवन में किसके मालिक थे?

(क) ढेर सारे अनुभवों के
(ख) जीवन दर्शन में रुचि रखने वाले
(ग) विलासपूर्ण जीवन शैली वाले
(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—अपने जीवन की रोमांचकारी यात्राओं में सालिम अली को अनेक अनुभव हुए।

2. केरल की 'साइलेंट वैली' को रेगिस्तानी हवा के झोंकों से बचाने का अनुरोध लेकर वे किस प्रधानमंत्री से मिले?

(क) चौधरी चरण सिंह **(ख)** लालबहादुर शास्त्री
(ग) मनमोहन सिंह **(घ)** मोरारजी देसाई

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

3. सालिम अली ने चौधरी साहब के सामने क्या बात रखी? 1

(क) पर्यावरण के संभावित खतरों की
(ख) कृषि कानूनों में सुधार की
(ग) महँगाई को कम करने की
(घ) जनसंख्या के सम्भावित खतरों की

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री से केरल की साइलेंट वैली में रेगिस्तानी हवा के झोंकों से पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की चर्चा की।

4. गाँव की मिट्टी पर पड़ने वाली पानी की पहली बूँद का असर जानने वाले नेता कौन थे?

(क) जयशंकर प्रसाद **(ख)** चौधरी साहब
(ग) वी.पी. सिंह **(घ)** राजीव गांधी

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—चौधरी चरण सिंह किसान राजनेता के रूप में प्रसिद्ध थे। उनका बचपन गाँव में ही बीता था इसीलिए वे गाँव की मिट्टी पर पड़ने वाली पानी की पहली बूँद की सौंधी सुगंध से परिचित थे।

5. 'पर्यावरण' शब्द में उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए?

(क) पर्या+वरण **(ख)** परि + आवरण
(ग) पर्य+आवरण **(घ)** प + र्यावरण

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—यहाँ 'आवरण' मूल शब्द है जिसमें 'परि' उपसर्ग लगा है।

VI. जटिल प्राणियों के लिए सालिम अली हमेशा एक पहेली बने रहेंगे। बचपन के दिनों में, उनकी एयरगन से घायल होकर गिरने वाली, नीले कंठ की वह गौरैया सारी ज़िन्दगी उन्हें खोज के नए-नए रास्तों की तरफ ले जाती रही। ज़िन्दगी की ऊँचाइयों में उनका विश्वास एक क्षण के लिए भी डिगा नहीं। वे लॉरेंस की तरह नैसर्गिक ज़िन्दगी का प्रतिरूप बन गए थे।

सालिम अली प्रकृति की दुनिया में एक टापू बनने की बजाय अथाह-सागर बनकर उभरे थे। जो लोग उनके भ्रमणशील स्वभाव और उनकी यायावरी से परिचित हैं, उन्हें महसूस होता है कि वे आज भी पक्षियों के सुराग में ही निकले हैं और बस अभी गले में लंबी दूरबीन लटकाए अपने खोजपूर्ण नतीजों के साथ लौट आएँगे।

1. जटिल प्राणियों के लिए सालिम अली क्या बने रहेंगे?

(क) एक पहेली **(ख)** एक कौतुहल
(ग) एक सुराग **(घ)** एक जादू

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—सालिम अली सहज स्वभाव के पक्षीविज्ञानी थे किन्तु जटिल प्राणी उनकी सहजता से अनभिज्ञ रहते थे। उनके लिए सालिम अली एक पहेली थे।

2. सालिम अली प्रकृति की दुनिया में किस प्रकार उभरे थे?

(क) टापू बनकर **(ख)** अथाह सागर बनकर

(ग) नदी बनकर **(घ)** तालाब बनकर

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—सालिम अली प्राकृतिक ज़िन्दगी के प्रतिरूप थे। लेखक के अनुसार सालिम अली प्रकृति की दुनिया में एक टापू की तरह सीमित न रहकर विशाल अथाह सागर बनकर उभरे थे।

3. सालिम अली को खोज के नए रास्तों की ओर ले जाने वाली कौन थी?

(क) एक गिलहरी

(ख) नीले कंठ की गौरैया

(ग) मोरनी

(घ) मैना

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—बचपन में सालिम अली की एयरगन से एक नीले कंठ की गौरैया घायल हो गई थी। घायल होकर गिरने वाली उस नीले कंठ की गौरैया ने उनके जीवन की दिशा बदल दी।

4. पक्षी विज्ञानी के रूप में सालिम अली की तुलना किससे की?

(क) डी.एच.लॉरेंस से **(ख)** फ्रीडा से

(ग) तहमीना से **(घ)** तसलीना से

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—गद्यांश में सालिम अली के व्यक्तित्व की समानता 20वीं सदी के अंग्रेजी के प्रसिद्ध उपन्यासकार और कवि डी.एच लॉरेंस से दर्शायी गई है क्योंकि वे भी प्रकृति और पक्षी प्रेमी थे।

5. 'ज़िंदगी की ऊँचाइयों' का क्या अर्थ है? **1**

(क) चरम सीमा पर पहुँचना

(ख) अथाह धन-संपदा का स्वामी होना

(ग) जीवन-मूल्यों की श्रेष्ठता को समझना

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—अपने व्यस्ततम जीवन में भी सालिम अली का विश्वास आदर्श जीवन मूल्यों के प्रति कभी कम नहीं हुआ।

❑❑

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

अध्याय

4 प्रेमचन्द के फटे जूते

— हरिशंकर परसाई

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए—

1. प्रेमचंद की व्यंग्य मुसकान से लेखक के हौंसले पस्त होने का क्या कारण है?

(क) वे सीधे-साधे थे

(ख) लगता था मानो लेखक का ही मजाक उड़ा रहे हैं

(ग) वे गरीबों पर व्यंग्य करते थे

(घ) वे बाह्य आडंबर करते थे

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

2. 'मेरी जनता के लेखक' से क्या तात्पर्य है?

(क) जनता की सेवा करने वाले से

(ख) समाज के प्रत्येक वर्ग को अपनी रचना में स्थान देना

(ग) उच्च वर्ग की उपेक्षा करने से

(घ) जनता के बीच में रहने वाले लेखक से

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—मुंशी प्रेमचंद समाज के प्रत्येक शोषित एवं पीड़ित वर्ग की समस्याओं की ओर अपनी लेखनी से सबका ध्यान आकर्षित करते थे।

3. प्रेमचंद द्वारा समझौता न करने के क्या कारण रहे होंगे?

(क) वे स्वाभिमानी व्यक्तित्व और सुधारवादी दृष्टिकोण रखते थे

(ख) वे परिवर्तन से भयभीत थे

(ग) वे सरल स्वभाव के थे

(घ) वे समाज से डरते होंगे

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—स्वाभिमानी व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में भी परिस्थितियों से समझौता नहीं कर सकता।

4. 'टीला' किसे कहा गया है?

(क) किसी चट्टान को

(ख) किसी सख्त चीज़ को

(ग) समाज के उत्थान को

(घ) समाज में व्याप्त कुरीतियों और रूढ़िवादी परम्पराओं को

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—समाज में व्याप्त रूढ़िवादी परंपराएँ और कुरीतियाँ टीले के समान उभरकर समाज के विकास में अवरोधक बनती हैं।

5. 'प्रेमचंद के फटे' जूते पाठ से समाज को क्या संदेश मिलता है?

(क) फटे जूते नहीं पहनने चाहिए

(ख) जूते सम्मान का प्रतीक हैं

(ग) दिखावा छोड़कर सादा जीवन जीना चाहिए

(घ) समाज में अमीर लोगों को जीने का अधिकार है

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—दिखावे की संस्कृति समाज को खोखला बनाती है जबकि सादगी समाज को स्थिरता और मजबूती प्रदान करती है।

6. लेखक का जूता कैसा है?

(क) ऊपर से फटा है।

(ख) नीचे से तला फटा है।

(ग) (क) तथा (ख) दोनों

(घ) पिछला भाग फटा है।

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—जूता का तला फटने से सम्मान तो बना रहता है किंतु पाँव घायल होकर पीड़ा पहुँचाता है।

7. लेखक का अँगूठा लहूलुहान कब होता है?

(क) पत्थर से चोट खाकर

(ख) काँटा चुभने पर

(ग) ज़मीन पर घिसने और पैनी मिट्टी पर रगड़ खाकर

(घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—फटे तले का जूता पहनने से लेखक का बाहरी सम्मान बना रहा। पाँव घायल हो गए जबकि प्रेमचंद का फटे जूते पहनने से उपहास तो हुआ लेकिन पाँव सुरक्षित रहे।

8. प्रेमचंद किसका महत्व नहीं जानते?

(क) कपड़ों का

(ख) जूते का

(ग) पैर का

(घ) परदे का

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—परदा हमारी बुराइयों को छिपा देता है और वास्तविकता को उजागर नहीं होने देता है। लेकिन प्रेमचंद दोहरी जिंदगी जीने में विश्वास नहीं रखते थे।

9. लेखक और प्रेमचंद की फोटो में क्या अंतर है?

(क) लेखक की अँगुली ऊपर से ढकी है, पंजा नीचे से घिस रहा है

(ख) लेखक और प्रेमचंद दोनों की स्थिति समान है

(ग) लेखक और प्रेमचंद दोनों की अँगुली दिख रही है

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—लेखक दिखावे की प्रवृत्ति के कारण कष्ट झेलता है जबकि प्रेमचंद फटा जूता पहनकर भी खुश प्रतीत होते हैं।

10. लेखक बिना फोटो के भी जीवनी छपवाने को क्यों तैयार है?

(क) क्योंकि उसे कभी जीवनी छपवाने का अवसर नहीं मिला

(ख) क्योंकि लेखक जीवनी छपवाने योग्य नहीं है

(ग) क्योंकि वह प्रेमचंद की तरह फटे जूते पहनकर फोटो नहीं खिंचा सकता

(घ) क्योंकि उसे बिना फोटो के कोई फर्क नहीं पड़ता

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

गद्यांशों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए— (1×5=5)

I. फोटो खिंचाना था तो ठीक जूते पहन लेते या न खिंचाते। फोटो न खिंचाने से क्या बिगड़ता था। शायद पत्नी का आग्रह रहा हो और तुम 'अच्छा, चल भई' कह कर बैठ गए होगें। मगर यह कितनी बड़ी ट्रेजडी है कि आदमी के पास फोटो खिंचाने को भी जूता न हो। मैं तुम्हारी यह फोटो देखते-देखते, तुम्हारे क्लेश को अपने भीतर महसूस करके जैसे रो पड़ना चाहता हूँ, मगर तुम्हारी आँखों का यह तीखा दर्द भरा व्यंग्य मुझे एकदम रोक देता है।

1. किसके फोटो खिंचाने के बारे मे बात की गई है?

(क) हरिशंकर परसाई के

(ख) प्रेमचंद के

(ग) श्यामसुंदर दास के

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—लेखक प्रेमचंद को नहीं बल्कि उनके (चित्रों) को देखता है। अत: प्रेमचंद के फोटो खिंचाने के बारे में बात हो रही है।

2. लेखक के अनुसार फोटो खिंचाने का आग्रह किसने किया होगा?

(क) प्रेमचंद के मित्र ने (ख) प्रेमचंद के भाई ने

(ग) प्रेमचंद की बहन ने (घ) प्रेमचंद की पत्नी ने

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

3. लेखक ने ट्रेजडी किसे कहा है?

(क) किसी आदमी के पास कपड़े न हों

(ख) किसी आदमी के पास जूते न हों

(ग) किसी आदमी के पास इत्र न हो

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—साधारण व्यक्ति के पास भी जूते होते हैं जबकि प्रेमचंद एक प्रसिद्ध साहित्यकार थे। उनके पास जूते न होना एक ट्रेजडी ही कहा जा सकता है।

4. प्रेमचंद की फोटो देखकर लेखक का अंतर्मन क्या करने को करता है?

(क) रोना चाहता है

(ख) हँसना चाहता है

(ग) प्रेमचंद का उपहास उड़ाना चाहता है

(घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—लेखक की आर्थिक स्थिति भी प्रेमचंद जैसी है इसलिए प्रेमचंद की दशा की कल्पना कर उसका अंतर्मन रोना चाहता है।

5. लेखक को कैसे पता लगता है कि प्रेमचंद के जूते फटे हुए हैं?

(क) प्रेमचंद को देखकर

(ख) फोटोग्राफर को देखकर

(ग) प्रेमचंद की फोटो को देखकर

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

II. मैं चेहरे की तरफ देखता हूँ। क्या तुम्हें मालूम है, मेरे साहित्यिक पुरखे कि तुम्हारा जूता फट गया है और अंगुली बाहर दिख रही

है? क्या तुम्हें इसका जरा भी अहसास नहीं है? ज़रा लज्जा, संकोच या झेंप नहीं है ? क्या तुम इतना भी नहीं जानते कि धोती को थोड़ा नीचे खींच लेने से अंगुली ढक सकती है? मगर फिर भी तुम्हारे चेहरे पर बड़ी बेपरवाही, बड़ा विश्वास है। फोटोग्राफर ने जब 'रेडी-प्लीज़' कहा होगा, तब परम्परा के अनुसार तुमने मुस्कान लाने की कोशिश की होगी।

1. गद्यांश में लेखक ने प्रेमचंद को किस नाम से संबोधित किया है?

(क) उपन्यास सम्राट **(ख)** कहानीकार
(ग) साहित्यिक पुरखे **(घ)** महान कथाकार

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—लेखक ने प्रेमचंद को साहित्यिक पुरखे कहकर इसलिए संबोधित किया है, क्योंकि प्रेमचंद ने लेखक से बहुत समय पहले साहित्यिक योगदान देकर समाज को नई दिशा दी।

2. ज़रा लज्जा, संकोच या झेंप किसे नहीं है?

(क) लेखक को **(ख)** प्रेमचंद को
(ग) (क) तथा (ख) दोनों **(घ)** फोटोग्राफर को

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

3. फोटो में फटे जूते से क्या बाहर निकलता दिखाई दे रहा था?

(क) अँगुली **(ख)** अँगूठा
(ग) **(क)** तथा **(ख)** दोनों **(घ)** इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—फोटो में जूता फटा होने से अँगुली बाहर निकलती दिख रही है।

4. लेखक ने अँगुली ढकने के लिए क्या उपाय सुझाया?

(क) धोती बाँधने का **(ख)** जूता सिलवाने का
(ग) धोती नीचे खींच लेने का **(घ)** गमछा डालने का

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—धोती को थोड़ा नीचे खिसकाकर पहनने से सहजता से फटे जूते से बाहर निकली अँगुली को ढ़का जा सकता था।

5. प्रेमचंद के चेहरे पर बेपरवाही और विश्वास क्या दर्शाता है?

(क) उनकी निर्धनता **(ख)** उनका साहित्य लेखन
(ग) उनका दिखावटीपन **(घ)** उनकी सादगी

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—प्रेमचंद को दिखावा अच्छा नहीं लगता था।

AI III. पाँवों में केनवस के जूते हैं जिनके बंद बेतरतीब बँधे हैं। लापरवाही से उपयोग करने पर बंद के सिरों पर की लोहे की पतरी निकल जाती है और छेदों में बंद डालने में परेशानी होती है। तब बंद कैसे भी कस लिए जाते हैं। दाहिने पाँव का जूता ठीक है, मगर बाएँ जूते में बड़ा छेद हो गया है जिसमें से अँगुली बाहर निकल आई है। मेरी दृष्टि इस जूते पर अटक गई है। सोचता हूँ फोटो खिंचाने की अगर यह पोशाक है, तो पहनने की कैसी होगी ? नहीं, इस आदमी की अलग-अलग पोशाकें नहीं होंगी—इसमें पोशाकें बदलने का गुण नहीं है।

1. किस पाँव का जूता ठीक है?

(क) दाहिने का **(ख)** बाएँ का
(ग) (क) तथा (ख) दोनों **(घ)** इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—फोटो से स्पष्ट होता है कि दाहिने पाँव का जूता नहीं फटा है।

2. बाएँ जूते की स्थिति कैसी है?

(क) तला फट गया है **(ख)** बंद टूट गए हैं
(ग) बड़ा छेद हो गया है **(घ)** फीते खराब हो गए हैं

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—जूते फटने पर बड़ा छेद हो गया है, जिससे अँगुली बाहर निकल रही है।

3. लेखक की दृष्टि कहाँ अटक गई है?

(क) प्रेमचंद की टोपी पर **(ख)** प्रेमचंद के जूतों पर
(ग) प्रेमचंद के कपड़ों पर **(घ)** प्रेमचंद के फोटो पर

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—प्रेमचंद की फोटो में फटे जूते को देखकर लेखक सोच में पड़ गया।

4. लेखक के अनुसार प्रेमचंद में कौन-सा गुण नहीं है?

(क) जूते बदलने का **(ख)** फोटो खिंचवाने का
(ग) पोशाकें बदलने का **(घ)** टोपी पहनने का

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

5. लेखक की दृष्टि में फोटो खिंचवाने के लिए कैसी पोशाक होनी चाहिए?

(क) साधारण **(ख)** अच्छी
(ग) कैसी भी **(घ)** इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—अच्छी पोशाक में फोटो खिंचवाने से फोटो आकर्षक लगता है।

AI **IV.** तुम फोटो का महत्त्व नहीं समझते। समझते होते, तो किसी से फोटो खिंचाने के लिए जूते माँग लेते। लोग तो माँगे के कोट से वर-दिखाई करते हैं और माँगे की मोटर से बारात निकालते हैं। फोटो खिंचाने के लिए बीवी तक माँग ली जाती है, तुमसे जूते ही माँगते नहीं बने! तुम फोटो का महत्त्व नहीं जानते। लोग तो इत्र चुपड़ कर फोटो खिंचाते हैं जिससे फोटो में खुशबू आ जाए! गंदे से गंदे आदमी की फोटो भी खुशबू देती है।

1. कोट माँग कर लोग क्या करते हैं?

(क) बारात में जाना

(ख) वर-दिखाई करना

(ग) नौकरी का साक्षात्कार देना

(घ) शादी करना

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—वर दिखाई के समय प्राय: वर कोट पहनकर जाता है, कोट जैसे अच्छे कपड़े पहनने से व्यक्तित्व प्रभावशाली लगता है। इसलिए कोट ना होने पर दूसरों से माँगकर पहनता है।

2. लेखक हरिशंकर परसाई के अनुसार प्रेमचंद किसका महत्व नहीं समझते थे?

(क) पोशाक का **(ख)** जूते का

(ग) बारात का **(घ)** फोटो का

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—फोटो दिखावे का प्रतीक है जो प्रेमचंद को पसंद नहीं है।

3. फोटो खिंचाने के लिए क्या तक माँग ली जाती है?

(क) मोटर **(ख)** कपड़े

(ग) बीवी **(घ)** घर

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—पति-पत्नी की युगल जोड़ी को यादगार बनाने के लिए ख्रि11ांचा ली जाती है। बीवी अगर सुंदर न हो तो दूसरे की बीवी उधार माँग कर फोटो खिंचाने का व्यंग्य किया गया है।

4. लेखक ने फोटो से खुशबू आने का व्यंग्य किस कारण किया है?

(क) इत्र चुपड़ कर खिंचाने से

(ख) कस्तूरी लगाकर खिंचाने से

(ग) केसर लगाकर खिंचाने से

(घ) फूल माला लगाकर खिंचाने से

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—इत्र खुशबू देता है। लोग फोटो खिंचाने से पहले इत्र लगाते हैं। इस पर लेखक ने व्यंग्य किया है कि शायद इत्र लगाने से फोटो से खुशबू आती होगी।

5. माँगना किस बात का प्रतीक है?

(क) गरीबी का

(ख) स्वार्थ सिद्धि का

(ग) (क) तथा (ख) दोनों

(घ) धर्म का

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—माँगना मनुष्य की प्रवृत्ति है। गरीब आवश्यकता पूर्ति हेतु और स्वार्थी अपने स्वार्थ सिद्धि हेतु माँगते हैं।

AI **V.** टोपी आठ आने में मिल जाती है और जूते उस ज़माने में भी पाँच रुपये से कम क्या मिलते होंगे। जूता हमेशा टोपी से कीमती रहा है। अब तो जूते की कीमत और बढ़ गई है और एक जूते पर पचीसों टोपियाँ न्यौछावर होती हैं। तुम भी जूते और टोपी के अनुपातिक मूल्य के मारे हुए थे। यह विडंबना मुझे इतनी तीव्रता से पहले कभी नहीं चुभी, जितनी आज चुभ रही है, जब मैं तुम्हारा फटा जूता देख रहा हूँ। तुम महान कथाकार, उपन्यास-सम्राट, युग-प्रवर्तक, जाने क्या-क्या कहलाते थे मगर फोटो में भी तुम्हारा जूता फटा हुआ है।

1. प्रेमचंद के ज़माने में जूते की कीमत क्या थी?

(क) आठ आने **(ख)** पाँच आने

(ग) पाँच रुपए **(घ)** दो रुपए

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—टोपी कपड़े की बनती है जो सस्ती मिलती है जबकि जूता चमड़े का बनता है जो महँगा होता है।

2. अब जूते की कीमत कितनी बढ़ गई है?

(क) एक जूते पर पच्चीसों टोपियाँ न्योछावर होती हैं

(ख) टोपी की कीमत जूते से बढ़ी हुई है

(ग) एक जूते पर पच्चीसों कमीजें न्यौछावर होती हैं

(घ) जूते पहनने से सम्मान मिलता है।

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—जूता अमीर वर्ग की ओर संकेत करता है जिनके समक्ष अनेक लोग नतमस्तक रहते है।

3. जूता और टोपी किसके प्रतीक हैं?

(क) शक्ति और सम्मान के

(ख) स्वार्थ और सबलता के

(ग) सम्मान और शक्ति के

(घ) सबल और सक्षम के

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—धनी लोग धन के बल पर शक्तिशाली होते हैं जबकि स्वाभिमानी लोग सम्मान पाते हैं।

4. लेखक को क्या बात चुभ रही है?

(क) प्रेमचंद का लोकप्रिय होना

(ख) प्रेमचंद का निर्धन होना

(ग) प्रेमचंद के जूते का फटा होना

(घ) प्रेमचंद का एक जूता ठीक होना

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—फटा जूता गरीबी को दर्शाता है। लेखक को यह बात चुभती है कि इतना प्रतिष्ठित साहित्यकार नया जूता भी नहीं खरीद सकता था।

5. प्रेमचंद की निर्धनता का मूल कारण क्या था?

(क) उनकी अकर्मण्यता

(ख) उनकी स्वार्थ हीनता

(ग) उनकी सादगी और आलस्य

(घ) उनकी सिद्धांतवादिता

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—सिद्धांतवादी कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करते तथा अपने सद्गुणों को नहीं त्यागते, भले ही गरीबी में जीवन बिताना पड़े।

❑❑

OSWAAL BOOKS® LEARNING MADE SIMPLE

अध्याय

5 मेरे बचपन के दिन

— महादेवी वर्मा

1. महादेवी वर्मा के परिवार में लगभग कितने वर्ष कोई लड़की नही थी ?
(क) 20 वर्ष
(ख) 50 वर्ष
(ग) 60 वर्ष
(घ) 200 वर्ष
उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

2. महादेवी वर्मा की कविताएँ किस पत्रिका में छपती थीं ?
(क) स्त्री युग
(ख) स्त्री विचार
(ग) स्त्री दर्पण
(घ) स्त्री काल
उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

3. महादेवी वर्मा से चाँदी का कटोरा किसने लिया ?
(क) नेहरू जी
(ख) गाँधी जी
(ग) पटेल जी
(घ) तिलक जी
उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

4. मनमोहन को नाम किसने दिया था ?
(क) ताई
(ख) माँ
(ग) पिता
(घ) बहन
उत्तर—विकल्प (क) सही है।

5. लेखिका की माँ ने पहले उन्हें क्या पढ़ना सिखाया ?
(क) गीता
(ख) रामायण
(ग) पंचतंत्र
(घ) महाभारत
उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

6. लेखिका को उर्दू-फारसी सिखाने के लिए किसे नियुक्त किया गया ?
(क) पादरी
(ख) मौलवी
(ग) पण्डित
(घ) गुरु
उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

7. लेखिका के घर के पास कहाँ के नवाब रहते थे ?
(क) आगरा
(ख) लखनऊ
(ग) अवध
(घ) कोई नहीं
उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

8. मनमोहन वर्मा किस विश्वविद्यालय के उपकुलपति रहे ?
(क) गोरखपुर विश्वविद्यालय
(ख) लखनऊ विश्वविद्यालय
(ग) दिल्ली विश्वविद्यालय
(घ) बनारस विश्वविद्यालय
उत्तर—विकल्प (क) सही है।

❑❑

अध्याय

7 उपभोक्तावाद की संस्कृति

—श्यामाचरण दुबे

पाठ का सारांश

'उपभोक्तावाद की संस्कृति' पाठ में श्री श्यामाचरण दुबे जी ने आधुनिक समय में प्रसारित नए-नए विज्ञापनों की चमक-दमक से प्रभावित खरीददारी करने वालों को सचेत करते हुए लिखा है कि वस्तुओं के गुणों को देखकर तथा बाहरी गुणों के दिखावे में आकर कुछ खरीदने की प्रवृत्ति से समाज में दिखावे की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा तथा सर्वत्र अशान्ति और विषमता फैल जाएगी। लेखक सोचता है कि आज चारों ओर बदलाव नजर आ रहा है। जीवन जीने के नए-नए ढंग अपनाए जा रहे हैं। सभी लोग सुख-सुविधाओं के जाल में फँसकर उपभोग की नई एवं आधुनिक वस्तुओं को खरीदने के लालच में खून-पसीने की कमाई को खर्च करने में लगे हुए हैं। बाजार विलासिता की सामग्री से भरा पड़ा है जिनकी खूब बिक्री हो रही है। विज्ञापनों के प्रसार-प्रचार से इन वस्तुओं की ओर आकर्षण बढ़ता जा रहा है; जैसे—टूथपेस्ट, दाँतों को मोती जैसा चमकीला बनाता है, मुँह की दुर्गन्ध हटाता है, मसूड़े मजबूत बनाता है, बबूल या नीम के गुणों से युक्त है आदि विज्ञापन उपभोक्ताओं का मन मोह रहे हैं। इसी प्रकार से टूथ-ब्रश, माउथ वॉश तथा अन्य सौन्दर्य-प्रसाधनों के विज्ञापन खूब आते हैं। साबुन, परफ्यूम, आफ्टर शेव लोशन, कोलोन आदि अनेक सौन्दर्य प्रसाधनों के लुभावने विज्ञापन उपभोक्ता को आकर्षित करके उत्पाद खरीदने को बाध्य कर देते हैं। उच्च वर्ग की महिलाओं की ड्रेसिंग टेबल तीस-तीस हजार से भी अधिक मूल्य के सौन्दर्य प्रसाधनों से भरी रहती है।

इसी प्रकार से परिधान के क्षेत्र में जगह-जगह बुटीक खुल गए हैं जो महँगे एवं नवीनतम फैशन के वस्त्रों से भरे पड़े हैं जहाँ जाकर उपभोक्ता दिग्भ्रमित हो जाता है एवं ठगी का शिकार होता है। अनेक डिजाइनों में एक लाख तक की घड़ियाँ मिलती हैं। अब घरों में म्यूजिक सिस्टम और कम्प्यूटर रखना फ़ैशन हो गया है। विवाह पाँच सितारा होटल में होते हैं, तो बीमारों के लिए पाँच सितारा अस्पताल भी हैं। पढ़ाई के लिए पाँच सितारा विद्यालय तो हैं ही शायद निकट भविष्य में कॉलेज और विश्वविद्यालय भी पाँच सितारा बन जाएँगे। विदेशों में तो मरने से पहले ही अन्तिम संस्कार का प्रबन्ध भी मूल्य अदायगी पर हो जाता है। आपकी कब्र के आस-पास सदा ही हरी घास होगी, मनचाहे फूल होंगे। प्रतिष्ठा प्राप्ति के इस संसार में अनेक रूप हैं चाहे वे हास्यास्पद ही क्यों न हों। यह एक सूक्ष्म झलक आज के उपभोक्तावादी समाज की है, क्योंकि हमारा समाज विशिष्ट एवं सम्मानित व्यक्तियों का है परन्तु सामान्य-जन भी इसे ललचाई निगाहों से देखकर आकर्षित होते हैं।

लेखक को चिन्ता है कि भारत में उपभोक्तावादी संस्कृति का इतना फैलाव क्यों हो रहा है? लेखक को लगता है कि आज का उपभोक्तावाद सामंती संस्कृति से ही पैदा हुआ है। इससे हम अपनी सांस्कृतिक पहचान भी खोते जा रहे हैं। हम पश्चिमी देशों की नकल करते हुए बौद्धिक रूप से उनके गुलाम बन रहे हैं। हम आधुनिकता से झूठे मानदण्ड अपनाकर मान-सम्मान प्राप्त करने की अंधी होड़ में अपने रीति-रिवाज भूलकर दिखावटी आधुनिकता के मोह रूपी बंधन में जकड़ते जा रहे हैं। हम दिशाहीन होकर भटकते जा रहे हैं अच्छे-बुरे की पहचान से दूर भाग रहे हैं और हमारा समाज भटक गया है जिसके कारण हमारे सीमित साधन व्यर्थ में नष्ट हो रहे हैं तथा हमारे परिश्रम की कमाई भी व्यर्थ ही नष्ट हो रही है। लेखक सोचता है कि हमारी उन्नति आलू के चिप्स खाने तथा बहुविज्ञापित विदेशी शीतल पेयों को पीने से नहीं हो सकती। पीज़ा, वर्गर को लेखक ने कूड़ा खाद्य माना है। समाज में आज आपसी प्रेम की कमी होती जा रही है। जीवन स्तर में निरंतर उन्नति के कारण समाज के विभिन्न वर्गों में द्वेष बढ़ता जा रहा है। इससे समाज में विषमता और अशान्ति बढ़ रही है और हमारी सांस्कृतिक पहचान नष्ट होती जा रही है। मर्यादाएँ समाप्त हो रही हैं तथा नैतिक पतन हो रहा है। स्वार्थ की भावना बढ़ती जा रही है। समाज भोग प्रधान बनता जा रहा है। गाँधीजी ने कहा था कि—''हम सब ओर से स्वस्थ सांस्कृतिक मूल्य ग्रहण करें, परन्तु अपनी पहचान बनाए रखें। यह उपभोक्तावादी संस्कृति हमारी सामाजिक नींव को ही हिला रही है।'' हमें इस बड़े खतरे से बचने के लिए सोचना चाहिए और देश के भविष्य की सुरक्षा के लिए उपाय खोजने चाहिए।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
वर्चस्व	हावी होना	प्रतिमान	आदर्श	उत्पाद	तैयार माल
छद्म	बनावटी	चमत्कृत	हैरान	आक्रोश	गुस्सा
अस्मिता	सांस्कृतिक पहचान	परमार्थ	लोक कल्याण	आकांक्षाएँ	इच्छाएँ

गद्यांशों पर आधारित अतिलघु एवं लघुउत्तरीय प्रश्नोत्तर *(प्रत्येक 5 अंक)*

निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

1. 'सामंती संस्कृति के तत्व भारत में पहले भी रहे हैं। उपभोक्तावाद इस संस्कृति से जुड़ा रहा है। आज सामंत बदल गए हैं, सामंती संस्कृति का मुहावरा बदल गया है। हम सांस्कृतिक अस्मिता की बात कितनी ही करें; परम्पराओं का अवमूल्यन हुआ है, आस्थाओं का क्षरण हुआ है। कड़वा सच तो यह है कि हम बौद्धिक दासता स्वीकार कर रहे हैं। पश्चिम के सांस्कृतिक उपनिवेश बन रहे हैं। हमारी नई संस्कृति अनुकरण की संस्कृति है। हम आधुनिकता के झूठे प्रतिमान अपनाते जा रहे हैं। प्रतिष्ठा की अंधी प्रतिस्पर्धा में जो अपना है, उसे खोकर छद्म आधुनिकता की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। संस्कृति की नियंत्रक शक्तियों के क्षीण हो जाने के कारण हम दिग्भ्रमित हो रहे हैं'।

[C.B.S.E. 2014 Term I]

प्रश्न (क) 'सामंती' संस्कृति और उपभोक्तावाद के बीच क्या सम्बंध है? **2**

उत्तर— उपभोक्तावाद की संस्कृति ने आसानी से अपने पैर इस संस्कृति में जमा लिए हैं और पूरी तरह इस कुसंस्कृति को पुष्पित एवं पल्लवित कर रही है। दोनों ही प्रकार से यह संस्कृति लोगों को अपना गुलाम बनाती जा रही है जिससे सावधान रहना आवश्यक है।

प्रश्न (ख) 'उपभोक्तावाद की संस्कृति' से हमारी संस्कृति किस रूप में प्रभावित हो रही है? **2**

उत्तर— 'उपभोक्तावाद की संस्कृति' के कारण भारतीय जीवन मूल्यों का विघटन हो रहा है। आस्थाओं की नींव कमज़ोर हो रही है। लोग परस्पर प्रेम, संतोष परमार्थ से दूर भाग रहे हैं जिसका परिणाम शीघ्र ही मिलेगा।

प्रश्न (ग) 'पश्चिम के सांस्कृतिक उपनिवेश' का भाव स्पष्ट कीजिए। **1**

उत्तर— पश्चिम के सांस्कृतिक उपनिवेश का भाव है कि हम संस्कृति के क्षेत्र में इंग्लैंड, अमेरिका तथा अन्य विदेशों की संस्कृति अपना कर उनके सांस्कृतिक गुलाम बनते जा रहे हैं।

2. गाँधी जी ने कहा था कि 'हम स्वस्थ सांस्कृतिक प्रभावों के लिए अपने दरवाजे-खिड़की खुले रखें, पर अपनी बुनियाद पर कायम रहें।' उपभोक्ता संस्कृति हमारी सामाजिक नींव को ही हिला रही है। यह एक बड़ा खतरा है। भविष्य के लिए यह एक बड़ी चुनौती है।

[C.B.S.E. 2012 Term I]

प्रश्न (क) 'स्वस्थ सांस्कृतिक प्रभावों के लिए अपने दरवाजे-खिड़की खुले रखें' का क्या आशय है? **2**

उत्तर— खुले मन से अन्य संस्कृतियों की अच्छी बातों का स्वागत करना स्वस्थ प्रभावों के लिए दरवाजे व खिड़की खुली रखना है।

प्रश्न (ख) सामाजिक नींव को हिलाने वाली संस्कृति क्या है? भविष्य के लिए वर्तमान चुनौती कौन-सी है? **2**

उत्तर— उपभोक्तावादी संस्कृति सामाजिक नींव को हिलाने वाली संस्कृति है। अपनी संस्कृति को उपभोक्तावादी संस्कृति के प्रभाव में हानि पहुँचाना हमारे भविष्य के लिए चुनौती है।

प्रश्न (ग) 'दरवाजे-खिड़की' में समास है। **1**

उत्तर— द्वंद्व समास।

3. धीरे-धीरे सब कुछ बदल रहा है। एक नई जीवन-शैली अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है। उसके साथ आ रहा है एक नया जीवन दर्शन, उपभोक्तावाद का दर्शन। उत्पादन बढ़ाने पर जोर है चारों ओर। यह उत्पादन आपके लिए है, आपके भोग के लिए, आपके सुख के लिए है। सुख की व्याख्या बदल गई है। उपभोग-भोग ही सुख है। एक सूक्ष्म बदलाव आया है कि नई स्थिति में उत्पाद आपके लिए है पर आप यह भूल जाते हैं जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं।

प्रश्न (क) बदलाव के कारण कैसी जीवन शैली आ रही है व उपभोक्तावाद से किस चीज को बढ़ाने पर जोर है? **2**

उत्तर— नए ढंग की जीवन शैली आज बदलाव के कारण अस्तित्व में आई है। उपभोक्तावाद में उत्पादन बढ़ाने पर जोर है।

प्रश्न (ख) आज सुख क्या है? उत्पाद हमें किस प्रकार प्रभावित कर रहा है? **2**

उत्तर— उपभोग-भोग ही आज सुख है। हम ये भूल गये हैं कि जाने-अनजाने आज का माहौल और उपभोक्तावादी संस्कृति हमारा चरित्र भी बदल रही है और हम उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं।

प्रश्न (ग) आज माहौल में क्या बदलाव आता जा रहा है? **1**

उत्तर— आज उत्पादों पर निर्भरता का बदलाव सामाजिक जीवन में आ गया है।

4. एक नई जीवन-शैली अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है। उसके साथ आ रहा है एक नया जीवन-दर्शन-उपभोक्तावाद का दर्शन। चारों ओर उत्पादन बढ़ाने पर जोर है। यह उत्पादन आपके लिए है; आपके भोग के लिए है, आपके सुख के लिए है। 'सुख' की व्याख्या बदल गई है। उपभोग-भोग ही सुख है। नई स्थिति में एक सूक्ष्म बदलाव आया है। उत्पाद तो आपके लिए हैं, पर आप यह भूल जाते हैं कि जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं।

प्रश्न (क) आज चारों ओर कौन-सी जीवन-शैली फैल रही है? उसके साथ कौन-सा जीवन-दर्शन आ रहा है? **2**

उत्तर— आज उपभोक्तावादी जीवन-शैली चारों ओर फैल रही है। उसके साथ एक नया जीवन दर्शन—उपभोक्तावाद का दर्शन आ रहा है।

प्रश्न (ख) 'वर्चस्व' का समानार्थक शब्द लिखिये। **1**

उत्तर— वर्चस्व शब्द का समानार्थक प्रभुता है।

प्रश्न (ग) सुख की नई व्याख्या के अनुसार उसकी परिभाषा क्या है? **2**

उत्तर— विलासिता की वस्तुओं के प्रयोग को आनन्द मानना ही सुख की परिभाषा है। अर्थात् आज उपभोग सुख को ही सुख कहा जा रहा है।

5. हमारी नई संस्कृति अनुकरण की संस्कृति है। हम आधुनिकता के झूठे प्रतिमान अपनाते जा रहे हैं। प्रतिष्ठा की अंधी प्रतिस्पर्धा में जो अपना है उसे खोकर छद्म आधुनिकता की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। संस्कृति की नियंत्रक शक्तियों के क्षीण हो जाने के कारण हम दिग्भ्रमित हो रहे हैं। हमारा समाज ही अन्य-निर्देशित होता जा रहा है। विज्ञापन और प्रसार के सूक्ष्मतंत्र हमारी मानसिकता बदल रहे हैं। उनमें सम्मोहन की शक्ति है, वशीकरण की भी।

प्रश्न (क) 'छद्म आधुनिकता की गिरफ्त में आने' का क्या भाव है? **2**

उत्तर— बिना सोच विचार के फ़ैशन के रूप में आधुनिकता को स्वीकारना ही छद्म आधुनिकता की गिरफ्त में आना है।

प्रश्न (ख) 'झूठे प्रतिमान अपनाते जाने' का क्या आशय है? **2**

उत्तर— पाश्चात्य देशों के थोथे आदर्शों एवं मानदण्डों को अपनाना ही झूठे प्रतिमान अपनाना है।

प्रश्न (ग) 'निर्देशित' शब्द में मूल शब्द और प्रत्यय बताएँ। **1**

उत्तर— निर्देश् (मूल शब्द) + इत (प्रत्यय)।

6. जैसे-जैसे दिखावे की यह संस्कृति फ़ैलेगी, सामाजिक अशान्ति भी बढ़ेगी। हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का ह्रास तो हो ही रहा है, हम लक्ष्य-भ्रम से भी पीड़ित हैं। विकास के विराट उद्देश्य पीछे हट रहे हैं, हम झूठी तुष्टि के तात्कालिक लक्ष्यों का पीछा कर रहे हैं। मर्यादाएँ टूट रही हैं, नैतिक मानदण्ड ढीले पड़ रहे हैं। व्यक्ति-केन्द्रिकता बढ़ रही है, स्वार्थ परमार्थ पर हावी हो रहा है। भोग की आकांक्षाएँ आसमान को छू रही हैं। किस बिन्दु पर रुकेगी यह दौड़?

प्रश्न (क) हमारी आकांक्षाएँ क्या रूप ले रही हैं? **2**

उत्तर— हमारी भोग की आकांक्षाएँ आसमान छूती जा रही हैं। व्यक्ति-केन्द्रिकता बढ़ रही है, स्वार्थ परमार्थ पर हावी हो रहा है।

प्रश्न (ख) दिखावे की संस्कृति का क्या प्रभाव होगा? इसके कारण हम किससे पीछे हट रहे हैं? **2**

उत्तर— दिखावे की संस्कृति के साथ सामाजिक अशान्ति भी बढ़ेगी। दिखावे की संस्कृति को अपनाने से हम अपने विराट लक्ष्य से भटक रहे हैं।

प्रश्न (ग) 'लक्ष्य-भ्रम से पीड़ित' होने का क्या आशय है? **1**

उत्तर— दिखावे की संस्कृति में फँसकर उचित-अनुचित का निर्णय न कर पाना हमारा लक्ष्य भ्रम है।

7. कम्प्यूटर काम के लिए तो खरीदे ही जाते हैं, महज दिखावे के लिए उन्हें खरीदने वालों की संख्या भी कम नहीं है। खाने के लिए पाँच सितारा होटल है। वहाँ तो अब विवाह भी होने लगे हैं। बीमार पड़ने पर पाँच सितारा अस्पतालों में आइए। सुख-सुविधाओं और अच्छे इलाज के अतिरिक्त यह अनुभव काफी समय तक चर्चा का विषय भी रहेगा, पढ़ाई के लिए पाँच सितारा पब्लिक स्कूल हैं, शीघ्र ही शायद कॉलेज और यूनिवर्सिटी भी बन जाए। **[C.B.S.E. 2016 Term I]**

प्रश्न (क) पाठ में ऐसा क्यों कहा जा रहा है कि 'कम्प्यूटर' खरीदना एक दिखावा है ? स्पष्ट कीजिए। **2**

उत्तर— पाठ में ऐसा इसलिए कहा गया है क्योंकि कुछ लोग कंप्यूटर महज दिखावे के लिए ही खरीदते हैं, चाहे उन्हें उसकी जानकारी हो या नहीं हो। **[C.B.S.E. Marking Scheme, 2016]**

प्रश्न (ख) लोगों के जीवन में 'पाँच सितारा' चीज़ें किस प्रकार से महत्वपूर्ण बनती जा रही हैं ? **2**

उत्तर— लोगों के जीवन में पाँच सितारा चीजें बहुत अधिक महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वह काफी समय तक चर्चा की विषय बनी रहती हैं। इससे उन्हें अपनी प्रतिष्ठा में वृद्धि होती दिखाई देती है। **[C.B.S.E. Marking Scheme, 2016]**

प्रश्न (ग) अच्छे पाँच सितारा अस्पताल में इलाज कराने में कौन-सी भावना निहित होती है ? **1**

उत्तर— उसकी चर्चा बहुत दिनों तक चलने से वे अपनी शान में वृद्धि महसूस करते हैं। **[C.B.S.E. Marking Scheme, 2016]**

पाठ पर आधारित लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर *(प्रत्येक 2 अंक)*

प्रश्न 1. उपभोक्ता संस्कृति से किसे और क्यों खतरा है? **[C.B.S.E. 2014 Term I]**

उत्तर— उपभोक्ता संस्कृति से समाज को खतरा है क्योंकि इसे अपनाने से परम्पराओं का क्षरण एवं मूल्यों में गिरावट आई है, आस्थाओं में कमी हो रही है और मानसिक तौर पर हम गुलाम बनते जा रहे हैं। **2**

प्रश्न 2. आज की उपभोक्तावादी संस्कृति हमारे दैनिक जीवन को किस प्रकार प्रभावित कर रही है?

[C.B.S.E. 2014, 13, 12, 10 Term I M]

उत्तर— आज की उपभोक्तावादी संस्कृति हमारे दैनिक जीवन को बहुत प्रभावित कर रही है। हम नए-नए उत्पादनों के विज्ञापन की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उपभोक्तावादी संस्कृति ने हमारे दैनिक जीवन में उथल-पुथल मचा दी है, हम उत्पादनों के गुलाम बनते जा रहे हैं। अब वस्तुएँ आवश्यकता को देखकर नहीं बल्कि हैसियत को देखकर ली जाती हैं। **2**

प्रश्न 3. उपभोक्ता संस्कृति के विकास से लेखक क्यों चिंतित है? उपभोक्तावाद की संस्कृति पाठ के आधार पर उन तथ्यों का उल्लेख कीजिए जिनसे हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का विनाश होता जा रहा है। **[C.B.S.E. 2013 Term I]**

उत्तर— हमारी परम्पराओं व आस्थाओं का अवमूल्यन चिन्ताजनक है। पश्चिमी संस्कृति के अंधानुकरण में प्रतिष्ठा के झूठे प्रतिमान अपनाने व आधुनिकता के नाम पर अपनी संस्कृति व स्वयं दोनों को छलावा दे रहे हैं। विज्ञापन और प्रचार-प्रसार की शक्तियों से सम्मोहित होकर किसी अन्य के निर्देशन में हम दिग्भ्रमित हो गए हैं। यह चिन्ताजनक है। हमारे सीमित बहुमूल्य संसाधनों का अपव्यय हो रहा है सम्बन्धों में दूरियाँ बढ़ी हैं तथा मर्यादा, नैतिक मानदंड नष्ट हो रहे हैं, व्यक्ति केन्द्रिकता बढ़ रही है और फलत: सांस्कृतिक अस्मिता अर्थात् हमारी सांस्कृतिक पहचान नष्ट हो रही है। **2**

प्रश्न 4. सौंदर्य प्रसाधनों की भीड़ चमत्कृत करने वाली होती है, ऐसा क्यों ? उपभोक्तावाद की संस्कृति पाठ के आधार पर बताइए।

[C.B.S.E. 2014 Term I]

उत्तर— सौंदर्य प्रसाधनों में निरंतर नए-नए उत्पाद हर माह जुड़ते जा रहे हैं अत: सौंदर्य प्रसाधनों को भीड़ जनता को चमत्कृत और गुमराह करने वाली होती है। तमाम उपभोक्ता इनके आकर्षक विज्ञापनों से प्रभावित होकर उन्हें खरीदने को विवश हो जाते हैं। **2**

प्रश्न 5. लेखक के अनुसार जीवन में 'सुख' से क्या अभिप्राय है? **[C.B.S.E. 2012, 10 Term I]**

उत्तर— लेखक के अनुसार जीवन में 'सुख' से अभिप्राय बाजार में उपलब्ध सभी प्रकार की सुख-सुविधाओं के साधनों से है। सुख की व्याख्या बदल गई है, आज उपभोग-भोग ही सुख मान लिया गया है। **2**

प्रश्न 6. कोई वस्तु हमारे लिए उपयोगी हो या न हो, लेकिन टी. वी. पर विज्ञापन देखकर हम उसे खरीदने के लिए अवश्य लालायित होते हैं, क्यों? **[C.B.S.E. 2010 Term I]**

उत्तर— टी. वी. पर आने वाले विज्ञापन बहुत आकर्षक व प्रभावी होते हैं। वे हमारे मन में वस्तुओं के प्रति भ्रामक आकर्षण जगा देते हैं। बच्चे तो उनके बिना रह ही नहीं पाते। इसलिए अनुपयोगी वस्तुएँ भी हमें लालायित कर देती हैं और हम उन्हें खरीदने को बाध्य हो जाते हैं। **2**

प्रश्न 7. आज के उपभोक्तावादी युग में पनप रही दिखावे की संस्कृति पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

[C.B.S.E. 2010 Term I]

अथवा

दिखावे की संस्कृति का हमारे समाज पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

[C.B.S.E. 2012, 10 Term I]

उत्तर— आज दिखावे की संस्कृति पनप रही है। यह बात बिलकुल सत्य है। इसलिए लोग उन्हीं चीजों को अपना रहे हैं जो दुनिया की नजरों में अच्छी हैं। सारे सौंदर्य-प्रसाधन मनुष्यों को सुन्दर दिखाने का ही प्रयास करते हैं। पहले यह दिखावा औरतों में होता था, आजकल पुरुष भी इस दौड़ में आगे बढ़ चले हैं। नए-नए परिधान और फैशनेबल वस्त्र दिखावे की संस्कृति को ही बढ़ावा दे रहे हैं। यह दिखावा संस्कृति मनुष्य को मनुष्य से दूर कर रही है। लोगों के सामाजिक सम्बन्ध घटने लगे हैं। मन में अशान्ति, आक्रोश व तनाव बढ़ रहा है। हम लक्ष्य से भटक रहे हैं। यह अशुभ है, अत: इसे रोका जाना चाहिए। **2**

प्रश्न 8. सुख की पहली और आज की परिभाषा क्या है? **[C.B.S.E. 2012, 10 Term I, Set 32]**

उत्तर— पहले सुख का तात्पर्य प्रसन्नता और आत्मिक संतोष था, पर अब सुख का तात्पर्य 'उपभोग-भोग' है। **2**

प्रश्न 9. जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं? **[C.B.S.E. 2010 Term I]**

उत्तर— आज उपभोक्ता संस्कृति के बढ़ते प्रभाव के कारण हमारे चित्त में बदलाव आ रहा है। आकर्षक विज्ञापनों के प्रभाव के कारण हम उत्पादों पर समर्पित होते जा रहे हैं। विज्ञापन में दिखाई गई वस्तुओं से आकर्षित होकर हम उन्हें खरीदने को मजबूर हो रहे हैं। उत्पादों की अंधी दौड़ में शामिल होकर हम उनके दास बनते जा रहे हैं। **2**

प्रश्न 10. प्रतिष्ठा के अनेक रूप होते हैं, चाहे वे हास्यास्पद ही क्यों न हों ? आशय लिखिए। **[C.B.S.E. 2010 Term I, Set F1]**

उत्तर— समाज में प्रतिष्ठा के अनेक रूप हैं। उपभोक्तावादी संस्कृति के बढ़ते प्रभाव और विज्ञापनों से आकर्षित होकर व्यक्ति दिखावे की जिन्दगी जीने को विवश है। समाज में अपना स्तर ऊँचा करने के लिए और प्रतिष्ठा पाने के लिए कई बार वह गैर ज़रूरी उत्पादन खरीदकर लोगों के सामने हँसी का पात्र भी बन जाता है। **2**

प्रश्न 11. आपके अनुसार वस्तुओं के खरीदने का आधार वस्तु की गुणवत्ता होनी चाहिए या उसका विज्ञापन। तर्क देकर स्पष्ट करें। **[C.B.S.E. 2010 Term I]**

उत्तर— वस्तुओं को खरीदने का एक ही आधार होना चाहिए—वस्तु की गुणवत्ता। विज्ञापन हमें गुणवत्ता वाली वस्तुओं का परिचय करा सकते हैं, परन्तु अधिकतर विज्ञापन भ्रम भी पैदा करते हैं। वे आकर्षक दृश्य दिखाकर गुणहीन वस्तुओं का प्रचार करते हैं। **2**

प्रश्न 12. छद्म आधुनिकता किसे कहते हैं ? हम उनकी गिरफ्त में क्यों आ रहे हैं? **[C.B.S.E. 2010 Term I]**

उत्तर— छद्म आधुनिकता से तात्पर्य—आधुनिक होने का दिखावा करना है। हम पश्चिमी देशों को अपने से अधिक आधुनिक एवं विकसित मान बैठे हैं। यही कारण है कि हम उनकी जीवन-शैली का अंधानुकरण कर रहे हैं और छद्म आधुनिकता की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। **2**

प्रश्न 13. हमारी निगाह गुणवत्ता पर न जाकर विज्ञापन के पीछे भाग रही है, क्यों? **[C.B.S.E. 2010 Term I]**

उत्तर— विज्ञापन के आकर्षण में फँसकर कई बार हम गुणवत्ता पर ध्यान नहीं देते जबकि वस्तु खरीदने का आधार गुणवत्ता होना चाहिए। विज्ञापन इतने आकर्षक होते हैं कि हम उनकी चमक-दमक एवं मोह जाल में फँस जाते हैं। **2**

प्रश्न 14. सम्पन्न वर्ग द्वारा प्रदर्शन पूर्ण जीवन शैली अपनाई जा रही है जिसे सामान्य लोग ललचाई निगाहों से देखते हैं। यह समाज के हित में नहीं है, कैसे? **[C.B.S.E. 2010 Term I]**

उत्तर— सम्पन्न वर्ग द्वारा प्रदर्शन पूर्ण जीवन शैली हमारे मन-मस्तिष्क को ऐसे जकड़ रही है कि हमारा चरित्र बदलता जा रहा है। अपने नैतिक मानदण्डों को त्यागकर हम स्वार्थी हो गए हैं। **2**

प्रश्न 15. आज सुख की परिभाषा किस प्रकार बदल गई है? **[C.B.S.E. 2010 Term I]**

उत्तर— आज उपभोग भोग ही सुख है। आत्मिक सुख के स्थान पर भौतिक सुख का महत्त्व अधिक हो गया है। **2**

प्रश्न 16. उपभोक्तावादी संस्कृति अपनाने से हमें क्या नुकसान हुआ है? **[C.B.S.E. 2010 Term I]**

उत्तर— उपभोक्तावादी संस्कृति अपनाने से परम्पराओं का क्षरण एवं मूल्य में गिरावट आई है। आस्थाओं में कमी हो रही है। मानसिक तौर पर हम गुलाम बनते जा रहे हैं। **2**

प्रश्न 17. अत्यधिक विज्ञापनों का होना चिन्ता का विषय क्यों है? **[C.B.S.E. 2010 Term I]**

उत्तर— अत्यधिक विज्ञापनों का होना चिन्ता का विषय इसलिए है, क्योंकि इनसे सीमित साधनों का अपव्यय हो रहा है तथा समाज में वर्गों की दूरी बढ़ रही है। हमारी संस्कृति व जीवन मूल्यों का पतन हो रहा है। धन का दुरुपयोग अनुपयोगी वस्तुओं के खरीदने में किया जा रहा है। **2**

प्रश्न 18. उपभोक्ता संस्कृति के विकास के कारणों पर प्रकाश डालिए। **[C.B.S.E. 2010 Term I]**

उत्तर— लेखक के अनुसार भारत में उपभोक्तावादी संस्कृति का विकास करने में सामंती संस्कृति का योगदान रहा है। भारत में सामंत जरूर समाप्त हो गए हैं किन्तु संस्कार अब तक वही हैं। भारतीय लोग पश्चिम की संस्कृति का अंधानुकरण कर रहे हैं, आधुनिकता की अंधी दौड़ में शामिल हो रहे हैं तथा विज्ञापन और प्रचार-प्रसार से प्रभावित हो रहे हैं। उपभोक्तावादी संस्कृति धन के बढ़ते प्रभाव का भी कारण है। **2**

प्रश्न 19. आज की उपभोक्ता संस्कृति हमारे रीति-रिवाजों और त्यौहारों को किस प्रकार प्रभावित कर रही है ? स्पष्ट करें।

[C.B.S.E. 2010 Term I]

उत्तर— आज की उपभोक्तावादी संस्कृति हमारे रीति-रिवाजों और त्यौहारों को भी प्रभावित कर रही है। हमारे त्यौहार और रीति-रिवाज बड़ी समझ-बूझ के परिणाम थे। उनके कारण हमारी समाज-रचना उत्तम रीति से चल रही थी। परन्तु उपभोक्तावादी संस्कृति ने यहाँ भी अपने पाँव फैला लिए हैं। परिणामस्वरूप त्यौहार अपने लक्ष्य से भटक गए हैं। **2**

प्रश्न 20. संस्कृति की कौन-सी नियंत्रक शक्तियाँ हैं जो अब क्षीण हो चली हैं? **[C.B.S.E. 2010 Term I]**

उत्तर— भारतीय संस्कृति की नियंत्रक शक्तियाँ हैं—भारतीय धर्म, परम्पराएँ तथा आस्थाएँ। आज इन्हीं पर से विश्वास उठ गया है। आज न तो धर्म पर विश्वास रहा, न मंदिर पर, न पुजारी पर और न संन्यासी पर। इस कारण पुरानी परम्पराएँ और आस्थाएँ खण्डित हो चली हैं। लोग अब उनके अनुसार नहीं चलते, बल्कि पश्चिम से आई उपभोक्तावादी संस्कृति के अनुसार चल रहे हैं। **2**

प्रश्न 21. हम भारतीय लोग लक्ष्य भ्रम से पीड़ित कैसे हैं ? उपभोक्तावाद की संस्कृति पाठ के आधार पर समझाइए।

[C.B.S.E. 2016 Term I]

उत्तर— हम भारतीय लोग आधुनिक चकाचौंध के कारण अपने संस्कार भूल चुके हैं अत: लक्ष्य भ्रम से पीड़ित हैं। वस्तुत: हम बाहरी चमक-दमक को ही जीवन का लक्ष्य मान बैठे हैं। **2**

प्रश्न 22. हमारे द्वारा बौद्धिक दासता स्वीकार किए जाने से लेखक का क्या अभिप्राय है ? बताइए।

[C.B.S.E. 2016 Term I]

उत्तर— बौद्धिक दासता स्वीकार करने का अर्थ है अन्य संस्कृति, परम्पराओं को विवेकरहित होकर स्वीकार करना, स्वयं के भले-बुरे के सोच का अभाव होना। **[C.B.S.E. Marking Scheme, 2016] 2**

प्रश्न 23. लेखक श्यामाचरण दुबे के अनुसार झूठी तुष्टि क्या है ? इसका क्या परिणाम होता है ? उपभोक्तावाद की संस्कृति पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए। **[C.B.S.E. 2015 Term I]**

उत्तर— कुछ देर का सुख झूठी तुष्टि कहलाता है। यह सुख अस्थाई होता है और कुछ देर बाद वह फिर उसी को पाने के लिए लालायित हो उठता है। **[C.B.S.E. Marking Scheme, 2015] 2**

प्रश्न 24. उपभोक्तावादी संस्कृति के विषय में गाँधीजी के क्या विचार थे? **[C.B.S.E. 2010 Term I]**

उत्तर— उपभोक्तावादी संस्कृति के विषय में गाँधी जी ने कहा था—''हम केवल सांस्कृतिक प्रभावों पर ध्यान दें और अपनी बुनियाद पर कायम रहें, उपभोक्ता संस्कृति हमारी नींव हिलाकर हमें खोखला बना रही है जो हमारे लिए खतरा है तथा बड़ी चुनौती है।'' **2**

प्रश्न 25. गाँधीजी ने उपभोक्ता संस्कृति को हमारे समाज के लिए चुनौती क्यों कहा है? **[C.B.S.E. 2012, 10 Term I]**

उत्तर— गाँधीजी ने उपभोक्तावादी संस्कृति को हमारे समाज के लिए चुनौती इसलिए कहा है, क्योंकि उपभोक्ता संस्कृति ने हमारी सामाजिक नींव को हिला दिया है। जीवन में दिखावे की संस्कृति ने अशान्ति पैदा कर दी है। हम अपनी सांस्कृतिक पहचान खोते जा रहे हैं, अपनी परम्पराओं को भूलते जा रहे हैं। **2**

प्रश्न 26. व्यक्तिकेन्द्रिता का स्वरूप उपभोक्ताबाद की संस्कृति के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

[C.B.S.E. 2015, Term I]

उत्तर— व्यक्तिकेन्द्रिता का तात्पर्य है—अपने और अपने परिवार (बीबी, बच्चों) तक सीमित रहना और उन्हीं के सुख-दु:ख से प्रभावित होना। उपभोक्तावादी संस्कृति ने आज व्यक्ति को स्वार्थी एवं व्यक्तिकेन्द्रित बना दिया है। **2**

❑❑

अध्याय

8 एक कुत्ता और एक मैना

—डॉ. हज़ारीप्रसाद द्विवेदी

पाठ का सारांश

'एक कुत्ता और एक मैना' पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम-भक्ति, विनोद, करुणा जैसे मानवीय विचारों पर आधारित है। इस निबन्ध में रवीन्द्रनाथ की कविताओं और उनसे जुड़ी स्मृतियों के द्वारा गुरुदेव की संवेदनशीलता, विशाल हृदय और सरल स्वभाव को प्रदर्शित किया गया है तथा यह निबंध जीवों से प्रेम की प्रेरणा देता है।

लेखक बताता है कि आज से कई वर्ष पहले गुरुदेव के मन में शांति निकेतन छोड़कर कहीं अन्य स्थान पर शांतिपूर्वक समय बिताने की आवश्यकता नहीं हुई क्योंकि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं था। उन्होंने शांति निकेतन के पुराने तीसरे मंजिल के मकान में रहने का निर्णय लिया। लोहे की चक्करदार सीढ़ियों से वृद्ध और क्षीणबपु गुरुदेव को बड़ी मुश्किल से वहाँ पहुँचाया। उन दिनों छुट्टियाँ होने के कारण आश्रम के अधिकांश लोग बाहर चले गये थे। एक दिन लेखक ने सपरिवार उनके दर्शन की ठानी। जब कोई उनसे मिलने जाता तो गुरुदेव यह कहकर मुस्कुरा देते और पूछते 'दर्शनार्थी हैं क्या ?' शुरू-शुरू में लेखक ऐसी बंगला में बात करता है जो हिन्दी मुहावरों का अनुवाद हुआ करती थी। किसी अतिथि को ले जाकर वे कहते थे—"एक भद्र लोक आपनार दर्शनेन जन्य ऐसे छेन।" दर्शन शब्द सुनकर गुरुदेव मुस्कुरा देते थे। गुरुदेव वहाँ बड़े आनन्द में थे और बाहर एक कुर्सी पर बैठकर अस्ताचल सूर्य की ओर ध्यान से देखते रहते थे। लेखक को देखकर वे मुस्कुराए, बच्चों से जरा छेड़छाड़ की और कुशलता पूछकर चुप हो गए। ठीक उसी समय उनका कुत्ता धीरे-धीरे ऊपर आया और गुरुदेव के पैरों के पास खड़ा होकर पूँछ हिलाने लगा। गुरुदेव ने पीठ पर हाथ फेरा और कहा—"देखा तुमने, यह आ गए। इन्हें कैसे मालूम हुआ कि मैं यहाँ हूँ। आश्चर्य है! और देखो परितृप्ति इनके चेहरे पर दिखाई दे रही है।"

वास्तव में कुत्ते को न किसी ने बताया था, न रास्ता दिखाया था कि उसके स्नेहदाता दो मील दूर हैं और फिर भी वह पहुँच गया। इस कुत्ते को लक्ष्य मानकर गुरुदेव ने 'आरोग्य' में लिखा है—"प्रतिदिन प्रात:काल यह भक्त कुत्ता शान्ति से आसन के पास तब तक बैठा रहता है जब तक हाथों का स्पर्शरूपी स्नेह नहीं मिल जाता। इतनी-सी स्वीकृति से उसका अंग-अंग आनन्द से भर जाता है। उसने अपने सहज बोध से मानव में कौन-सा आविष्कार किया है इसकी भाषाहीन दृष्टि की करुण व्याकुलता जो कुछ समझती है मुझे उस दृष्टि से मनुष्य का सच्चा परिचय मिलता है।"

लेखक गुरुदेव की यह कविता पढ़ता है तो श्री निकेतन की तीसरी मंजिल की घटना प्रत्यक्ष-सी याद हो आती है। जो आज विश्व की अनेक महिमाशाली घटनाओं की श्रेणी में बैठ गई है। जब गुरुदेव का चिताभस्म कलकत्ता से आश्रम में लाया गया, उस समय भी न जाने किस सहज बोध के बल पर वह कुत्ता आश्रम के द्वार तक आया और चिताभस्म के साथ अन्यान्य आश्रमवासियों के साथ शान्त गम्भीर भाव में उत्तरायण तक गया। आचार्य क्षितिमोहन ने बताया कि वह चिताभस्म के कलश के पास थोड़ी देर चुपचाप बैठा भी रहा।

लेखक एक घटना और बताता है कि उन दिनों शान्ति निकेतन में वह आया ही था। गुरुदेव से इतना स्नेह नहीं हो पाया था। गुरुदेव अपने बगीचे में एक अध्यापक जी के साथ बड़े ध्यान से एक-एक फूल पत्ती को ध्यान से देखते टहल रहे थे तथा अध्यापक जी से बातें करते हुए एक बार कहा—"अच्छा साहब आश्रम से कौए कहाँ गये उनकी आवाज़ ही सुनाई नहीं देती ?" सचमुच कई दिनों तक आश्रम में न दिखाई देने पर पता चला कि ये भी कभी-कभी प्रवास को चले जाते हैं या जाने को बाध्य होते हैं। एक लेखक ने उनकी उपमा आधुनिक साहित्यकारों से दी है, क्योंकि इनका मोटो 'मिसचीफ फॉर मिसचीफ्स सेक' है (शरारत के लिए ही शरारत)। दूसरी बार जब लेखक गुरुदेव के पास था तो देखा कि एक लँगड़ी मैना फ़ुदक रही है। गुरुदेव ने कहा, "देख रहे हो यह यूथभ्रष्ट है यहाँ आकर रोज फ़ुदकती है। मुझे इसकी चाल में एक करुणा भाव दिखाई देता है।" लेखक के अन्दर भाव पैदा हुआ कि मैना दूसरों पर अनुकम्पा ही दिखाया करती है। नये बने मकान के सूराखों में प्रतिवर्ष एक मैना दंपत्ति नियमित भाव से यहाँ अपना परिवार जमाने के लिए तिनके और चिथड़ों से अपना निवास बना लेते हैं। पति-पत्नी एक-एक तिनका संजोकर पत्नी मैना मधुर वाणी में गाना गाते हुए निवास बनाते हैं दोनों ही खुशी में नाच-गान और आनन्द नृत्य से सदा कान मुखरित कर देते हैं।

गुरुदेव की बात पर लेखक ने ध्यान से देखा तो मालूम हुआ उसके मुख पर एकरूप भाव है। शायद यह विधुर पति है जो स्वयंवर सभा में परास्त हो गया है या विधवा पत्नी जो पति को खोकर चोट खाकर एकान्त में विहार कर रही है। इसी मैना को लक्ष्य करके गुरुदेव ने बाद में

एक कविता लिखी—"उस मैना को क्या हो गया है, यही सोचता हूँ। क्यों वह दल से अलग होकर अकेली रहती है ? पहले दिन देखा था सेमर के पेड़ के नीचे मेरे बगीचे में, जान पड़ा जैसे एक पैर से लँगड़ा रही हो। इसके बाद उसे रोज सबेरे देखता हूँ—संगीहीन होकर कीड़ों का शिकार करती है। चढ़ जाती है बरामदे में। नाच-नाच कर चहल-कदमी किया करती है, मुझसे जरा भी नहीं डरती। क्यों है ऐसी दशा इसकी ? समाज के किस दंड पर इसे निर्वासन मिला है। दल के किस अविचार का उसने मान किया है ? कुछ ही दूरी पर और मैनायें बक-झक कर रही हैं। घास पर उछल-कूद रहीं हैं, उड़ती-फ़िरती हैं शिरीष वृक्ष की शाखाओं पर। इस बेचारी को ऐसा कुछ भी शौक नहीं है। इसके जीवन में कहाँ गाँठ पड़ी है, यही सोच रहा हूँ।"

जब लेखक इस कविता को पढ़ता है तो उस मैना की करुणमूर्ति सामने आ जाती है। एक दिन वह मैना उड़ गई। सायंकाल कवि ने उसे नहीं देखा। जब वह अकेले जाया करती है उस डाल के कोने में, जब झींगुर अंधकार में झंकारता रहता है। जब हवा में बाँस के पत्ते झरझराते रहते हैं, पेड़ों की फाँक से पुकारा करता है नींद तोड़ने वाला संध्या तारा। कितना करुण है उसका गायब हो जाना।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
अन्यंत्र	कहीं और	अनुकंपा	कृपा
दर्शनीय	देखने योग्य	परास्त	हारा हुआ
भद्र	भला	अभियोग	आरोप
परितृप्ति	संतुष्टि	विधुर	जिसकी पत्नी मर गई हो
अहैतुक	अकारण		

गद्यांशों पर आधारित अतिलघु एवं लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर (प्रत्येक 5 अंक)

निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

1. मैं जब यह कविता पढ़ता हूँ तब मेरे सामने श्रीनिकेतन के तितल्ले पर की वह घटना प्रत्यक्ष-सी हो जाती है। वह आँख मूँदकर अपरिसीम आनंद, वह 'मूक हृदय प्राणपण आत्मनिवेदन' मूर्तिमान हो जाता है। उस दिन मेरे लिए वह एक छोटी-सी घटना थी, आज वह विश्व की अनेक महिमाशाली घटनाओं की श्रेणी में बैठ गई है। एक आश्चर्य की बात और इस प्रसंग में उल्लेख की जा सकती है। जब गुरुदेव की चिताभस्म को कलकत्ते (कोलकाता) से आश्रम में लाया गया, उस समय भी न जाने किस सहज बोध के बल पर वह कुत्ता आश्रम के द्वार तक आया और चिताभस्म के साथ अन्यान्य आश्रमवासियों के साथ शांत गंभीर भाव से उत्तरायण तक गया। आचार्य क्षितिमोहन सेन सबके आगे थे। उन्होंने मुझे बताया कि वह चिताभस्म के कलश के पास थोड़ी देर चुपचाप बैठा भी रहा।

प्रश्न (क) श्रीनिकेतन के तितल्ले की क्या घटना थी ? **2**

उत्तर— वह घटना यह थी कि अपने मालिक को ढूँढ़ता हुआ कुत्ता स्वयं वहाँ पहुँच गया था।

प्रश्न (ख) गद्यांश में लेखक ने जिस कविता का उल्लेख किया है वह किसके समर्पण पर आधारित है ? **2**

उत्तर— लेखक ने जिस कविता का उल्लेख किया है वह गुरुदेव द्वारा कुत्ते के समर्पण पर रचित कविता है।

प्रश्न (ग) इस गद्यांश में 'मैं' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ? **1**

उत्तर— इस गद्यांश में 'मैं' हजारीप्रसाद द्विवेदी के लिए प्रयुक्त हुआ है।

अथवा

प्रश्न (क) लेखक के लिए कौन-सी घटना श्रेष्ठ बन गई थी और क्यों ? **2**

उत्तर— गुरुदेव के स्पर्श से कुत्ते का परितृत्व होने की घटना लेखक के लिए श्रेष्ठ बन गई क्योंकि उसी पल में कवि ने इस मूक प्राणी की दृष्टि में उस विशाल सत्य अर्थात् करुणा को देख लिया जिसे वह मानव में नहीं देख पाया था।

प्रश्न (ख) तितल्ले पर कौन सी घटना घटी थी ? **2**

उत्तर— तितल्ले गुरुदेव के स्नेहपूर्ण व्यवहार से कुत्ते का परितृप्त होने की घटना घटी थी।

प्रश्न (ग) किसके मूक हृदय का प्राणपण आत्म-निवेदन मूर्तिमान हो जाता है ? **1**

उत्तर— कुत्ते के मूक हृदय का प्राणपण आत्मनिवेदन मूर्तिमान हो जाता है।

2. गुरुदेव वहाँ बड़े आनंद में थे। अकेले रहते थे। भीड़-भाड़ उतनी नहीं होती थी, जितनी शांतिनिकेतन में। जब हम लोग ऊपर गए तो गुरुदेव बाहर एक कुर्सी पर चुपचाप बैठे अस्तगामी सूर्य की ओर ध्यान स्तिमित नयनों से देख रहे थे। हम लोगों को देखकर मुस्कराए, बच्चों से जरा छेड़छाड़ की, कुशल-प्रश्न पूछे और फिर चुप हो गए। ठीक उसी समय उनका कुत्ता धीरे-धीरे ऊपर आया और उनके पैरों के पास खड़ा होकर पूँछ हिलाने लगा। गुरुदेव ने उसकी पीठ पर हाथ फेरा। वह आँखें मूँदकर अपने रोम-रोम से उस स्नेह-रस का अनुभव करने लगा। गुरुदेव ने हम लोगों की ओर देखकर कहा, ''देखा तुमने, यह आ गए। कैसे इन्हें मालूम हुआ कि मैं यहाँ हूँ, आश्चर्य है! और देखो, कितनी परितृप्ति इनके चेहरे पर दिखाई दे रही है।''

प्रश्न (क) जब लेखक शांति निकेतन पहुँचा तो उस समय गुरुदेव क्या कर रहे थे। **2**

उत्तर— जब लेखक शांति निकेतन पहुँचा तो उस समय गुरुदेव अपनी कुर्सी पर बैठकर अस्तगामी सूर्य की ओर ध्यान-स्तिमित नयनों से देख रहे थे।

प्रश्न (ख) गुरुदेव ने जब कुत्ते की पीठ पर हाथ फेरा तो कुत्ते ने क्या किया ? **2**

उत्तर— गुरुदेव ने जब कुत्ते की पीठ पर हाथ फेरा तो कुत्ता आँखें मूँदकर स्नेह-रस का अनुभव करने लगा।

प्रश्न (ग) गुरुदेव श्रीनिकेतन आने से पहले कहाँ रहते थे ? **1**

उत्तर— गुरुदेव श्री निकेतन आने से पहले शांति निकेतन में रहते थे।

3. 'प्रतिदिन प्रात:काल यह भक्त कुत्ता स्तब्ध होकर आसन के पास तब तक बैठा रहता है, जब तक अपने हाथों के स्पर्श से मैं इसका संग नहीं स्वीकार करता। इतनी-सी स्वीकृति पाकर ही उसके अंग-अंग में आनंद का प्रवाह बह उठता है। इस वाक्यहीन प्राणीलोक में सिर्फ यही एक जीव अच्छा-बुरा सबको भेदकर सम्पूर्ण मनुष्य को देख सका है, उस आनंद को देख सका है, जिसे प्राण दिया जा सकता है, जिसमें अहैतुक प्रेम ढाल दिया जा सकता है, जिसकी चेतना असीम चैतन्य लोक में राह दिखा सकती है, जब मैं इस मूक हृदय का प्राणपण आत्मनिवेदन देखता हूँ, जिसमें वह अपनी दीनता बताता रहता है, तब मैं यह सोच नहीं पाता कि उसने अपने सहज बोध से मानव स्वरूप में कौन-सा मूल्य आविष्कार किया है, इसकी भाषाहीन दृष्टि की करुण व्याकुलता जो कुछ समझती है, उसे समझा नहीं पाती और मुझे इस सृष्टि में मनुष्य का सच्चा परिचय समझा देती है।' इस प्रकार कवि की मर्मभेदी दृष्टि ने इस भाषाहीन प्राणी की करुण दृष्टि के भीतर उस विशाल मानव-सत्य को देखा है, जो मनुष्य के अंदर भी नहीं देख पाता।

प्रश्न (क) कुत्ते की भाषाहीन दृष्टि लेखक को क्या समझा देती है ? **2**

उत्तर— कुत्ते की भाषाहीन दृष्टि लेखक को इस सृष्टि में मनुष्य का सच्चा परिचय समझा देती है।

प्रश्न (ख) कुत्ता कब आनंदित होता था ? **2**

उत्तर— कुत्ता तब आनंदित होता था जब गुरुदेव अपने हाथों के स्पर्श से उसका संग स्वीकार करते थे।

प्रश्न (ग) 'वाक्यहीन प्राणीलोक' किसे कहा गया है ? **1**

उत्तर— 'वाक्यहीन प्राणीलोक' जीव-जंतुओं की मौन दुनिया को कहा गया है।

4. "जब मैं इस मूक हृदय का प्राणपण आत्मनिवेदन देखता हूँ, जिसमें वह अपनी दीनता बताता रहता है, तब मैं यह सोच ही नहीं पाता कि उसने अपने सहज बोध से मानव स्वरूप में कौन-सा मूल्य आविष्कार किया है, इसकी भाषाहीन दृष्टि की करुण व्याकुलता जो कुछ समझती है, उसे समझा नहीं पाती और मुझे इस सृष्टि में मनुष्य का सच्चा परिचय समझा देती है।" इस प्रकार कवि की मर्मभेदी दृष्टि ने इस भाषाहीन प्राणी की करुण दृष्टि के भीतर उस विशाल मानव-सत्य को देखा है, जो मनुष्य, मनुष्य के अंदर भी नहीं देख पाता।

प्रश्न (क) लेखक अपने मन में किसे देखकर क्या विचार कर रहे थे ? **2**

उत्तर— लेखक कुत्ते के प्राणपण आत्मनिवेदन को देखकर यह विचार कर रहे हैं कि कुत्ता कितनी आसानी से मनुष्य को समझ लेता है।

प्रश्न (ख) लेखक के अनुसार कुत्ता किस माध्यम से अपना कौन-सा भाव प्रकट कर रहा था ? **2**

उत्तर— लेखक के अनुसार कुत्ता अपने प्राणपण आत्मनिवेदन के माध्यम से अपनी दीनता का भाव प्रकट कर रहा है।

प्रश्न (ग) प्रस्तुत गद्यांश में 'मैं' शब्द किसके लिए आया है ? **1**

उत्तर— प्रस्तुत गद्यांश में 'मैं' शब्द गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के लिए आया है।

5. गुरुदेव वहाँ बड़े आनंद में थे। अकेले रहते थे। भीड़-भाड़ उतनी नहीं थी जितनी शांतिनिकेतन में। जब हम लोग ऊपर गए तो गुरुदेव बाहर एक कुर्सी पर चुपचाप बैठे अस्तगामी सूर्य की ओर ध्यान-स्तिमित नयनों से देख रहे थे। हम लोगों को देखकर मुस्कराए, बच्चों से जरा छेड़-छाड़ की, कुशल-प्रश्न पूछे और फिर चुप हो गए। ठीक उसी समय उनका कुत्ता धीरे-धीरे ऊपर आया और उनके पास खड़ा होकर पूँछ हिलाने लगा। गुरुदेव ने उसकी पीठ पर हाथ फेरा। वह आँखें मूँद कर अपने रोम-रोम से उस स्नेह-रस का अनुभव करने लगे।

प्रश्न (क) लेखक कहाँ और क्यों पहुँचा ? उसके पहुँचने पर गुरुदेव ने क्या किया ? **2**

उत्तर— लेखक गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर से मिलने श्रीनिकेतन पहुँचा। लेखक के पहुँचने पर गुरुदेव ने उसके बच्चों के साथ प्यार से छेड़छाड़ की और लेखक से उसकी कुशलता पूछी।

प्रश्न (ख) गुरुदेव के द्वारा पीठ पर हाथ फेरे जाने पर कुत्ते ने क्या किया ? **2**

उत्तर— गुरुदेव ने जब कुत्ते की पीठ पर हाथ फेरा तो वह अपनी आँखें बंद करके अपने रोम-रोम से गुरुदेव के स्नेह रस का अनुभव करने लगा।

प्रश्न (ग) अस्तगामी सूर्य का क्या अर्थ है ? **1**

उत्तर— अस्तगामी सूर्य का अर्थ है—डूबता हुआ सूर्य।

6. गुरुदेव ने बातचीत के सिलसिले में एक बार कहा, "अच्छा साहब, आश्रम के कौए कहाँ गए? उनकी आवाज सुनाई ही नहीं देती?" न तो मेरे साथी उन अध्यापक महाशय को खबर थी और न ही मुझे। बाद में मैंने लक्ष्य किया कि सचमुच कई दिनों से आश्रम में कौए नहीं दिख रहे हैं। मैने तब तक कौओं को सर्वव्यापक पक्षी ही समझ रखा था। अचानक उस दिन मालूम हुआ कि ये भले आदमी भी कभी-कभी प्रवास को चले जाते हैं या चले जाने को बाध्य होते हैं। एक लेखक ने कौओं की आधुनिक साहित्यिकों से उपमा दी है, क्योंकि इनका मोटो है 'मिसचीफ् फार मिसचिफ् सेक' (शरारत के लिए ही शरारत)।

प्रश्न (क) गुरुदेव ने किन कौओं को आश्रम के कौए कहा है ? **2**

उत्तर— वे कौए जो उड़ते-उड़ते आश्रम की हरियाली को देख यूँ ही आश्रम में आ जाते थे, उन्हें गुरुदेव ने आश्रम के कौए कहा है।

प्रश्न (ख) 'सर्वव्यापक' पक्षी से क्या तात्पर्य है ? उपर्युक्त गद्यांश में यह शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ? **2**

उत्तर— 'सर्वव्यापक पक्षी से तात्पर्य है—सभी जगह बसने वाले पक्षी। उपर्युक्त गद्यांश में यह शब्द कौओं के लिए प्रयुक्त हुआ है।

प्रश्न (ग) गद्यांश में लेखक द्वारा कौवों की समता किससे की गई है ? **1**

उत्तर— गद्यांश में लेखक द्वारा कौवों की समता आधुनिक साहित्यिकों से की गई है।

7. जब मैं इस कविता को पढ़ता हूँ तो उस मैना की करुण मूर्ति अत्यन्त साफ होकर सामने आ जाती है। कैसे मैंने उसे देखकर भी नहीं देखा और किस प्रकार कवि की आँखें उस बिचारी के मर्मस्थल तक पहुँच गईं, सोचता हूँ तो हैरान हो जाता हूँ । एक दिन वह मैना उड़ गई। सांयकाल कवि ने उसे नहीं देखा। जब वह अकेले जाया करती है उस डाल के कोने में, जब झींगुर अंधकार में झनकारता रहता है, जब हवा में बाँस के पत्ते झरझराते रहते हैं। पेड़ों की फाँक से पुकारा करता है नींद तोड़ने वाला संध्यातारा! कितना करुण है उसका गायब हो जाना।

प्रश्न (क) कविता पढ़ने पर लेखक के समक्ष किसकी और कैसी मूर्ति सामने आ जाती थी ? **2**

उत्तर— कविता पढ़ने पर लेखक के समक्ष उस लंगड़ी मैना की करुण मूर्ति सामने आ जाती थी जो गुरुदेव के आश्रम में फुदका करती थी।

प्रश्न (ख) गद्यांश से गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर की किस विशेषता का आभास होता है ? **2**

उत्तर— गद्यांश से गुरुदेव के प्रकृति व पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम का आभास होता है।

प्रश्न (ग) मैना प्राय: कहाँ बैठा करती थी ? **1**

उत्तर— मैना प्राय: आश्रम के बरामदे में बैठा करती थी।

8. हम लोग उस कुत्ते को आनंद से देखने लगे। किसी ने उसे राह नहीं दिखाई थी, न उसे यह बताया था कि उसके स्नेह-दाता यहाँ से दो मील दूर हैं और फिर भी वह पहुँच गया। इसी कुत्ते को लक्ष्य करके उन्होंने 'आरोग्य' में इस भाव की एक कविता लिखी थी—'प्रतिदिन प्रात: काल यह भक्त कुत्ता स्तब्ध होकर आसन के पास तब तक बैठा रहता है, जब तक अपने हाथों के स्पर्श से मैं इसका संग नहीं स्वीकार करता। इतनी-सी स्वीकृति पाकर ही उसके अंग-अंग में आनंद का प्रवाह बह उठता है।

प्रश्न (क) प्रस्तुत गद्यांश में कुत्ते के विषय में क्या कहा गया है? **2**

उत्तर— लेखक कहता है कि कुत्ते को किसी ने भी गुरुदेव के पास तक जाने का कोई रास्ता नहीं बताया था फिर भी वह उनके पास स्वत: ही पहुँच गया।

प्रश्न (ख) वहाँ पहुँचकर कुत्ता क्या करता था ? **2**

उत्तर— वहाँ पहुँचकर कुत्ता तब तक गुरुदेव के आसन के पास बैठा रहता था जब तक स्वयं गुरुदेव अपने हाथों के स्पर्श से उसके साथ को स्वीकार नहीं करते थे।

प्रश्न (ग) यहाँ 'स्नेहदाता' किसे कहा गया है ? **1**

उत्तर— यहाँ 'स्नेहदाता' गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर को कहा गया है।

9. कुछ और पहले की घटना याद आ रही है। उन दिनों शांति निकेतन में नया ही आया था। गुरुदेव से अभी उतना धृष्ट नहीं हो पाया था। गुरुदेव उन दिनों सुबह अपने बगीचे में टहलने के लिए निकला करते थे। मैं एक दिन उनके साथ हो गया था। मेरे साथ एक और पुराने अध्यापक थे और सही बात तो यह है कि उन्होंने ही मुझे भी अपने साथ ले लिया था। गुरुदेव एक-एक फूल-पत्ते को ध्यान से देखते हुए अपने बगीचे में टहल रहे थे और उक्त अध्यापक महाशय से बातें करते जा रहे थे।

प्रश्न (क) लेखक ने यहाँ स्वयं के लिए 'धृष्ट' विशेषण का प्रयोग किस सन्दर्भ में किया है ? **2**

उत्तर— लेखक शांति निकेतन में भी अभी नया-नया आया था और वह गुरुदेव के प्रति अभी पूर्णत: खुला नहीं था, उनके सामने अधिक बातें नहीं किया करता था। इसी सन्दर्भ में 'धृष्ट' विशेषण का प्रयोग किया है।

प्रश्न (ख) गुरुदेव बगीचे में कैसे टहल रहे थे ? **2**

उत्तर— गुरुदेव बगीचे में एक-एक फूल-पत्ते को ध्यान से देखते हुए और साथ ही अध्यापक महाशय से बातें करते हुए टहल रहे थे।

प्रश्न (ग) गुरुदेव सुबह कौन-सा काम किया करते थे ? **1**

उत्तर— गुरुदेव सुबह बगीचे में टहलने का काम किया करते थे।

10. कुछ ही दूरी पर और मैनाएँ बक-झक कर रही हैं, घास पर उछल-कूद रही हैं, उड़ती फ़िरती हैं शिरीष वृक्ष की शाखाओं पर। इस बेचारी को ऐसा कुछ भी शौक नहीं है। इसके जीवन में कहाँ गाँठ पड़ी है, यही सोच रहा हूँ। सवेरे की धूप में मानो सहज मन से आहार चुगती हुई झड़े हुए पत्तों पर कूदती फिरती है सारा दिन। किसी के ऊपर इसका कुछ अभियोग है, यह बात बिलकुल नहीं जान पड़ती। इसकी चाल में वैराग्य का गर्व भी तो नहीं है, दो आग सी जलती आँखें भी तो नहीं दिखतीं।

प्रश्न (क) उपर्युक्त गद्यांश में मैना के विषय में क्या कहा गया है ? **2**

उत्तर— मैना के मन में किसी के प्रति कोई गाँठ है जिसके कारण वह अन्य मैनाओं के समान बक-झक नहीं करती। उसे अन्य मैनाओं की तरह कोई भी शौक नहीं है।

प्रश्न (ख) गुरुदेव किसके विषय में क्या सोच रहे हैं ? **2**

उत्तर— गुरुदेव मैना के विषय में सोच रहे हैं कि उसके जीवन में कहाँ गाँठ (कोई दु:ख या विक्षोभ) पड़ गई।

प्रश्न (ग) मैना की चाल में किसका गर्व नहीं है ? **1**

उत्तर— मैना की चाल में वैराग्य का गर्व नहीं है।

पाठ पर आधारित लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर *(प्रत्येक 2 अंक)*

प्रश्न 1. लेखक के लिए "दर्शनार्थियों " से जुड़ी दु:ख की क्या बात थी ? लिखिए। **[C.B.S.E. 2015 Term I]**

उत्तर— दर्शनार्थियों में गुरुदेव से मिलने की तीव्र इच्छा होना, समय-असमय, स्थान-अस्थान, अवस्था पर अनवस्था का ध्यान न देना। रोकते रहने पर भी, दर्शन हेतु पहुँच जाना, इससे गुरुदेव भयभीत रहते थे। **[C.B.S.E. Marking Scheme, 2015] 2**

प्रश्न 2. जीवों की संवेदनशीलता को गुरुदेव ने 'एक कुत्ता और एक मैना' के वर्णन के अनुसार किस तरह अनुभव एवं व्यक्त किया है? **[C.B.S.E. 2014 Term I]**

उत्तर— कुत्ते का गुरुदेव की चिताभस्म के साथ आश्रम तक आना और उत्तरायण तक जाना तथा कुत्ते का गुरुदेव के हाथों का स्पर्श पाकर आनंदित होने से यह पता चलता है कि जीवों की संवेदनशीलता गुरुदेव ने अनुभव की थी। **2**

प्रश्न 3. "एक कुत्ता और एक मैना" पाठ के आधार पर बताइए कि उस भाषाहीन प्राणी की करुण गाथा को गुरुदेव कैसे समझ लेते थे? **[C.B.S.E. 2013 Term I]**

उत्तर— जानवरों के प्रति संवेदनशीलता के कारण उन्हें पेड़ों, पौधों, पक्षियों तथा जानवरों से विशेष स्नेह, आत्मीयता तथा लगाव होने के कारण समझ लेते थे। **2**

प्रश्न 4. लेखक को लंगड़ी मैना अन्य साथियों से किस प्रकार भिन्न जान पड़ी ? **[C.B.S.E. 2012 Term II, HA1016]**

उत्तर— अन्य मैनाएँ उछल-कूद कर रही थीं, बक-झक कर रही थीं किन्तु यह एकांत में विहार कर रही थी। न यह किसी के संग खेलती थी, न शिरीष की शाखाओं पर उड़ पा रही थी। **[C.B.S.E. Marking Scheme, 2012] 2**

व्याख्यात्मक हल—

यह अन्य मैनाओं के साथ मिलकर उछल-कूद या बक-झक नहीं करती। इसके हृदय में कोई न कोई गाँठ है। परन्तु न तो इसकी आँखों में किसी के प्रति शिकायत है, न क्रोध है और न वैराग्य। लगता है, यह अभागी अपने यूथ से भ्रष्ट होकर समय काट रही है।

प्रश्न 5. गुरुदेव ने शान्ति निकेतन छोड़कर कहीं और रहने का मन क्यों बनाया ? **[C.B.S.E. 2012 Term I]**

उत्तर— कई वर्ष पहले गुरुदेव के मन में आया कि कुछ दिन शान्ति निकेतन छोड़कर कहीं अन्य जगह रहा जाय। उस समय उनका स्वास्थ्य बहुत अच्छा नहीं था। अत: शान्ति निकेतन के कोलाहलपूर्ण वातावरण से ऊबकर शान्ति चाहते हुए यह निर्णय लिया कि श्री निकेतन के पुराने तिमंजिले मकान में रहा जाये और प्राकृतिक वातावरण का आनन्द लें। **2**

प्रश्न 6. 'मूक प्राणी मनुष्य से कम संवेदनशील नहीं होते।' कैसे ? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **[C.B.S.E. 2012 Term I]**

उत्तर— मूक प्राणी भी संवेदनशील होते हैं। वे भी मनुष्य के समान संवेदना का अनुभव करते हैं। गुरुदेव के पास एक कुत्ता था, वह गुरुदेव के पास श्री निकेतन स्वयं पहुँच गया और गुरुदेव के हाथों का स्पर्श पाकर बहुत सुख का अनुभव करता है, परन्तु जब गुरुदेव की मृत्यु के बाद उनकी चिताभस्म कलकत्ता से आश्रम में लाई गई, वह कुत्ता भी भस्मकलश के साथ आश्रम द्वार तक आया और कुछ देर चुपचाप बैठकर अन्य व्यक्तियों के समान चला गया। इस प्रकार पता चलता है कि कुत्ता मनुष्य की तरह संवेदनशील प्राणी है। **2**

प्रश्न 7. गुरुदेव के द्वारा मैना को लक्ष्य करके लिखी गई कविता के मर्म को लेखक कब समझ पाया ? **[C.B.S.E. 2012 Term I]**

उत्तर— गुरुदेव द्वारा मैना को लक्ष्य करके लिखी कविता के मर्म को लेखक तब समझ पाया जब लेखक ने गुरुदेव के बताने पर उसी लँगड़ी मैना को ध्यानपूर्वक देखा। लेखक जब-जब कविता को पढ़ता तो उस मैना की करुण-मूर्ति सामने आ जाती। एक दिन मैना उड़ गई, तो उसकी केवल स्मृति ही रह गई, वह करुणा की मूर्ति फिर नहीं दिखाई दी। **2**

प्रश्न 8. ''इस प्रकार कवि की मर्मभेदी दृष्टि ने इस भाषाहीन प्राणी की करुण दृष्टि के भीतर उस विशाल मानव-सत्य को देखा है जो मनुष्य-मनुष्य के अन्दर भी नहीं देख पाता।'' 'एक कुत्ता और एक मैना' पाठ के आधार पर आशय स्पष्ट कीजिए। **[C.B.S.E. 2012 Term I]**

उत्तर— लेखक कवि की दृष्टि को बताता है। गुरुदेव ने कुत्ते के विषय में जो टिप्पणी की है, वह अद्‌भुत है। वे बताते हैं कि संसार के मूक प्राणियों में कुत्ता ही ऐसा प्राणी है जो मानव के सबसे अधिक नजदीक है। वह अपनी दीनता प्रकट करता रहता है उसकी मूक दृष्टि से करुण व्याकुलता झलकती है। कवि की मर्मभेदी दृष्टि प्राणी की दृष्टि के अन्दर उस विशाल सत्य अर्थात् करुणा को देख लेती है जो वह मानव के अन्दर नहीं देख पाता। **2**

प्रश्न 9. 'एक कुत्ता और एक मैना' पाठ के आधार पर लिखिए कि कुत्ते को किस बात में आनंद आ रहा था ? **[C.B.S.E. 2012 Term I]**

उत्तर— गुरुदेव के श्री निकेतन में आने पर वह कुत्ता गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के पास खड़ा होकर पूँछ हिलाने लगा। गुरुदेव ने उसकी पीठ पर हाथ फेरा। वह आँखें मूँदकर उस स्नेह रस का अनुभव करने लगा। **2**

प्रश्न 10. ''एक कुत्ता और एक मैना' पाठ के आधार पर बताइए कि द्विवेदी जी ने इस पाठ में 'दर्शन' शब्द पर अधिक बल क्यों दिया ? **[C.B.S.E. 2012 Term I]**

उत्तर— 'दर्शन' शब्द का प्रयोग द्विवेदी जी ने इस प्रकार की हिन्दी के प्रयोग के अनुरूप किया जो बंगला में आम नहीं थी। **2**

प्रश्न 11. ऐसे कौन-से 'दर्शनार्थी थे जिनके आने पर गुरुदेव भयभीत हो जाते थे ? 'एक कुत्ता और एक मैना' पाठ के आधार पर बताइए। **[C.B.S.E. 2012 Term II, HA-1059]**

उत्तर— कुछ ऐसे वाचाल दर्शनार्थी थे जो समय-असमय, स्थान-अस्थान, अवस्था-अनवस्था का ध्यान नहीं करते थे। वे रोकते रहने पर भी आ जाते थे। **2**

प्रश्न 12. 'एक कुत्ता और एक मैना' पाठ के आधार पर लिखिए कि मैना की करुण मूर्ति लेखक की दृष्टि में कब साकार हुई? **[C.B.S.E. 2012 Term I]**

उत्तर— जब लेखक ने गुरुदेव द्वारा उस करुण मैना पर लिखी कविता को पढ़ा, समूह से बिछुड़कर उसका ही कीड़ों का शिकार करना, लेखक के समक्ष मैना करुणा की मूर्ति बनकर साकार हो उठी। **2**

प्रश्न 13. गुरुदेव द्वारा कुत्ते के लिए रची गई कविता के भाव क्या थे ? 'एक कुत्ता और एक मैना' पाठ के आधार पर लिखिए।

[C.B.S.E. 2012 Term I]

उत्तर— एक भक्त कुत्ता प्रतिदिन प्रात: स्नेह-स्पर्श की प्रतीक्षा में आसन के पास बैठा रहता है। मेरा स्पर्श पाकर उसका अंग-अंग आनंदित हो जाता है। केवल यही प्राणी मनुष्यता को पहचान सकता है। नि:स्वार्थ प्रेम करता है, पूरे प्राण प्रण से स्वयं को समर्पित करता है। **2**

प्रश्न 14. 'एक कुत्ता और एक मैना' पाठ से सम्बन्धित आश्चर्य की एक बात क्या थी ? [C.B.S.E. 2012 Term I]

उत्तर— (i) गुरुदेव शांति निकेतन छोड़ श्री निकेतन में चले गए। किसी ने भी कुत्ते को रास्ता नहीं दिखाया, न बताया। एक दिन गुरुदेव अस्तगामी सूर्य को निहार रहे थे। उसी समय कुत्ता धीरे-धीरे ऊपर आया, पैरों के पास आकर खड़ा होकर पूँछ हिलाने लगा। गुरुदेव ने पीठ पर हाथ फेरा। कुत्ता आँख मूँदकर अपने रोम-रोम से उस स्नेह-रस का अनुभव करने लगा।

(ii) जब गुरुदेव का चिताभस्म कोलकाता से आश्रम में लाया गया, उस समय भी न जाने, किस सहज बोध के बल पर वह कुत्ता आश्रम के द्वार तक आया और चिताभस्म के साथ अन्यान्य आश्रमवासियों के साथ उत्तरायण तक गया। **2**

प्रश्न 15. लेखक ने मैना में करुण भाव देखकर उसकी एकाकी दशा के संबंध में क्या-क्या अनुमान लगाए ?

[C.B.S.E. 2011 Term I]

उत्तर— लेखक ने अनुमान लगाया कि शायद वह मैना नर है और उसकी पत्नी मर गई है, जो पिछली स्वयंवर सभा के युद्ध में आहत और परास्त हो गया था या विधवा पत्नी, जो पिछले बिड़ाल के आक्रमण के समय पति को खोकर युद्ध में ईषत् चोट खाकर एकांत विहार कर रही है। **2**

प्रश्न 16. किन-किन प्रसंगों से ज्ञात होता है कि गुरुदेव का पक्षियों और प्रकृति से प्रगाढ़ संबंध था ? 'एक कुत्ता और एक मैना' पाठ के आधार पर बताइए।

उत्तर— बगीचे में टहलते हुए एक-एक फूल और पत्ते को ध्यान से देखना, आश्रम में कौए न दिखाई देने की ओर इशारा करना, डूबते हुए सूर्य को ध्यान से देखना, बगीचे में हर रोज फुदकने वाली मैना के चेहरे के करुण भाव को समझना आदि से ज्ञात होता है कि गुरुदेव का पक्षियों और प्रकृति से प्रगाढ़ संबंध था। **2**

प्रश्न 17. श्री निकेतन में ऐसा कौन-सा आकर्षण था, जिसके कारण गुरुदेव ने वहाँ रहने का मन बनाया ?

उत्तर— श्री निकेतन प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण और एकांत का आकर्षण था, जिसके कारण गुरुदेव ने श्री निकेतन में रहने का मन बनाया।

प्रश्न 18. 'एक कुत्ता और एक मैना' पाठ के आधार पर गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर— गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की विशेषताएँ निम्नलिखित है—

(i) गुरुदेव प्रकृति व पशु-पक्षी प्रेमी थे।

(ii) वे एक संवेदनशील व्यक्ति थे।

(iii) संवेदनशील होने के साथ वह एक सहृदय कवि भी थे जिसका प्रमाण उनके द्वारा लँगड़ी मैना को आधार मानकर लिखी गई कविता हैं।

(iv) उनके दर्शनार्थी प्रसंग से उनके हास्य प्रिय होने का पता चलता है।

❐❐

काव्य खण्ड

अध्याय

1 साखियाँ एंव सबद

— कबीरदास

निम्न प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए—

AI **1.** 'साखी' शब्द किसका तद्भव रूप है?

(क) सखि **(ख)** साक्षी

(ग) साक्ष्य **(घ)** साख

उत्तर—विकल्प (ख) सही है

व्याख्या—'साखी' साक्षी शब्द का तद्भव रूप है। कबीर ने अपने गहन अनुभव के द्वारा जो कुछ ज्ञान अर्जित किया उसे ईश्वर को साक्षी मानकर जनभाषा (सरल रूप) में 'साखी' के माध्यम से व्यक्त किया।

2. 'साखी' क्या है?

(क) चौपाई **(ख)** पद

(ग) दोहा **(घ)** कवित्त

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

3. खोजी को परमात्मा कितनी देर की तलाश में मिल जाता है?

(क) कई वर्षों की तपस्या के बाद

(ख) पल भर की तलाश में

(ग) एक माह की तलाश में

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—ईश्वर प्रत्येक प्राणी की साँस में समाया हुआ है अत: जो उसे सच्चे मन से खोजता है उसे वह पल भर में प्राप्त हो जाता है।

AI **4.** कबीर के अनुसार सांसारिक प्राणी किस उलझन में उलझे हुए हैं?

(क) संपत्ति के विवाद में

(ख) जमीन-जायदाद के विवाद में

(ग) घर-बार के विवाद में

(घ) पक्ष-विपक्ष के विवाद में

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—कबीर दास जी के अनुसार सारा संसार अपना मूल लक्ष्य प्रभु-भक्ति को छोड़कर पक्ष-विपक्ष, मत-मतांतर के विवाद में पड़कर भ्रमित हो रहा है।

5. कवि ने संसार को किसके समान माना है?

(क) स्वान के **(ख)** सिंह के

(ग) हाथी के **(घ)** सियार के

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—साधक को ज्ञान-प्राप्ति में लीन देखकर व्यक्ति उसकी आलोचना करते हैं इसलिए कवि ने संसार को उस स्वान के समान कहा है जो हाथी को चलता देखकर निरुद्देश्य भौंकता रहता है।

6. प्रेमी को प्रेमी मिलने से क्या परिवर्तन होता है?

(क) अमृत विष हो जाता है

(ख) विष अमृत हो जाता है

(ग) सब कुछ उलट-पुलट हो जाता है

(घ) सब कुछ नष्ट हो जाता है

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—जब दो सच्चे प्रभु-भक्त मिलते हैं तो मन की सारी बुराइयाँ (विष) समाप्त हो जाती हैं और मन अमृतमय अर्थात् सद्गुणों से युक्त हो जाता है।

AI **7.** कबीर की साखियों का मुख्य उद्देश्य क्या है?

(क) शास्त्रों का ज्ञान देना

(ख) पुस्तकीय ज्ञान देना

(ग) मनुष्य को आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा देना

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—कबीर के काव्य में ईश्वर-प्रेम, ज्ञान तथा वैराग्य, गुरुभक्ति, सत्संगति का महत्व और साधु महिमा के साथ आत्मबोध आदि के जरिए आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा दी है।

8. कबीर की रचनाएँ संगृहीत हैं—

(क) कबीर दोहावली में

(ख) कबीर ग्रंथावली में

(ग) सूर सागर में

(घ) उपरोक्त सभी में

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

AI 9. कबीर दास जी किसके उपासक थे?

(क) ईश्वर के निर्गुण रूप के

(ख) ईश्वर के सगुण रूप के

(ग) वे नास्तिक थे

(घ) सगुण और निर्गुण दोनों रूपों के

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—कबीर ने ईश्वर के निर्गुण रूप को स्वीकारा और उसकी बाह्याडंबर से मुक्त सहज भक्ति की।

AI 10. कबीर दास जी ने किन-किन धार्मिक धारणाओं का खंडन किया?

(क) ईश्वर मंदिर-मस्जिद में है

(ख) ईश्वर व्रत-पूजा से प्राप्त होता है

(ग) ईश्वर काबा या कैलाश में है

(घ) उपरोक्त सभी

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

AI 11. कवि के अनुसार 'संत-सुजान कौन हो सकता है?

(क) हर क्षण तपस्या में लीन रहने वाला

(ख) गेरुए वस्त्र धारण करने वाला

(ग) अपने पक्ष का प्रचार करने वाला

(घ) निष्पक्ष रहकर प्रभु-भक्ति करने वाला

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—कवि के अनुसार पक्ष-विपक्ष, मत-मतांतर के भ्रम में पड़े बिना निष्पक्ष रहकर प्रभु-भक्ति करने वाला ही सच्चा या श्रेष्ठ संत हो सकता है।

12. कबीर के अनुसार निर्गुण ब्रह्म कहाँ स्थित है?

(क) मंदिर में (ख) कैलाश में

(ग) काबा में (घ) सर्वत्र

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

13. 'मोको कहाँ ढूँढे रे बन्दे.....सबद में कवि ने ईश्वर को कहाँ ढूँढने के लिए कहा है?

(क) अपने अंतर्मन में (ख) तीर्थ स्थानों में

(ग) जंगलों और गुफाओं में (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—इस सबद में कहा गया है कि ईश्वर प्रत्येक प्राणी के अंतर्मन में समाया हुआ है अत: मनुष्य को उसे पूजा स्थलों और तीर्थ स्थानों में ढूँढने की अपेक्षा अपने अंतर्मन में खोजना चाहिए।

AI 14. कबीर ने अपने काव्य में कैसे मनुष्य की कल्पना की है?

(क) धार्मिक पाखंड से युक्त मानव की

(ख) बहुत विद्वान मनुष्य की

(ग) धार्मिक और सामाजिक भेदभाव से मुक्त मनुष्य की

(घ) सामाजिक प्रभुत्व संपन्न मनुष्य की

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—कबीर ने अपने काव्य के माध्यम से सदैव धार्मिक और सामाजिक आधार पर होने वाले भेदभाव का विरोध किया और इससे मुक्त मनुष्य ओर समाज की कल्पना की।

15. 'काबा' किनका पवित्र स्थल है?

(क) हिन्दुओं का (ख) मुसलमानों का

(ग) सिक्खों का (घ) ईसाइयों का

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

काव्यांशों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

निम्नलिखित काव्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

AI I. मानसरोवर सुभर जल, हंसा केलि कराहिं।
मुकताफल मुकता चुगैं, अब उड़ि अनत न जाहिं॥

1. काव्यांश के कवि और कविता का नाम है— 1

(क) कबीर—साखियाँ और सबद

(ख) रहीम—रहीम के दोहे

(ग) कबीर—दोहे

(घ) सूरदास—पद

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

2. 'मानसरोवर' और 'हंस' का प्रतीकार्थ है— 1

(क) मानसरोवर—मन का सरोवर, हंस—एक पक्षी

(ख) मानसरोवर—मन रूपी सरोवर, हंस—जीवात्मा

(ग) मानसरोवर—मन और सरोवर, हंस—जीवात्मा

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—मानसरोवर तिब्बत में मीठे पानी की एक झील है और हंस एक पक्षी है किंतु यहाँ कबीरदास जी ने प्रतीकात्मक रूप में 'मन रूपी सरोवर' के लिए 'मानसरोवर' और 'जीवात्मा' के लिए 'हंस' शब्द का प्रयोग किया है।

3. यहाँ 'सुभर जल' का क्या गूढ़ या प्रतीकात्मक अभिप्राय है? 1

(क) प्रभु भक्ति एवं आनंद का भाव (रस)

(ख) पूरी तरह भरा हुआ स्वच्छ जल

(ग) ऊपर तक भरा हुआ स्वच्छ जल

(घ) (A) और (B) दोनों कथन सही हैं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—सुभर जल से अभिप्राय है—प्रभु भक्ति से युक्त पवित्र विचार एवं आनंद।

4. 'हंस' अन्यत्र क्यों नहीं जाना चाहते? 1

(क) उनका वही घर बन गया है

(ख) हंस स्वच्छ जल में मोती चुग रहे हैं जो अन्यत्र नहीं मिलते

(ग) जीवात्मा प्रभु भक्ति के आनंद में लीन होकर मुक्ति का प्रयास कर रही है।

(घ) (ख) और (ग) दोनों कथन सही हैं

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—हंस क्रीड़ा करते हुए मान सरोवर के स्वच्छ जल में मोतियों को चुग रहे हैं अर्थात् जीवात्मा प्रभु भक्ति में लीन होकर परमानंद का अनुभव कर रही है वह मुक्ति के सुख को छोड़कर कहीं और नहीं जाना चाहती।

5. काव्यांश में यमक अलंकार का उदाहरण है— 1

(क) हंसा केलि कराहिं

(ख) मुक्ताफल मुक्ता चुगै

(ग) अब उड़ि अनत न जाए

(घ) मानसरोवर सुभर जल

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—'मुक्ता फल मुक्ता चुगै' में पहले मुक्ता का अभिप्राय है—मुक्ति अर्थात् मोक्ष और दूसरे मुक्ता का अभ्रिपाय है—मोती। यहाँ मुक्ता शब्द दो बार आया है और भिन्न अर्थ होने के कारण यमक अलंकार है।

II. प्रेमी ढूँढ़त मैं फिरौं, प्रेमी मिले न कोइ।
प्रेमी कौं प्रेमी मिलै, सब विष अमृत होइ॥

1. कवि किसे ढूँढ रहा है? 1

(क) ईश्वर के प्रेमी अर्थात् सच्चे प्रभु भक्त को

(ख) एक सामान्य प्रेमी को

(ग) मोह माया से प्रेम करने वाले प्रेमी को

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

2. 'प्रेमी मिले न कोइ' कवि ने ऐसा क्यों कहा है? 1

(क) क्योंकि कवि प्रेमी को ढूँढने में असमर्थ है

(ख) क्योंकि कवि को प्रेमी की पहचान नहीं है।

(ग) क्योंकि संसार में प्रभु के सच्चे भक्त दुर्लभ होते हैं

(घ) उपरोक्त सभी कथन सही हैं।

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—बाह्य आडंबर युक्त भक्ति करने वाले तो सहज ही मिल जाते हैं किंतु संसार में सच्चे ईश्वर भक्त बहुत कठिनाई से प्राप्त होते हैं।

3. प्रेमी से प्रेमी के मिलने पर क्या परिवर्तन होता है? 1

(क) दोनों का खुश हो जाना

(ख) बुराइयों का अच्छाइयों में बदल जाना

(ग) मन का प्रभु भक्ति के अद्भुत आनंद में डूब जाना

(घ) (ख) और (ग) दोनों कथन सही हैं

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—सच्चे ईश्वर भक्त के मिलने पर सारी बुराइयाँ अच्छाइयों में परिवर्तित हो जाती हैं और हृदय ईश्वर की सच्ची भक्ति के आनंद में डूब जाता है।

4. काव्यांश की भाषा और छंद लिखिए— 1

(क) ब्रजभाषा दोहा छंद

(ख) खड़ी बोली, पद छंद

(ग) सधुक्कड़ी भाषा, दोहा (साखी) छंद

(घ) अवधी भाषा दोहा छंद

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

5. साखी में आए हुए 'विष' और 'अमृत' शब्द किसके प्रतीक हैं? 1

(क) विष बुराइयों का और अमृत अच्छाइयों का

(ख) विष अच्छाइयों का और अमृत बुराइयों का

(ग) विष घृणा का और अमृत प्रेम का

(घ) उपर्युक्त सभी कथन गलत हैं।

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

III. हस्ती चढ़िए ज्ञान कौ, सहज दुलीचा डारि।
स्वान रूप संसार है, भूँकन दे झख मारि॥

1. कवि की दृष्टि में ज्ञान का रूप कैसा है? 1

(क) स्वान के समान अनावश्यक भौंकने अर्थात् आलाचेना करने वाला

(ख) हाथी के समान सबल और ज्ञानवान

(ग) निंदक के समान निंदा करने वाला

(घ) दुलीचे के समान सहज

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—ज्ञानी मनुष्य सबल होता है और अपना मार्ग स्वयं निर्धारित करता है। उसे किसी की परवाह नहीं होती, इसलिए कबीर ने उसे हाथी के समान बताया है।

2. कवि ने ज्ञान प्राप्ति का क्या उपाय बताया है? 1

(क) सहज, स्वाभाविक क्रियाओं या भक्ति द्वारा

(ख) जटिल, असंभव साधनों द्वारा

(ग) वेद पुराणों और धार्मिक शास्त्रों के गहन अध्ययन द्वारा

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—कबीर ने सहज-स्वाभाविक क्रियाओं और अनुभव द्वारा ज्ञान प्राप्ति और ईश्वर की सच्ची भक्ति पर जोर दिया है।

3. काव्यांश में संसार को स्वान रूप क्यों कहा गया है? 1
   (क) सांसारिक व्यक्ति जटिल क्रियाओं से युक्त भक्ति को श्रेष्ठ मानते हैं
   (ख) वे धर्म शास्त्रों का अनादर स्वीकार नहीं कर पाते हैं
   (ग) उन्हें दूसरों की आलोचना करना अच्छा नहीं लगता है
   (घ) क्योंकि साधक को ज्ञान प्राप्ति में लीन देखकर संसार के लोग अकारण आलोचना करते हैं

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—साधक को स्वाभाविक रूप से ज्ञान प्राप्त करते देखकर सांसारिक लोग उनकी अकारण निंदा करते हैं ठीक उसी प्रकार जैसे हाथी को चलते देखकर कुत्ते अनावश्यक ही भौंकते हैं।

4. इस 'साखी' के माध्यम से कवि ने साधक को क्या शिक्षा दी है? 1
   (क) आलोचना से विचलित हुए बिना ज्ञान प्राप्ति के मार्ग पर अग्रसर रहने की।
   (ख) आलोचना से घबराकर साधना छोड़ देने की।
   (ग) आलोचकों से तर्क, झगड़ा या विवाद करने की।
   (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—कवि ने साधक को आलोचना से विचलित हुए बिना निरंतर ज्ञान प्राप्ति के मार्ग पर अग्रसर रहने की प्रेरणा दी है।

5. 'साखी में आए हुए दो तत्सम शब्द हैं— 1
   (क) ज्ञान और दुलीचा **(ख)** स्वान और भूँकन
   (ग) हस्ती और ज्ञान **(घ)** हस्ती और झक

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

AI **IV.** हिन्दू मूआ राम कहि, मुसलमान खुदाइ।
कहै कबीर सो जीवता, जो दुहुँ के निकटि न जाइ॥

1. साखी के अनुसार हिंदू और मुसलमान अपने ईश्वर को किन नामों से पुकारते हैं? 1
   (क) हिंदू 'भगवान' और मुसलमान 'अल्लाह'
   (ख) हिंदू 'खुदा' और मुसलमान 'राम'
   (ग) हिंदू 'राम' और मुसलमान 'खुदा'
   (घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

2. कवि ने हिंदू और मुसलमान दोनों को मृतक के समान क्यों कहा है? 1
   (क) क्योंकि दोनों धर्म और संप्रदाय के भेदभाव में उलझ कर ईश्वर को भूल गए हैं
   (ख) क्योंकि दोनों आपस में झगड़ते रहते हैं
   (ग) क्योंकि दोनों आपस में लड़-लड़ कर घायल हो गए हैं
   (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—दोनों धर्म-संप्रदाय के भेदभाव में उलझ कर ईश्वर की सच्ची भक्ति करना भूल गए हैं।

3. कबीर के अनुसार सच्चा मानव कौन है? 1
   (क) जो धर्म या संप्रदाय के बंधन में नहीं पड़ता
   (ख) जो बाह्य आडंबरों का त्याग करके सच्चे मन से ईश्वर की भक्ति करता है
   (ग) जिसमें मानवता के सभी गुण हैं
   (घ) उपरोक्त सभी

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—कबीर ने सच्चा मानव उसे कहा है जो धर्म संप्रदाय के भेदभाव में न पड़कर सच्चे हृदय से ईश्वर की भक्ति करता है तथा मानवता को अपनाता है।

4. इस 'साखी' के माध्यम से कवि ने किस सार्वभौमिक सत्य का उद्घाटन किया है? 1
   (क) ईश्वर एक धर्म विशेष से जुड़ा हुआ है
   (ख) ईश्वर किसी धर्म विशेष के अधिकार में नहीं है
   (ग) वह प्रत्येक प्राणी के मन में समाया है
   (घ) (ख) और (ग) दोनों

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—कवि ने यह स्पष्ट किया है कि ईश्वर किसी धर्म विशेष से संबंधित नहीं है। वह तो प्रत्येक प्राणी के मन में समाया है।

5. 'कहै कबीर सो जीवता.....में कौन-सा अलंकार है? 1
   (क) अनुप्रास **(ख)** उत्प्रेक्षा
   (ग) उपमा **(घ)** रूपक

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—यहाँ 'क' वर्ण की आवृत्ति होने के कारण अनुप्रास अलंकार है।

AI **V.** मोकों कहाँ ढूँढ़े बंदे मैं तो तेरे पास में।
ना मैं देवल ना मैं मसजिद, ना काबे कैलास में।
ना तो कौनौं क्रिया कर्म में, ना ही योग बैराग में।
खोजी होय तो तुरतै मिलिहौं, पलभर की तालास में।
कहै कबीर सुनो भई साधो, सब स्वाँसों की स्वाँस में॥

1. इस पद में 'मैं' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है? 1
   (क) मनुष्य के लिए **(ख)** अहंकार के लिए
   (ग) ईश्वर के लिए **(घ)** कबीर दास के लिए

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

2. लोग ईश्वर को कहाँ-कहाँ ढूँढते हैं? 1

(क) मस्जिद में

(ख) मंदिर में

(ग) काबा और कैलाश में

(घ) उपर्युक्त सभी जगहों में

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—लोग ईश्वर को मंदिर, मस्जिद, पूजा स्थलों और काबा-कैलाश जैसे तीर्थ स्थानों में ढूँढते हैं।

3. कबीर के अनुसार ईश्वर का वास कहाँ है? 1

(क) मंदिर में

(ख) आकाश में

(ग) जंगल में

(घ) प्रत्येक जीव की साँसों में

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

4. हम ईश्वर को क्यों नहीं ढूँढ पाते हैं? 1

(क) क्योंकि हम ईश्वर को अपने अंत:करण में नहीं ढूँढते

(ख) क्योंकि हम स्वयं को बहुत ज्ञानी समझते हैं

(ग) क्योंकि हम केवल मूर्तिपूजा करते हैं

(घ) क्योंकि हम तीर्थ यात्रा नहीं करते

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—हम ईश्वर को बाहर अर्थात् पूजा स्थलों और तीर्थ स्थानों में ढूँढते हैं पर वह हमारे हृदय में समाया है, इसलिए हम उसे नहीं ढूँढ पाते हैं।

5. कवि ने ईश्वर को सब स्वाँसों की स्वाँस में क्यों कहा है? 1

(क) क्योंकि सभी प्राणियों में परमात्मा का अंश आत्मा रूप में समाया हुआ है

(ख) क्योंकि सभी प्राणियों को साँस लेते समय ईश्वर दिखाई देता है

(ग) क्योंकि योग और तपस्या से ईश्वर को प्राप्त किया जा सकता है

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—आत्मा परमात्मा का ही अंश है और आत्मा के बिना इस शरीर का कोई अस्तित्व नहीं है। ईश्वर इसी रूप में अर्थात् श्वांस रूप में सब प्राणियों के अंत:करण में समाया हुआ है।

❑❑

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

अध्याय 2

वाख

— ललद्यद

निम्न प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए—

1. 'वाख का शाब्दिक अर्थ क्या है?
   (क) वाख ईश्वर भक्त को कहते हैं
   (ख) कश्मीर में कविता को 'वाख' कहते हैं
   (ग) 'वाख' वाणी को कहते हैं
   (घ) वाख एक पक्षी का नाम है

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

AI 2. कवयित्री ने 'माझी' किसे कहा है?
   (क) गुरु को **(ख)** नाविक को
   (ग) मध्य में रहने वाले को **(घ)** परमात्मा को

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—कवयित्री ने परमात्मा को 'माझी' कहकर संबोधित किया है क्योंकि वही हमें भवसागर अर्थात् संसार रूपी सागर से पार उतारता है।

3. कवयित्री ललद्यद का जन्म कहाँ हुआ था?
   (क) श्रीनगर के एक गाँव में
   (ख) कश्मीर स्थित पाम्पोर के सिमपुरा गाँव में
   (ग) हिमाचल प्रदेश में
   (घ) इम्फाल में

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—कश्मीरी भाषा की लोकप्रिय संत कवयित्री ललद्यद का जन्म कश्मीर स्थित पाम्पोर के सिमपुरा गाँव में हुआ था।

4. हमारी ईश्वर से पहचान कब होगी?
   (क) जब हम वेद-शास्त्रों का अध्ययन करेंगे
   (ख) जब हम परोपकार करेंगे
   (ग) जब हम शिक्षित होंगे
   (घ) जब हम स्वयं को जानेंगे

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—हम जब आत्म अवलोकन करेंगे अर्थात् स्वयं को जानेंगे तभी हमारी ईश्वर से पहचान होगी।

5. 'ललद्यद' की रचनाएँ किससे प्रेरित हैं?
   (क) धर्म ग्रंथों से
   (ख) लोक-जीवन के तत्वों से
   (ग) राजनैतिक नियमों से
   (घ) अर्थशास्त्र के सिद्धांतों से

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

6. कवयित्री कौन-सा सागर पार करना चाहती है?
   (क) प्रशांत महासागर
   (ख) अटलांटिक महासागर
   (ग) रत्ना सागर
   (घ) भव सागर

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—कवयित्री भव-सागर अर्थात् इस संसार रूपी सागर को पार करके परमात्मा के पास पहुँचना चाहती है।

AI 7. 'जेब टटोलने' में क्या प्रतीकार्थ निहित है?
   (क) माझी को उसका किराया देने के लिए जेब टटोलना
   (ख) किसी का उधार चुकाना
   (ग) अपनी आय और व्यय का हिसाब लगाना
   (घ) अपना आत्मावलोकन करना

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—'जेब टटोलने' का प्रतीकार्थ है—अपना आत्मावलोकन करना। अर्थात् जीवन में अपने किए गए कार्यों पर दृष्टि डालना।

AI 8. 'समभावी' का क्या अर्थ है?
   (क) ईश्वर की साधना करना
   (ख) निरंतर कर्म करते रहना
   (ग) ईश्वर के साथ समभाव रखना
   (घ) सभी प्राणियों के साथ समभाव रखना

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—समभावी होने का अर्थ है—सभी प्राणियों के प्रति समान भाव रखना अर्थात् उनमें सामाजिक और आर्थिक आधार पर भेदभाव न करना।

9. ललद्यद की काव्य-शैली को क्या कहा जाता है?

(क) पद **(ख)** दोहे

(ग) वाख **(घ)** सवैये

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

10. 'सम खा तभी होगा समभावी' पंक्ति में निहित अलंकार बताइए—

(क) श्लेष **(ख)** रूपक

(ग) यमक **(घ)** उत्प्रेक्षा

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—यहाँ 'सम' शब्द का प्रयोग दो बार हुआ है। पहले सम का अर्थ है—'शमन (नष्ट) करना और दूसरे का अर्थ है—'समानता' अत: यहाँ यमक अलंकार है।

AI **11.** कच्चे धागे किस का प्रतीक हैं?

(क) कमज़ोर धागों का

(ख) मनुष्य के कर्मों का

(ग) कच्ची डोर का

(घ) कमज़ोर और नाशवान सहारे का

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

12. कवयित्री के अनुसार 'साहिब' कौन है?

(क) परमात्मा

(ख) मालिक

(ग) राजा

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

13. कवयित्री किसके घर जाना चाहती है?

(क) अपने पति के **(ख)** परमात्मा के

(ग) अपने मायके **(घ)** अपने मित्र के

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—कवयित्री परमात्मा के घर जाना अर्थात् मोक्ष प्राप्त करना चाहती है।

14. पाठ्य-पुस्तक में संकलित वाखों का हिंदी में अनुवाद किसने किया है?

(क) महादेवी वर्मा ने

(ख) सुभद्रा कुमारी चौहान

(ग) मीरा कांत ने

(घ) इनमें से किसी ने नहीं

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—वाख मूलत: कश्मीरी भाषा में रचित हैं। इनका हिंदी अनुवाद मीरा कांत ने किया है।

15. ललद्यद की रचनाओं की भाषा है—

(क) संस्कृत

(ख) दरबार के बोझ से दबी फारसी

(ग) जनता की सरल (कश्मीरी) भाषा

(घ) हिंदी

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

काव्यांशों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

निम्नलिखित काव्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— $1 \times 5 = 5$

I. खा-खाकर कुछ पाएगा नहीं;
न खाकर, बनेगा अहंकारी।
सम खा तभी होगा समभावी,
खुलेगी साँकल बंद द्वार की।

1. प्रथम पंक्ति में 'खाने' के माध्यम से किस की ओर संकेत किया गया है? 1

(क) बहुत अधिक भोजन करने की ओर

(ख) सांसारिक वस्तुओं का भोग करने की ओर

(ग) बहुत अधिक सोने वाले लोगों की ओर

(घ) अकर्मण्य व्यक्तियों की ओर

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—'खाने' से कवयित्री का अभिप्राय सांसारिक वस्तुओं का भोग करने से है। सांसारिक भोगों का अत्यधिक उपभोग करने वाले व्यक्ति को प्रभु-भक्ति प्राप्त नहीं हो सकती।

2. 'न खाकर बनेगा अहंकारी' से क्या अभिप्राय है? 1

(क) सांसारिक भोगों का पूर्णत: त्याग करने से व्यक्ति अहंकारी हो जाता है।

(ख) बहुत दिनों तक भूखा रहने के बाद व्यक्ति को घमंड आ जाता है।

(ग) धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करके व्यक्ति अहंकारी हो जाता है।

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—जब मनुष्य सांसारिक भोगों का पूर्णत: त्याग कर देता है तो उसके मन में त्यागी होने का अहंकार उत्पन्न हो जाता है।

3. 'सम खा' के माध्यम से मनुष्य को किस मार्ग पर चलने का संदेश दिया गया है? 1

(क) सांसारिक भोगों में लिप्त रहना

(ख) सांसारिक भोगों का त्याग करना

(ग) बहुत अधिक भोजन करना

(घ) सांसारिक भोगों में न पूरी तरह लिप्त रहना और न उनका पूर्णत: त्याग करना

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—'सम खाने' के माध्यम से मनुष्य को मध्यम मार्ग अपनाने का संदेश दिया है। अर्थात् न तो सांसारिक भोगों में पूरी तरह लिप्त रहना और न उनका पूर्णत: त्याग करना।

4. बंद द्वार की साँकल खुलने से क्या अभिप्राय है? 1

(क) दरवाजा खुलना

(ख) प्रज्ञा या ज्ञान चक्षुओं का खुलना

(ग) परमात्मा के पास जाने का रास्ता खुलना

(घ) संसार से विदा होना

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—बंद द्वार की साँकल खुलने का अर्थ है—व्यक्ति को ज्ञान-बोध होना। ज्ञान चक्षु खुलने पर मनुष्य प्रभु-भक्ति से विरक्त नहीं रहेगा।

5. मध्यम मार्ग अपनाने से व्यक्ति में क्या परिवर्तन होगा? 1

(क) वह त्यागी हो जाएगा।

(ख) अहंकार का भाव उत्पन्न होगा।

(ग) मध्यम मार्ग अपनाने से मनुष्य की चेतना का विकास होगा।

(घ) (क) और (ग) दोनों कथन सही हैं

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—मनुष्य जब भोग और त्याग के बीच का मध्यम मार्ग अपनाएगा तभी उसकी चेतना का विकास होगा।

II. आई सीधी राह से, गई न सीधी राह।
सुषुम-सेतु पर खड़ी थी, बीत गया दिन आह !
जेब टटोली, कौड़ी न पाई।
माझी को दूँ, क्या उतराई?

1. सुषुम सेतु पर खड़ी कवयित्री का दिन (जीवन) किस प्रकार बीत गया? 1

(क) हठ योग साधना करते-करते अंत हो गया।

(ख) प्रभु की प्राप्ति न होने पर जीवन व्यर्थ चला गया।

(ग) पुल पर खड़े-खड़े कवयित्री थक गई।

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—कवयित्री के अनुसार हठ योग साधना द्वारा प्रभु की प्राप्ति न होने पर उसका जीवन व्यर्थ चला गया।

2. 'गई न सीधी राह' के माध्यम से कवयित्री क्या कहना चाहती हैं? 1

(क) प्रभु की प्राप्ति के लिए हठयोग का मार्ग अपनाना

(ख) अच्छे कर्म करने की अपेक्षा छल कपट पूर्ण कार्य करना

(ग) कवयित्री टेढ़े-मेढ़े रास्ते से गई

(घ) (क) और (ख) दोनों कथन सही हैं

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—कवयित्री के अनुसार मनुष्य प्रभु की प्राप्ति के लिए हठयोग का मार्ग अपनाता है वह अच्छे कर्म करने की अपेक्षा छल-कपट पूर्ण कार्य करते हुए अपना जीवन व्यर्थ गँवा देता है।

3. कवयित्री उतराई के रूप में माझी को क्या देना चाहती है? 1

(क) अपनी सारी धन-संपत्ति

(ख) माझी की मेहनत का पूरा फल

(ग) अपने कर्मों का लेखा-जोखा

(घ) सद्कर्म और सच्ची भक्ति की पूँजी

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

4. 'जेब टटोली कौड़ी न पाई' के माध्यम से कवयित्री कहना चाहती हैं कि— 1

(क) लोभ, छल-कपट, द्वेष में फँसकर वह जीवन में सत्कर्म करना भूल गई।

(ख) उसने आत्मालोचन किया तो स्वयं को खाली हाथ पाया।

(ग) कवयित्री की जेब में एक भी पैसा नहीं था

(घ) (क) और (ख) दोनों कथन सही हैं

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—मनुष्य लोभ, छल-कपट, द्वेष में फँसकर सत्कर्म भूल जाता है। जीवन के अंत में जब उसके कुछ हाथ में नहीं होता तो व्यक्ति पछताता है।

5. 'सुषुम-सेतु पर' में अलंकार बताइए— 1

(क) अनुप्रास और श्लेष अलंकार

(ख) रूपक और यमक अलंकार

(ग) अनुप्रास और रूपक अलंकार

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—क्रमानुसार 'स' वर्ण की आवृत्ति होने के कारण अनुप्रास और 'सुषुम-सेतु' अर्थात् सुषुमना नाड़ी रूपी सेतु में रूपक अलंकार है।

AI III. थल-थल में बसता है शिव ही,
भेद न कर क्या हिंदू-मुसलमां।
ज्ञानी है तो स्वयं को जान,
वही है साहिब से पहचान।।

1. कवयित्री के अनुसार ईश्वर कहाँ रहता है? 1

(क) ईश्वर सर्वत्र व्याप्त है

(ख) ईश्वर पूजा स्थलों में रहता है

(ग) ईश्वर तीर्थ स्थानों में व्याप्त है

(घ) ईश्वर आकाश में रहता है

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—कवयित्री के अनुसार ईश्वर थल-थल में अर्थात् सर्वत्र व्याप्त है।

2. ईश्वर को किस प्रकार प्राप्त किया जा सकता है? 1

(क) कठिन तपस्या के द्वारा

(ख) हठ योग साधना के द्वारा

(ग) आत्मज्ञानी बनकर

(घ) पूजा, व्रत और हवन द्वारा

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

3. आत्मज्ञानी, ईश्वर को कैसे पा सकता है? 1

(क) मनुष्य में निहित आत्मा के परमात्मा का ही अंश होने के ज्ञान-बोध द्वारा

(ख) अपने अच्छे बुरे कर्मों के बारे में जानकर

(ग) दूसरे की अच्छाइयों के बारे में जानकर

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—मनुष्य में निहित आत्मा के परमात्मा का ही अंश होने के ज्ञान-बोध के पश्चात् आत्मज्ञानी अपनी आत्मा को शुद्ध बनाकर अर्थात् सद्गुणों का विकास करके ईश्वर को पा सकता है।

4. सर्वव्यापी ईश्वर को मनुष्य क्यों नहीं खोज पाता है? 1

(क) प्रभु की सच्ची भक्ति करने का कारण

(ख) बाह्य आडंबरों द्वारा ईश्वर को पाने की कोशिश करने के कारण

(ग) धर्म के आधार पर एकता के कारण

(घ) (ख) और (ग) दोनों कथन सही है

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

5. इस वाख के आधार पर कवयित्री ने मनुष्य को क्या संदेश दिया है? 1

(क) धर्म के आधार पर भेदभाव न करके सबको एक समझने का

(ख) जाति के आधार पर भेदभाव करने का

(ग) सामाजिक आधार पर एक हो जाने का

(घ) क्षेत्र विशेष के आधार पर भेदभाव करने का

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

IV. रस्सी कच्चे धागे की, खींच रही मैं नाव।
जाने कब सुन मेरी पुकार करें देव भवसागर पार।
पानी टपके कच्चे सकोरे, व्यर्थ प्रयास हो रहे मेरे।
जी में उठती रह-रह हूक, घर जाने की चाह है घेरे।

1. इस काव्यांश की कवयित्री और कविता का नाम लिखिए। 1

(क) मीराबाई—पद

(ख) मीराकांत—वाख

(ग) ललद्यद—वाख

(घ) महादेवी वर्मा—वाख

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—इस काव्यांश की कवयित्री ललद्यद हैं और कविता है—वाख।

2. काव्यांश में 'कच्चे धागों की रस्सी' और 'नाव' का प्रतीकार्थ बताइए— 1

(क) रेशम की कच्ची डोर तथा जीवन रूपी नौका

(ख) मनुष्य की साँसें तथा मानव शरीर

(ग) मनुष्य की साँसें तथा लकड़ी की नाव

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—कच्चे धागों की रस्सी से अभिप्राय है—मनुष्य की साँसें तथा 'नाव' मानव शरीर का प्रतीक है।

3. कवयित्री के मन में बार-बार हूक क्यों उठ रही है? 1

(क) अपने प्रभु की शरण में जाने अर्थात् मोक्ष प्राप्त करने की इच्छा के कारण

(ख) कवयित्री अपने घर का रास्ता भूल जाने के कारण

(ग) उसे अपने परिवार की याद आने के कारण

(घ) (क) और (ख) दोनों कथन सही है

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

4. 'कच्चे सकोरे' का उदाहरण क्यों दिया गया है? 1

(क) पानी के बह जाने के लिए

(ख) अपना काम पूरा न हो पाने के लिए

(ग) प्रभु प्राप्ति के लिए किए जाने वाले प्रयासों की विफलता के लिए

(घ) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—कवयित्री ने यह उदाहरण प्रभु प्राप्ति के लिए किए जाने वाले प्रयासों की विफलता को दर्शाने के लिए दिया है। जिस प्रकार कच्चे सकोरे से पानी बहकर व्यर्थ हो जाता है उसी प्रकार कवयित्री के ईश्वर प्राप्ति के प्रयास विफल हो रहे हैं।

5. 'रस्सी कच्चे धागे की, खींच रही मैं नाव' का क्या अभिप्राय है? 1

(क) शरीर रूपी नाव को कच्चे धागों रूपी साँसों के सहारे चलाना

(ख) झूठी आस्था तथा विश्वासों के सहारे ईश्वर प्राप्ति का प्रयास करना

(ग) कच्ची रस्सी के सहारे भारी नाव को खींचना

(घ) (क) और (ख) दोनों कथन सही हैं

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

❑❑

OSWAAL BOOKS® LEARNING MADE SIMPLE

अध्याय 3 सवैये

— रसखान

निम्न प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए—

AI **1.** रसखान कवि किसके अनन्य उपासक थे?

(क) श्री राम के **(ख)** निराकार ब्रह्म के

(ग) श्रीकृष्ण के **(घ)** शिव के

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

2. रसखान कवि ने अपनी काव्य रचना किस भाषा में की हैं?

(क) अवधी **(ख)** ब्रजभाषा

(ग) खड़ी बोली **(घ)** मिश्रित भाषा

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—रसखान ने सरल, सहज ब्रजभाषा में काव्य रचना की है, जिसमें सरसता और मधुरता का गुण विद्यमान है।

3. रसखान की कविता का मूल भाव या विषय क्या है?

(क) श्रृंगार

(ख) सामाजिक रूढ़ियों का विरोध

(ग) बाह्य आडम्बरों का विरोध

(घ) भक्ति

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

4. रसखान अपनी आँखों से क्या निहारना चाहते हैं?

(क) इस धरती के प्राकृतिक सौन्दर्य को

(ख) ब्रज के वन, बाग और तड़ागों को

(ग) अपने प्रियजनों को

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

AI **5.**रसखान ब्रज में ही क्यों बसना चाहते हैं?

(क) ब्रज श्री कृष्ण की लीला स्थली है।

(ख) ब्रज भारत का एक महत्त्वपूर्ण तीर्थ स्थल है।

(ग) ब्रज उनका पैतृक निवास स्थान है।

(घ) उन्हें ब्रज का सौन्दर्य आकर्षित करता है।

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—रसखान कवि कृष्ण के अनन्य उपासक थे और ब्रज श्री कृष्ण की लीला स्थली है इसलिए वे ब्रज में ही बसना चाहते थे।

6. सिद्धियाँ और निधियाँ कितनी मानी गई हैं?

(क) सिद्धियाँ ग्यारह और निधियाँ नौ

(ख) सिद्धियाँ नौ और निधियाँ आठ

(ग) सिद्धियाँ आठ और निधियाँ नौ

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

AI **7.** गोपी से क्या नहीं सँभाली जाती है?

(क) अपने मन की व्याकुलता

(ख) अपनी पीड़ा

(ग) कृष्ण की दी हुई भेंट

(घ) कृष्ण के मुख की मुसकान

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—गोपी कृष्ण के मुख की मुसकान को नहीं सँभाल पातीं हैं और उसकी ओर खिंची चली आती हैं।

8. 'पुरंदर' कौन था?

(क) यमराज **(ख)** कुबेर

(ग) इंद्र **(घ)** वरुण

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—पुरंदर इंद्र का पर्यायवाची है।

9. 'गोधन' किसे कहते हैं?

(क) गाय चराते समय गाया जाने वाला एक लोक गीत

(ख) गायों का झुंड

(ग) गाय का धन

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

10. 'मोरपंखा' से क्या अभिप्राय है?

(क) मोर ने पंख पहने हैं

(ख) श्रीकृष्ण के सिर पर सजा मोर के पंखों का मुकुट

BOSWAL BOOKS LEARNING MADE EASY

(ग) मोर की चोंच

(घ) (क) और (ग) दोनों विकल्प सही हैं

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

11. रसखान की रचनाओं का संग्रह किस नाम से मिलता है?

(क) रसखान संग्रह

(ख) रसखान वाटिका

(ग) सुजान रसखान

(घ) रसखान रचनावली

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

12. रसखान का मूल नाम क्या था?

(क) सैयद इब्राहीम **(ख)** इब्राहीम खाँ

(ग) रशीद खाँ **(घ)** इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

13. रसखान लकुटी और कामरिया पर क्या न्यौछावर करने को तैयार हैं?

(क) अपनी सम्पूर्ण संपत्ति **(ख)** अपनी जन्मस्थली

(ग) तीनों लोकों का राज्य **(घ)** अपना तन-मन

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—रसखान लकुटी और कामरिया पर तीनों लोकों का राज्य न्योछावर करने को तैयार हैं।

14. रसखान की उपलब्ध कृतियाँ हैं—

(क) रसखान दोहावली

(ख) सुजान रसखान

(ग) प्रेमवाटिका

(घ) (ख) और (ग) दोनों

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

काव्यांशों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

निम्नलिखित काव्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

I.

या लकुटी अरु कामरिया पर राज तिहूँ पुर को तजि डारौं।
आठहुँ सिद्धि नवौ निधि के सुख नंद की गाइ चराइ बिसारौं॥
रसखान कबौ इन आँखिन सौं, ब्रज के बन बाग तड़ाग निहारौं।
कोटिक ए कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारौं॥

1. श्री कृष्ण लाठी और कंबल कब धारण करते थे? 1

(क) जब उन्हें ठंड लगती थी।

(ख) जब वे जंगल में घूमने जाते थे।

(ग) जब वे जंगल में गायें चराने जाते थे।

(घ) (ख) और (ग) दोनों कथन सही हैं।

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

2. रसखान आठों सिद्धि और नौ निधियों का सुख किसके बदले को तैयार हैं? 1

(क) नंद की गायें चराने को मिलने पर

(ख) श्रीकृष्ण के दर्शन मिलने पर

(ग) ब्रज में घूमने का अवसर मिलने पर

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

3. रसखान करील के कुंजों पर क्या न्यौछावर करने को तैयार हैं? 1

(क) तीनों लोकों का राज

(ख) करोड़ों सोने के महलों से मिलने वाला सुख

(ग) नौ निधियों का सुख

(घ) आठों सिद्धियों का सुख

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

4. रसखान के मन में क्या अभिलाषा है? 1

(क) वे अपनी आँखों से ब्रज के वन, बाग और तड़ाग निहारना चाहते हैं।

(ख) वे ब्रज में घूमना चाहते हैं।

(ग) वे गोवर्धन पर्वत की सैर करना चाहते हैं।

(घ) उपरोक्त सभी कथन सही हैं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

5. काव्यांश की भाषा और छंद है— 1

(क) अवधी भाषा और चौपाई छंद

(ख) ब्रजभाषा और कवित छंद

(ग) ब्रजभाषा और सवैया छंद

(घ) खड़ी बोली और मुक्त छंद

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

AI II.

मोरपखा सिर ऊपर राखिहौं, गुंज की माल गरें पहिरौंगी।
ओढ़ि पितंबर लै लकुटी, बन गोधन ग्वारन संग फिरौंगी॥
भावतो वोहि मेरो रसखानि सों तेरे कहे सब स्वाँग भरौंगी।
या मुरली मुरलीधर की अधरान धरी अधरा ना धरौंगी॥

1. इस सवैये में किसके प्रति किसके प्रेम की अभिव्यक्ति हुई है? 1

(क) गोपियों के प्रति श्रीकृष्ण के प्रेम की

(ख) श्री कृष्ण के प्रति गोपियों के निश्छल प्रेम की

(ग) माता यशोदा के प्रति श्रीकृष्ण के प्रेम की

(घ) श्री कृष्ण के प्रति माता यशोदा के प्रेम की

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

2. यहाँ कौन किसके कहने पर क्या करने को तैयार है? 1

(क) गोपी अपनी सखी के कहने पर श्री कृष्ण का स्वांग रचने को तैयार हैं

(ख) एक गोपी श्री कृष्ण के कहने पर राधा का रूप धारण करने को तैयार है

(ग) ग्वाल बाल श्री कृष्ण के कहने पर खेलने को तैयार हैं

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

3. गोपी श्री कृष्ण का रूप धारण करते समय क्या करने को तैयार नहीं हैं? 1

(क) गोपी मोर के पंख का मुकुट धारण करना नहीं चाहती।

(ख) गोपी गले में गुंजों की माला नहीं पहनना चाहती।

(ग) गोपी श्री कृष्ण की मुरली को अपने होठों पर धारण नहीं करना चाहती।

(घ) गोपी पीतांबर धारण करना नहीं चाहती।

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—गोपी श्री कृष्ण की मुरली को अपने होठों पर धारण नहीं करना चाहती है क्योंकि कृष्ण सदैव मुरली को अपने पास रखते थे जिससे गोपियों को ईर्ष्या होती थी।

4. गोपी मुरली को अपने होठों पर क्यों नहीं रखना चाहती? 1

(क) उन्हें मुरली बजाना नहीं आता

(ख) मुरली के प्रति सौतिया डाह या ईर्ष्या के कारण

(ग) क्योंकि मुरली बहुत कठोर है

(घ) क्योंकि मुरली बजाना बहुत मुश्किल है

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—श्रीकृष्ण गोपियों को भूलकर मुरली को अपने होठों पर लगाए रखते हैं। मुरली के प्रति सौतिया डाह या ईर्ष्या के कारण गोपी मुरली को धारण नहीं करना चाहती है।

5. 'अधरान धरी अधरा न धरौंगी' पंक्ति में निहित अलंकार लिखिए। 1

(क) रूपक और अनुप्रास

(ख) यमक और उत्प्रेक्षा

(ग) अनुप्रास और यमक

(घ) अनुप्रास और श्लेष

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—'अ' वर्ण की क्रमानुसार आवृत्ति के कारण अनुप्रास और 'अधरान' शब्द की दो बार आवृत्ति तथा अर्थ भिन्न होने के कारण-अधरान-होठों पर, अधरा न-होठों पर नहीं, यमक अलंकार है।

III. कानन दै अँगुरी रहिबो जबहीं मुरली धुनि मंद बजैहै।
मोहनी तानन सों रसखानि अटा चढ़ि गोधन गैहै तो गैहै॥
टेरि कहौं सिगरे ब्रजलोगनि काल्हि कोऊ कितनो समुझैहै।
माइरी वा मुख की मुसकानि सम्हारी न जैहै, न जैहै, न जैहै॥

1. गोपी कानों में उँगली क्यों डालना चाहती है? 1

(क) ताकि उसे शोर सुनाई न दे

(ख) जिससे वह अपने काम में ध्यान लगा सके

(ग) जिससे वह कृष्ण की मुरली की मधुर ध्वनि न सुन सके

(घ) उसके कानों में बहुत दर्द है

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—गोपी कानों में उँगली इसलिए डालना चाहती है जिससे वह कृष्ण की मुरली की मधुर ध्वनि न सुन सके

2. श्री कृष्ण की मुस्कान गोपी पर क्या असर डालती है? 1

(क) गोपी स्वयं पर नियंत्रण खो बैठती है

(ख) गोपी रोने लगती है

(ग) गोपी को कुछ दिखाई नहीं देता

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

3. गोपी अपनी बात ब्रजवासियों को क्यों सुना रही है? 1

(क) वे सब गोपी के परिवार के सदस्य हैं

(ख) गोपी को लोक-लाज का भय है

(ग) गोपी अपनी असमर्थता का कारण ब्रज वासियों को बता रही है

(घ) (ख) और (ग) दोनों कथन सही हैं

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—गोपी को लोक-लाज का भय है। इसके साथ ही गोपी अपनी असमर्थता का कारण ब्रजवासियों को बता रही हैं जिस कारण उसे सामाजिक नियमों का उल्लंघन करने को विवश होना पड़ता है।

4. गोपी ने श्री कृष्ण की मुस्कान को कैसा बताया है? 1

(क) मधुर

(ख) मीठी और अचूक

(ग) आकर्षक और प्रभावशाली

(घ) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

5. 'काल्हि कोऊ कितनो समझैहै' में कौन-सा अलंकार है? 1

(क) अन्योक्ति अलंकार

(ख) अनुप्रास अलंकार

(ग) मानवीकरण अलंकार

(घ) अतिशयोक्ति अलंकार

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—यहाँ 'क' वर्ण की क्रमानुसार आवृत्ति हुई है अत: अनुप्रास अलंकार है।

AI IV.

मानुष हों तो वही रसखान बसौ ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन।
जो पशु हों तो कहा बस मेरे चरों नित नंद की धेनु मँझारन॥
पाहन हों तो वही गिरि को जो कियो कर छत्र पुरंदर धारन।
जो खग हों तो बसेरो करौं नित कालिंदी कूल कदंब की डारन॥

1. कवि एवं कविता का नमा लिखिए। 1

(क) ललद्यद—वाख

(ख) कबीर—सबद

(ग) रसखान—सवैये

(घ) पद—सूरदास

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—काव्यांश के रचयिता हैं—कवि रसखान तथा कविता का शीर्षक है—सवैये

2. मनुष्य रूप में जन्म लेने पर कवि कहाँ बसना चाहता है? 1

(क) ब्रज के गाँव में ग्वाल बालों के बीच

(ख) नंद बाबा और माता यशोदा के घर में

(ग) ब्रज के गाँव में गोपियों के बीच

(घ) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

3. कवि किस पर्वत का पत्थर बनना चाहता है? 1

(क) हिमालय पर्वत का **(ख)** अरावली पर्वत का

(ग) सुमेरु पर्वत का **(घ)** गोवर्धन पर्वत का

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—रसखान गोवर्धन पर्वत का पत्थर बनना चाहते हैं क्योंकि उसे श्रीकृष्ण ने अपनी उँगली पर धारण किया था।

4. पक्षी रूप में कवि यमुना किनारे कदंब की डाल पर बसेरा क्यों बनाना चाहता है? 1

(क) कदंब के पेड़ के नीचे श्रीकृष्ण रहा करते थे

(ख) क्योंकि वहाँ बहुत सारे पक्षी रहते हैं

(ग) उसके नीचे श्रीकृष्ण मुरली बजाकर गोपियों के संग रास रचाते थे

(घ) (ख) और (ग) दोनों कथन सही हैं

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

5. निम्नलिखित में से अनुप्रास अलंकार का उदाहरण है— 1

(क) मानुष हौं तो वही रसखानि

(ख) कालिंदी कूल कदंब की डारन

(ग) पाहन हौं तो वही गिरि को

(घ) जो खग हौं तो बसेरो करौं

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—अनुप्रास अलंकार का उदाहरण है—'कालिंदी कूल कदंब की डारन' क्योंकि यहाँ 'क' वर्ण की आवृत्ति हुई है।

❑❑

अध्याय

4 कैदी और कोकिला

— माखनलाल चतुर्वेदी

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए—

1. कवि ने गहना किसे कहा है?

(क) चूड़ियाँ **(ख)** हथकड़ियाँ

(ग) कंगन **(घ)** इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—कवि को स्वतंत्रता के लिए त्याग करना, बलिदान करना गर्व का काम लगता है इसलिए वे हथकड़ियों को गहना मानते हैं।

2. 'मोहन के व्रत पर' पंक्ति में 'मोहन' हैं—

(क) श्रीकृष्ण

(ख) महात्मा गाँधी

(ग) राममोहन राय

(घ) मदन मोहन मालवीय

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—इस पंक्ति में 'मोहन' से आशय महात्मा गाँधी से है जिन्होंने देश की आज़ादी का प्रण लिया हुआ है और लोग उनके साथ उस प्रण की पूर्ति हेतु स्वतंत्रता आंदोलन में भाग ले रहे हैं।

3. कवि के रोने पर लोगों की प्रतिक्रिया क्या होती है?

(क) लोग बातें करते हैं

(ख) लोगों के मुख से आह निकलती है

(ग) लोग दुखी होते हैं

(घ) (क) और (ख) दोनों

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—कोयल के गीत सुनकर लोग 'वाह' कहते हैं। कवि का रोना सुनकर लोगों के मुँह से आह निकल पड़ती है।

4. कवि को कोयल से ईर्ष्या होने का कारण है—

(क) क्योंकि कोयल पेड़ों पर रहती है।

(ख) क्योंकि कोयल गाती है।

(ग) क्योंकि कोयल स्वतंत्र है।

(घ) क्योंकि कोयल नाचती है।

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—कवि कारागृह में बंदी है और कोयल स्वतंत्र रूप से गीत गा सकती है इसलिए उन्हें कोयल से ईर्ष्या हो रही है।

5. कोयल द्रवित क्यों हो गई है? **1**

(क) जेल की अवस्था देखकर

(ख) स्वतंत्रता सेनानियों पर ढाए जाने वाले अत्याचारों को देखकर

(ग) कवि की अवस्था देखकर

(घ) अंग्रेज़ी शासन को देखकर

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—अंग्रेज़ सरकार दमन चक्र चलाते हुए जिस प्रकार भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों पर अन्याय कर रही थी वो देखकर कोयल द्रवित हो गई।

6. कवि किसे जीवन संगीत मानता है?

(क) कोयल की आवाज़ को

(ख) मोर की आवाज़ को

(ग) कोल्हू की आवाज़ को

(घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—कवि कोयल को उद्देशित करते हुए कहते हैं कारागृह की सींखचों को ही हमने स्वीकारा है अब तो कोल्हू की चर्रक चूँ ध्वनि हमारे लिए जीवन संगीत है।

7. 'कोयल की कूक' में किसकी अनुभूति होती है?

(क) मृदु आवाज़ की **(ख)** दुख और वेदना की

(ग) मीठी आवाज़ की **(घ)** कर्कश आवाज़ की

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—कारागृह में बंद स्वतंत्रता सेनानियों को देखकर उनके प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कोयल की कूक में हूक और वेदना की अनुभूति होती है।

8. किनकी करनी को काली कहा गया है?

(क) इंसानों की **(ख)** पशुओं की

(ग) अंग्रेज़ सरकार की **(घ)** प्राणियों की

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—अंग्रेज सरकार जिस प्रकार से भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों पर जुल्म कर रही थी वह देखकर तो यही लग रहा था कि उनकी करनी काली है।

9. कवि को कहाँ स्वतंत्रता से कार्य करने को नहीं मिल रहा था?

(क) बगीचे में **(ख)** कार्यालय में
(ग) कारागृह में **(घ)** शहर में

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—स्वतंत्रता की लड़ाई के दौरान कवि को कारागृह जाना पड़ा तब उन्हें अमानवीय कष्ट दिए गए।

10. 'कैदी और कोकिला' कविता में कोयल क्या काम कर रही है?

(क) स्वतंत्रता संग्राम हेतु प्रेरणा देने का
(ख) लोगों को प्रसन्न करने का
(ग) लोगों को दुख पहुँचाने का
(घ) गीत गाने का

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—कोयल कवि के साथ रोने के लिए आई है और उसे अंग्रेज़ों के खिलाफ चुपचाप विद्रोह करने की प्रेरणा दे रही है।

11. ''काले संकट-सागर'' से कवि का क्या अभिप्राय है? 1

(क) काला सागर **(ख)** काला रंग
(ग) अंग्रेज़ों की जेल **(घ)** काला पानी

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—'काले संकट-सागर' से तात्पर्य है-अंग्रेज़ों की जेल में कवि को अनंत दुख दिए जाते थे। लगता था कि कष्ट कभी दूर नहीं होंगे ।

12. ब्रिटिश शासन की तुलना किससे की गई है? 1

(क) कोयल के गीतों से **(ख)** कैदी से
(ग) तम के प्रभाव से **(घ)** गुलामी से

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—कवि ने अंग्रेजों के अत्याचारों को देखकर उसकी तुलना तम यानी काले अँधेरे से की है।

13. कवि ने लोगों का आह्वान किसलिए किया है? 1

(क) क्रांति करने **(ख)** युद्ध करने
(ग) गीत गाने **(घ)** ये सभी

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—ब्रिटिशों की यातनामयी पराधीनता से मुक्ति पाने के लिए कवि लोगों को क्रांति करने के लिए कह रहे हैं।

14. कवि को कोयल से ईर्ष्या क्यों हो रही है?

(क) कवि काल कोठरी में रहता है
(ख) कवि का संसार केवल 10 फुट बड़ा है
(ग) कवि को रोने की भी आज़ादी नहीं है
(घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—चूँकि कोयल हरी डाल पर रहती, खुले आसमान में उड़ती है व खुलकर गा सकती है इसके विपरीत कवि 10 फुट की काल कोठरी में बंद है जहाँ हँसना तो दूर रोना भी गुनाह है।

15. भारत में कैदियों के साथ अमानवीय व्यवहार कब किया जाता था?

(क) जब भारत पराधीन था
(ख) जब भारत आज़ाद था
(ग) प्राचीन भारत में
(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—जब भारत पराधीन था तब कैदियों पर उन्होंने अनगिनत अत्याचार किए, उन्हें भूख से तड़पाया साथ ही उन्हें, कोल्हू की बैल की तरह काम करना पड़ता था।

काव्यांशों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए— (1×5=5)

I. क्या गाती हो?
क्यों रह-रह जाती हो?
कोकिल बोलो तो !
क्या लाती हो?
संदेशा किसका है?
कोकिल बोलो तो !
ऊँची काली दीवारों के घेरे में,
डाकू, चोरों, बटमारों के डेरे में,
जीने को देते नहीं पेट-भर खाना,
मरने भी देते नहीं, तड़प रह जाना!
जीवन पर अब दिन-रात कड़ा पहरा है,
शासन है, या तम का प्रभाव गहरा है?
हिमकर निराश कर चला रात भी काली,
इस समय कालिमामयी जगी क्यूँ आली?

1. कवि को कारागृह में किन लोगों के बीच रहना पड़ा?

(क) चोर-डाकुओं के बीच **(ख)** अंग्रेज़ों के बीच
(ग) दोस्तों के बीच **(घ)** दुश्मनों के बीच

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—कवि को कारागृह में चोर-डाकू के बीच रहना पड़ा। उन्हें पेट भर खाने के लिए भी नहीं मिलता था। अनगिनत कष्ट सहने पड़े।

2. कवि पर कौन क्षुब्ध है?

(क) कोयल
(ख) तकदीर
(ग) प्रकृति
(घ) शासन

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या— रात काली थी, चांद भी डूब गया था इसलिए कवि को लग रहा है कि उस पर प्रकृति क्षुब्ध है।

AI **3. कोयल गीत क्यों गा रही है?**

(क) कवि के कहने पर
(ख) अपने मन के लिए
(ग) अंग्रेज़ी शासन के लिए
(घ) कैदियों के अत्याचारों को देखकर

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—कवि के अनुसार कोयल अंग्रेज़ सरकार के अत्याचारों से दुखी है। कैदियों पर होने वाले अत्याचारों को देखकर पिघल गई है इसलिए वह गा रही है।

4. कारागृह में कष्ट सहते हुए कवि के मन में क्या ख्याल आया?

(क) वहाँ से भाग जाने का
(ख) मरने का
(ग) रोने का
(घ) गुस्सा व्यक्त करने का

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—कवि के मन में ख्याल आया कि अंग्रेज शासन की यातनाओं को सहने से अच्छा है कि वह मर जाए।

5. किसे तम के प्रभाव के समान बताया है?

(क) ब्रिटिश शासन **(ख)** कोयल
(ग) कारागृह **(घ)** अपने विचारों

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—कवि ने ब्रिटिश शासन के अत्याचारों को देखकर उसकी तुलना तम यानी काले अँधेरे से की है।

II. क्या? देख न सकती ज़ंजीरों का गहना?
हथकड़ियाँ क्यों? यह ब्रिटिश-राज का गहना,
कोल्हू का चर्रक चूँ?—जीवन की तान,
गिट्टी पर अँगुलियों ने लिखे गान!
हूँ मोट खींचता लगा पेट पर जूआ,
खाली करता हूँ ब्रिटिश अकड़ का कूआँ।
दिन में करुणा क्यों जगे, रुलाने वाली,
इसलिए रात में गज़ब ढा रही आली?
इस शांत समय में,
अंधकार को बेध, रो रही क्यों हो?
कोकिल बोलो तो!
चुपचाप, मधुर विद्रोह-बीज
इस भाँति बो रही क्यों हो?
कोकिल बोलो तो!

1. रात में कौन रो रहा है?

(क) कोयल **(ख)** बिल्ली
(ग) चिड़िया **(घ)** बच्ची

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—कवि की दयनीय अवस्था को देखकर उनके प्रति संवेदना प्रकट करने के लिए रात में कोयल रो रही है।

2. ब्रिटिश अकड़ का कुआँ खाली करने से अभिप्राय है—

(क) ब्रिटिश कुँओं से पानी निकाल उन्हें खाली कर देना
(ख) ब्रिटिश सरकार द्वारा दी यातनाओं को झेलकर स्वतंत्रता के पथ से पीछे न हटना
(ग) ब्रिटिश सरकार के अकड़ नामक कुएँ को खाली करना
(घ) ये सभी

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

3. कवि ने किसकी अकड़ ढीली की?

(क) अंग्रेज़ सरकार **(ख)** चोरों की
(ग) कैदियों की **(घ)** इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—अंग्रेज़ों ने कवि को बहुत नरक यातनाएँ दीं। परंतु कवि ने इन यातनाओं को भी सह लिया और इस तरह उनकी अकड़ ढीली की।

AI **4. कवि को कोयल का स्वर कैसा लग रहा है?**

(क) क्रांतिकारी प्रेरणा देता हुआ
(ख) मधुर
(ग) विद्रोह के बीज बोता हुआ
(घ) ये सभी

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—कवि को कोयल का स्वर क्रांतिकारी प्रेरणा-सा, मधुर, व्रिदोह के बीज जैसा लग रहा है।

5. कैद में कवि को किस तरह काम करना पड़ रहा है?

(क) मजदूर की तरह **(ख)** कोल्हू के बैल की तरह
(ग) चोरों की तरह **(घ)** (क) और (ख) दोनों

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—अंग्रेज़ी शासन के जुल्म सहते हुए कैद में कवि को कोल्हू के बैल की तरह कष्ट सहने पड़ रहे हैं।

III. काली तू, रजनी भी काली
शासन की करनी भी काली
काली लहर कल्पना काली
मेरी काल कोठरी काली
टोपी काली, कमली काली,
मेरी लौह शृंखला काली,
पहरे की हुंकृति की ब्याली,
तिस पर है गाली, ऐ आली!
इस काले संकट-सागर पर,
मरने की मदमाती।
कोकिल बोलो तो!
अपने चमकीले गीतों को
क्यों कर हो तैराती!
कोकिल बोलो तो!

1. कवि ने 'हुंकृति की ब्याली' किसे बताया है?

(क) पहरे को **(ख)** खाने को
(ग) काल कोठरी को **(घ)** रात को

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—कवि अंग्रेज़ी शासन के विरुद्ध विद्रोह के अपराध में जेल में बंद था। वहाँ उस पर कड़ा पहरा बिठाया गया था जो कवि को साँप की फुंकार के समान डसता प्रतीत होता था।

2. कवि ने काली किसे कहा है?

(क) अपनी तकदीर को
(ख) अपने जीवन को
(ग) जबान को
(घ) ब्रिटिश शासन की करतूत को

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—कवि ने कोयल को, रात को, ब्रिटिश शासन की काली करतूतों को, कालकोठरी को, मन में उठने वाली कल्पनाओं को, हथकड़ी को काली कहा है।

3. काली चीज़ें किसका निर्माण कर रही हैं?

(क) उत्साह का **(ख)** द्वेष का
(ग) निराशा का **(घ)** इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—काली चीज़ें कारागार में निराशा का वातावरण निर्मित कर रही हैं।

4. उत्साह के वातावरण का निर्माण कौन कर रही है?

(क) चिड़िया
(ख) पंछी
(ग) कोयल
(घ) मैना

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—कोयल अपने गीतों से चारों ओर जोश और उत्साह का वातावरण निर्माण कर रही है।

5. प्रस्तुत पद्यांश से रूपक अलंकार का उदाहरण है—

(क) संकट सागर
(ख) काली लहर कल्पना काली
(ग) काला रंग कोकिल का
(घ) रजनी भी काली

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—'संकट सागर' में सागर पर संकट का आरोप है। उपमेय और उपमान दोनों में अभिन्नता है।

कविता पर आधारित लघुउत्तरीय प्रश्न

(25–30 शब्दों में)

AI प्रश्न 1. 'कैदी और कोकिला' नामक कविता के आधार पर पराधीन भारत की जेलों में दी जाने वाली यन्त्रणाओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए। **[सी.बी.एस.ई. 2019]**

अथवा

'कैदी और कोकिला' कविता के अनुसार लिखिए कि तत्कालीन शासक स्वतन्त्रता सेनानियों के साथ कैसा व्यवहार करते थे? **[सी.बी.एस.ई. 2014 Term I]**

उत्तर— तत्कालीन अंग्रेज़ी शासक स्वतन्त्रता सेनानियों के साथ अत्याचार एवं दमनपूर्ण व्यवहार करते थे। उन्हें डाकू, बदमाशों के साथ जंजीरों में जकड़कर रखा जाता था, भरपेट भोजन नहीं दिया जाता था तथा कोल्हू में बैल की तरह जोता जाता था।

प्रश्न 2. 'क्यों हूक पड़ी वेदना बोझ वाली-सी' पंक्ति का आशय स्पष्ट करते हुए बताइए कि कवि के द्वारा कोयल से ऐसे प्रश्न करना उसकी किस मानसिक स्थिति का द्योतक है ? [सी.बी.एस.ई. 2016 Term I]

उत्तर— कवि को कोयल की कूक भी वेदना ग्रस्त बोली जैसी लगती है। वह अंग्रेज़ी सरकार के अत्याचारों से पीड़ित है। उसे जेल में सिर्फ निराशा ही निराशा दिखती है। उसकी स्वतंत्रता भी छीन ली गई है। उसकी मानसिक स्थिति अत्यन्त दयनीय है। इसलिए स्वयं कवि भी बहुत दु:खी है।

AI प्रश्न 3. 'हिमकर निराश कर चला रात भी काली' का भाव स्पष्ट कीजिए। बताइए कि कवि को कोयल भी कैसी प्रतीत हो रही है और क्यों ? [सी.बी.एस.ई. 2016 Term I]

उत्तर— चन्द्रमा छिप गया, चारों ओर अँधेरा छा गया। कवि निराश हो गया। स्वतन्त्रता सेनानियों को अकारण बंद कर दिया गया था, उनकी व्यथा बढ़ गईं थी। काली रात उनकी निराशा को बढ़ा रही थी। कोयल भी अंग्रेज़ों के काले कानून की तरह काली दिखाई पड़ रही थी क्योंकि वह इस समय कूक कर कवि की वेदना को और बढ़ा रही है।

प्रश्न 4. कोकिला और कवि को निवास के लिए क्या-क्या मिला था, इसके साथ ही इन दोनों की दशाओं में क्या अन्तर था ? पठित कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। [सी.बी.एस.ई. 2015 Term I]

अथवा

कवि का कोयल से ईर्ष्या का क्या कारण है? [सी.बी.एस.ई. 2012 Term I]

अथवा

AI कवि अपने और कोयल के जीवन में किस विषमता का अनुभव करते हैं? [सी.बी.एस.ई. 2013 Term I]

उत्तर— कवि को कोयल से ईर्ष्या इसलिए हो रही है, क्योंकि कवि कारागार में बन्दी का जीवन व्यतीत कर रहा है जबकि कोयल स्वतन्त्र है। वह हरियाली का आनन्द ले रही है और खुले आसमान में विचरण कर रही है। कवि का संसार दस फुट की काल कोठरी में सिमटा हुआ है। कोयल के गाने की सभी सराहना करते हैं और कवि का रोना भी उसका गुनाह मान लिया जाता है।

AI प्रश्न 5. 'मोहन के व्रत पर' पंक्ति का आशय 'कैदी और कोकिला' कविता के आधार पर व्यक्त कीजिए तथा उन परिस्थितियों का भी उल्लेख कीजिए जिनमें यह व्रत धारण किया था। [सी.बी.एस.ई. 2015 Term I]

उत्तर— 'मोहन के व्रत पर' का आशय मोहनदास करमचंद गाँधी के द्वारा किए गए आह्वान तथा आज़ादी की लड़ाई से है। देश को अंग्रेज़ों से आज़ाद कराने के लिए उन्होंने असहयोग आन्दोलन का सूत्रपात किया और 'अंग्रेज़ो भारत छोड़ो' का नारा दिया। कवि भी उनके आह्वान पर नौकरी छोड़कर आज़ादी की लड़ाई में कूद पड़ा।

प्रश्न 6. कवि किन कष्टों में रातभर कहाँ जागता था और कोयल से वह क्या जानना चाहता था? 'कैदी और कोकिला' कविता के आधार पर उत्तर दीजिए। [सी.बी.एस.ई. 2014 Term I]

उत्तर— कवि को कारागार में भरपेट भोजन नहीं मिलता था, कोल्हू में बैल की जगह जुतना पड़ता था, गालियाँ और अपमान मिलता था। इन कष्टों के कारण वह रात-रात भर जागता था। कवि कोयल से यह जानना चाहता है कि वह क्या संदेशा लाई है, उसकी कूक में वेदना का भाव क्यों है ?

AI प्रश्न 7. 'कैदी और कोकिला' कविता में कवि ने शासन की करनी को काली क्यों कहा है? स्पष्ट कीजिए। [सी.बी.एस.ई. 2014 Term I]

उत्तर— 'कैदी और कोकिला' कविता में कवि ने अंग्रेजी शासन की करनी को काली इसलिए कहा है क्योंकि वे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रति अच्छा व्यवहार नहीं करते थे। उनके अन्याय, अत्याचार, दमन के कारण कवि ने शासन की करनी को काली कहा है।

प्रश्न 8. अर्द्धरात्रि में कोयल की चीख से कवि को क्या अंदेशा है? [सी.बी.एस.ई. 2013 Term I]

उत्तर— अर्द्धरात्रि में कवि को कोयल की चीख से यह लगता है कि कोयल कारागार में देशभक्त क्रान्तिकारियों के ऊपर अंग्रेज़ों द्वारा किए जाने वाले अत्याचारों और यातनाओं को देखकर बहुत दु:खी होकर इस तरह दु:ख भरी आवाज़ में चीख रही है।

AI प्रश्न 9. हथकड़ियों को गहना क्यों कहा गया है?

उत्तर— गहना पहनने वाले की सुन्दरता को बढ़ाता है। देशभक्त स्वतंत्रता सेनानियों ने देश को स्वतन्त्र कराने के महान् उद्देश्य के लिए हथकड़ियाँ पहनीं थीं, वे आज़ादी के मतवाले हथकड़ियों को आभूषण के समान मानते थे, जिससे समाज में उनकी प्रतिष्ठा और सम्मान बढ़ गया। इसीलिए हथकड़ियों को गहना कहा गया है।

AI प्रश्न 10. इस कविता में किस शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गई है और क्यों?

उत्तर— कविता में पराधीन भारत में अंग्रेज़ी शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गई है क्योंकि उस समय देश में अंग्रेज़ों की दमनकारी नीतियाँ प्रभावी थीं। भारतीयों का शोषण हो रहा था। आज़ादी की माँग करने वालों को जेल में बंद करके यातनाएँ दी जाती थीं। चारों ओर निराशामय वातावरण था।

सामान्य त्रुटियाँ

- विद्यार्थी कविता का भली-प्रकार अध्ययन नहीं करते जिससे प्रश्नों के उत्तर देने में उन्हें असुविधा रहती है।
- 'मोहन के व्रत पर' से आशय वे कृष्ण भगवान के व्रत, पूजा आदि लेते हैं जो कि गलत है।
- विद्यार्थी कवि के जेल में बंदी होने की वजह स्पष्ट नहीं कर पाते।

निवारण

- विद्यार्थियों को कविता का अध्ययन कर उनका केन्द्रीय भाव समझना चाहिए।
- विद्यार्थियों को प्रश्नों के उत्तर अपनी भाषा में देने का प्रयास करना चाहिए।
- वर्तनी संबंधी अशुद्धियाँ कम करनी चाहिए।

❑❑

OSWAAL BOOKS® LEARNING MADE SIMPLE

अध्याय

5 मेघ आए

— सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

काव्य पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

1. कवि ने मेघ के स्वागत की तुलना किससे की है?

(क) गर्मी के स्वागत से। **(ख)** दामाद के स्वागत से।
(ग) मानसून के स्वागत से। **(घ)** नवेली बहु के स्वागत से।

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

2. लोग किसकी एक झलक देखने को बेताव हैं?

(क) सालियों की **(ख)** मेघ की
(ग) गाँव के लोगों की **(घ)** इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

3. कौन मेघ को प्रणय कर रहा है?

(क) नदियाँ **(ख)** बूढ़ा पीपल
(ग) दामाद **(घ)** मेहमान

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

4. कौन परात में पानी भरकर लाया है?

(क) तालाब **(ख)** नदियाँ
(ग) सागर **(घ)** झरने

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

5. मेघ रूपी बादलों के आगे-आगे कौन नाचते-गाते हुए बढ़ती है?

(क) बादल **(ख)** पक्षी
(ग) हवा **(घ)** पानी

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

6. मेघ के बरसने पर किसका आपस में मिलन हुआ?

(क) धरती और बादल **(ख)** धरती और आसमान
(ग) धरती और पक्षी **(घ)** आसमान और बादल

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

7. बारिश होने से तालाब किससे भर गये?

(क) पानी **(ख)** कीचड़
(ग) मेंढक **(घ)** इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

❑❑

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

अध्याय

6 बच्चे काम पर जा रहे हैं

— राजेश जोशी

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प चुनकर लिखिए—

1. 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' इस कविता में कवि ने कौन-सी चिंता प्रकट की है?

(क) दहेज प्रथा

(ख) बाल मजदूरी की विवशता

(ग) महिला शोषण

(घ) आर्थिक शोषण

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—इस कविता के माध्यम से कवि ने बाल मजदूरी की विवशता विषय पर चिंता प्रकट की है।

2. बच्चे काम पर जाने के लिए क्यों विवश हैं?

(क) गरीबी के कारण

(ख) माता-पिता के कारण

(ग) रिश्तेदारों के कारण

(घ) ये सभी

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—आज भी बड़ी मात्रा में गरीबी के कारण छोटे मासूम बच्चों को बाल मजदूरी का शिकार होना पड़ता है।

3. स्कूल की इमारत किसके कारण ढहने का अनुमान लगाया है?

(क) बाढ़ के कारण **(ख)** भूकंप के कारण

(ग) प्रलय के कारण **(घ)** इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—बच्चे स्कूल की तरफ न जाकर काम पर जा रहे हैं इसलिए कवि ने मदरसों की इमारते भूकंप के कारण ढहने का अनुमान लगाया है।

4. बच्चों का काम पर जाना कवि किस हादसे के समान मानते हैं?

(क) महाप्रलय आने के समान

(ख) भूकंप आने के समान

(ग) धरती का सबसे बड़ा हादसा

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—बच्चों को काम पर जाने की मजबूरी होना कवि के अनुसार यह धरती का सबसे बड़ा हादसा है।

5. बच्चों को कौन-सी सुविधाएँ मिलनी चाहिए?

(क) शिक्षा **(ख)** समुचित विकास

(ग) खेलना **(घ)** उपर्युक्त सभी

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—बच्चों को पढ़ने-लिखने एवं शिक्षा प्राप्त कर अपने जीवन में आगे बढ़ने का मौका मिलना चाहिए। वे तन मन से स्वस्थ्य रहेंगे तो उनका समुचित विकास होगा।

6. कवि के अनुसार एकाएक क्या खत्म हो गए हैं?

(क) मैदान **(ख)** बगीचे

(ग) घरों के आँगन **(घ)** उपर्युक्त सभी

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—बच्चों के समुचित विकास के लिए उन्हें मैदान, बगीचे, घर के आँगन में खेलने का मौका मिलना चाहिए, परंतु कवि को लगता है कि शायद यह सब खत्म एकाएक खत्म हो गए हैं इसीलिए बच्चों को काम पर जाना पड़ रहा है।

7. कोहरे से ढकी सड़क से बच्चों का काम पर जाना किसके लिए चिंता का विषय है?

(क) पाठकों के लिए **(ख)** माता-पिता के लिए

(ग) कवि के लिए **(घ)** सभी के लिए

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—'बच्चे काम पर जा रहे हैं' इस कविता के कवि राजेश जोशी ने बहुत ही गंभीर प्रश्न इस कविता द्वारा प्रस्तुत किया कि खेलने-कूदने की उम्र में बच्चों को सुबह-सुबह कोहरे से ढकी सड़क पर काम के लिए जाना पड़ रहा है यह हम सभी के लिए चिंता का विषय है।

8. कवि के अनुसार छोटे बच्चे कैसी सड़क से काम पर जा रहे है?

(क) कच्ची सड़कें **(ख)** पक्की सड़कें

(ग) कोहरे से ढकी हुई **(घ)** कीचड़ से भरी हुई

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—सुबह-सुबह घना कोहरा छाया हुआ है ऐसी स्थिति में बच्चे कोहरे से ढकी हुई सड़क पर काम पर जा रहे हैं।

9. आज भी कुछ बच्चे सुविधा और मनोरंजन के उपकरणों से क्यों वंचित हैं?

(क) माता-पिता के कारण **(ख)** समाज के कारण

(ग) रिश्तेदारों के कारण **(घ)** गरीबी के कारण

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—आज कई परिवारों की यह अवस्था है कि वे गरीबी के कारण बच्चों को सुविधा एवं मनोरंजन के साधन उपलब्ध नहीं करा सकते हैं।

10. कवि के अनुसार काम पर जाने वाले बच्चों की गेंदें शायद गिर गई हैं—

(क) समुद्र में **(ख)** नदी में

(ग) अंतरिक्ष में **(घ)** मैदान में

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—खेलकूद की उम्र में बच्चों को मैदान पर खेलने के बजाए काम पर जाना पड़ रहा है इसलिए कवि कहते हैं मानो उनकी गेंदें अंतरिक्ष में गिर गई हैं।

11. कम उम्र के बच्चों पर किसका बोझ नहीं डालना चाहिए?

(क) काम का **(ख)** पढ़ाई का

(ग) घूमने का **(घ)** व्यायाम का

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—14 साल की उम्र तक के बच्चों पर मजदूरी का बोझ नहीं डालना चाहिए। इसे कानूनी जुर्म माना जाता है।

12. छोटे बच्चों को बचपन की सुविधाएँ न मिलीं तो उनका जीवन कैसा होगा?

(क) अनुशासित **(ख)** निरर्थक

(ग) आनंददायी **(घ)** दु:खी

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—बचपन में बच्चों को अपनों से प्रेम, ममता एवम् खेलकूद, दोस्तों के साथ घूमना-फिरना एवं शिक्षा ग्रहण करना आदि सुविधाएँ नहीं मिलीं तो उनका जीवन निरर्थक हो जाएगा।

13. कवि राजेश जोशी के अनुसार बचपन कैसा होना चाहिए?

(क) खेलने के लिए होना चाहिए

(ख) खुशियों से भरा होना चाहिए

(ग) पढ़ने-लिखने के लिए होना चाहिए

(घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—बचपन होता ही है रंग-बिरंगे सपने संजोने का, बच्चे का समुचित विकास होने के लिए उसे पढ़ना-लिखना, खेलना-कूदना, आनंदित जीवन जीना, बड़ों से प्यार मिलना जरूरी होता है।

14. इस कविता के अनुसार समाज के लिए अभिशाप क्या है?

(क) महिलाओं की स्थिति

(ख) दहेज की समस्या

(ग) बालिकाओं की समस्या

(घ) बाल मजदूरी की समस्या

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—कवि राजेश जोशी जी ने 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' इस कविता में प्रश्नवाचक शैली में बच्चों के बाल मजदूरी की समस्या पर प्रकाश डाला है जिससे पाठक सोचने पर विवश हो जाए कि बाल मजदूरी समाज के लिए बड़ा अभिशाप है।

15. 'बच्चे काम पर जा रहे' इस कविता में सामाजिक हैं—आर्थिक विडंबना का शिकार कौन बने हुए हैं?

(क) बूढ़े **(ख)** बच्चे

(ग) महिला **(घ)** समाज

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—कवि राजेश जोशी ने इस कविता के द्वारा जिन छोटे-छोटे बच्चों को कष्टमय जीवन जीना पड़ता है। उनकी विवशता को प्रकट किया है, जो कि हमारे समाज की सामाजिक एवं आर्थिक विडंबना को दर्शाती है।

काव्यांशों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए— 1×5=5

I. कोहरे से ढँकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं
सुबह सुबह
काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?

1. बच्चे काम पर कब जा रहे हैं ?
(क) दोपहर में
(ख) सुबह-सुबह
(ग) आधी रात में
(घ) शाम को

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—बच्चे सुबह-सुबह उठकर तेज ठंड में जब चारों ओर कोहरा छाया है काम पर जा रहे हैं।

2. 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' इसे विवरण को लिखना कवि भयानक क्यों मानते हैं?
(क) क्योंकि लोग विशेष ध्यान नहीं देते
(ख) समाज का ध्यान इसकी गंभीरता की ओर दिलाना चाहता है
(ग) लोग समस्या पढ़ने में कठिनाई का अनुभव करते हैं
(घ) (क) और (ख) दोनों सही

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—चूँकि समस्या को विवरण की तरह लिखने पर लोग विशेष ध्यान नहीं देते जबकि बाल मजदूरी की समस्या न केवल देश की वरन् विश्व की जटिलतम समस्याओं में से एक है। अत: कवि चाहता है कि लोग इसकी गंभीरता को समझें।

3. बच्चों की समस्या को कैसे लिखा जाना आवश्यक है?
(क) सवाल की तरह
(ख) कथा की तरह
(ग) विवरण की तरह
(घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—सवाल की तरह लिखे जाने से आशय है कि समस्या की गहराई में जाना, उसके कारणों को जानना तथा समाधान के उपाय करना।

4. इस कविता में कौन-सी समस्या पर प्रकाश डाला है?
(क) आर्थिक समस्या पर
(ख) राजनीतिक समस्या पर
(ग) पारिवारिक समस्या पर
(घ) बाल-मजदूरी की समस्या पर

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

बच्चे काम पर जा रहे हैं
हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह
भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना
लिखा जाना चाहिए इसे सवाल की तरह

व्याख्या—बच्चे घने कोहरे में सड़कों पर काम करने के लिए निकले हैं यह बाल मजदूरी की समस्या कवि राजेश जोशी जी ने इस कविता के द्वारा दर्शायी है।

5. समाज किसके प्रति उदासीन है?
(क) लड़कियों के प्रति
(ख) उन्नति और विकास के प्रति
(ग) काम पर जाने वाले बच्चों के प्रति
(घ) देश के प्रति

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—समाज में सभी सुविधाएँ होने के बावजूद बच्चों को काम पर जाना पड़ता है यह एक ज्वलंत समस्या है और कवि के अनुसार समाज आज भी जो बच्चे काम पर जाते हैं उनके प्रति उदासीन है।

II. क्या अंतरिक्ष में गिर गई हैं सारी गेंदे
क्या दीमकों ने खा लिया है
सारी रंग बिरंगी किताबों को
क्या काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं खिलौने सारे
क्या किसी भूकंप में ढह गई है।
सारे मदरसों की इमारतें
क्या सारे मैदान, सारे बगीचे और घरों के आँगन
खत्म हो गए हैं एकाएक

1. कवि के मतानुसार रंग-बिरंगी किताबों को किसने खा लिया है?
(क) दीमकों ने **(ख)** चींटियों ने
(ग) चूहों ने **(घ)** ये सभी

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—कवि कहते हैं कि बच्चों की रंग-बिरंगी किताबों में परियों, जादूगरों की कहानियाँ पढ़नी व सुननी चाहिए लेकिन बचपन में उन्हें काम पर जाना पड़ रहा है मानो उनके किताबों को दीमक लग गई है।

2. कवि के अनुसार अचानक क्या खत्म हो गया है?
(क) पैसे रुपए
(ख) मैदान-बगीचे

(ग) घर-आँगन
(घ) (ख) और (ग) दोनों

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—छोटे-छोटे बच्चों को बचपन में मैदान-बगीचे, घर-आँगन में खेलने-कूदने के स्थान पर काम पर जाना पड़ रहा है। इसलिए कवि कहते हैं कि मैदान-बगीचे, घर-आँगन क्या खत्म हो गए हैं।

3. बच्चों का काम पर जाना कैसी स्थिति है?
(क) भयानक (ख) रोचक
(ग) प्रशंसनीय (घ) सुखद

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—सुविधाएँ होने के बावजूद जिस उम्र में बच्चों का खेलकूद करना चाहिए, पढ़ाई करनी चाहिए उस उम्र में उन्हें काम पर जाना पड़ता है यह वास्तव में भयानक स्थिति है।

4. कवि के अनुसार बच्चों के खिलौने कहाँ दब गए हैं?
(क) जमीन में (ख) खेतों में
(ग) काले पहाड़ के नीचे (घ) इनमें से कोई नही

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—कवि का काले पहाड़ से तात्पर्य है—शोषण व्यवस्था। बच्चों के बाल मजदूरी की समस्या के कारण मानो बच्चों के खिलौने शोषण रूपी काले पहाड़ के नीचे दब कर नष्ट हो गए हैं।

5. कवि का मन क्यों तिलमिला उठता है?
(क) बच्चों को काम पर जाता देखकर
(ख) मजदूरों को काम पर जाता देखकर
(ग) औरतों को काम पर जाता देखकर
(घ) किसानों को काम पर जाता देखकर

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—जिस उम्र में बच्चों का शारीरिक, मानसिक विकास होना चाहिए या खेलकूद, पढ़ाई में लगना चाहिए उस उम्र में उन्हें काम पर जाता देखकर कवि तिलमिला उठते हैं।

III. तो फिर बचा ही क्या है इस दुनिया मे?
कितना भयानक होता अगर ऐसा होता
भयानक है लेकिन इससे भी ज्यादा यह
कि हैं सारी चीजें हस्बमामूल
पर दुनिया की हजारों सड़कों से गुजरते हुए बच्चे,
बहुत छोटे छोटे बच्चे काम पर जा रहे हैं।

1. 'हस्बमामूल' शब्द का अभिप्राय है—
(क) हस्तगत (ख) यथावत्
(ग) मामूली (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—'हस्बामामूल' इस शब्द का अर्थ होता है—जैसे कि वैसी स्थिति होना यानी 'यथावत्'।

2. कवि के अनुसार सबसे भयानक स्थिति क्या है?
(क) समाज में भेदभाव होना
(ख) आपसी मनमुटाव होना
(ग) सुविधाएँ होते हुए भी बाल-मजदूरी होना
(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—कवि के अनुसार भयानक स्थिति यह है कि संसार में पुस्तक, गेंदें, खिलौने होने के बावजूद भी सभी बच्चों को ये नहीं मिल पाते।

3. प्रस्तुत कविता में कौन-सी शैली का उपयोग किया गया है? 1
(क) प्रश्नात्मक (ख) विधानात्मक
(ग) विचारात्मक (घ) सभी सही

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—प्रश्नात्मक शैली बहुत प्रभावशाली होती है वह सुनने वाले को सोचने और उत्तर ढूँढने को बाध्य करती है। कवि पाठकों को सोचने पर विवश करना चाहता है।

4. कवि ने किन शब्दों की पुनरावृत्ति की है?
(क) मजदूर बच्चे (ख) बच्चे बहुत छोटे बच्चे
(ग) बच्चे काम पर जा रहे हैं (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—पाठकों के मन में बच्चों के प्रति सहानुभूति जगाने के लिए कवि ने 'बच्चे बहुत छोटे छोटे बच्चे' इन शब्दों की पुनरावृत्ति की है।

5. 'नन्हें बच्चों को बचपन की सारी सुविधाएँ नहीं मिलना' यह कविता में कौन-सी पंक्ति में आया हैं?
(क) कितना भयानक होता
(ख) बच्चे काम पर जा रहे हैं
(ग) तो फिर बचा ही क्या है इस दुनिया में?
(घ) (ख) और (ग) दोनों ही

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—इन पंक्तियों से कवि का तात्पर्य है कि अगर नन्हें बच्चों को बचपन की सारी सुविधाएँ न मिलें तो वह जीवन निरर्थक है ऐसा जीवन आनंदपूर्ण नहीं हो सकता।

❑❑

अध्याय 5

ग्राम श्री

—सुमित्रानंदन पंत

कविता का सारांश

'ग्राम श्री' शीर्षक कविता में श्री सुमित्रानन्दन पंत ने गाँव की प्राकृतिक सुन्दरता और समृद्धि का मार्मिक चित्रण किया है। गाँव के खेतों में दूर-दूर तक फैली लहलहाती फसलें, फल-फूलों से लदी पेड़-पौधों की डालियाँ हैं और गंगा की सतरंगी रेती कवि के मन को प्रफुल्लित कर देती है। खेतों में दूर-दूर तक फैली हरियाली मखमल के समान कोमल प्रतीत होती है जिस पर सूर्य की किरणें चाँदी की जाली के समान बिखरी हुई लगती है। हरी-भरी धरती पर नीले आकाश का पर्दा-सा फैला हुआ मनोरम लगता है। गेहूँ की बालियाँ अरहर और सनई की फलियाँ सोने जैसी किंकणियाँ शोभा दे रही हैं। हरी-हरी धरती पर नीली-नीली तीसी फैली हुई बहुत अनोखी लग रही हैं। मटर और छीमियों पर रंग-बिरंगी तितलियाँ मँड़रा रही हैं। आम की डालियाँ चाँदी सोने जैसी मंजरियों से लद गई हैं। ढाक और पीपल से पत्ते झर रहे हैं। कटहल जामुन, झरबेरी, आड़ू, नीबू, अनार, आलू, गोभी, बैंगन और मूली का सुन्दर दृश्य मन को लुभा रहा है। पीले-पीले अमरूदों पर लाल-लाल चित्तियाँ पड़ गई हैं। पीले बेर पक गये हैं। पालक, धनियाँ, लौकी, टमाटर, सेम, मिर्च, सभी अपनी सुन्दरता बिखेर रहे हैं। गंगा नदी के किनारे रेत पर पानी के बहाव से लहरें सतरंगी साँप-सी प्रतीत हो रही हैं। गंगा के किनारे तरबूज़ों की खेती आकर्षण युक्त है। किनारों पर बगुले पैरों रूपी कंघी से अपने बाल संवार रहे हैं। सर्दियों की धूप फैल गई है। हरियाली अलसाई-सी लग रही है। सारा गाँव मरकत के खुला डिब्बा-सा लग रहा है जिस पर स्वच्छ आकाश रूपी नीलम फैला हुआ है। सर्वत्र सुन्दरता ही सुन्दरता विद्यमान है।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
रजत	चाँदी	स्वर्ण	सोना (सुनहरा)	आम्र	आम
तरु	पेड़	सरपत	परछायीं	सुरखाब	चकवा
किंकिणियाँ	बालियाँ	तैलाक्त	तेल के जैसी	तम	अँधेरा
आच्छादन	छाया हुआ				

काव्यांशों पर आधारित अतिलघु एवं लघूत्तरीय प्रश्नोत्तर *(प्रत्येक 5 अंक)*

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

1.

फैली खेतों में दूर तलक
मखमल की कोमल हरियाली
लिपटीं जिससे रवि की किरणों
चाँदी की सी उजली जाली !

तिनकों के हरे-हरे तन पर
हिल हरित रुधिर है रहा झलक,
श्यामल भू तल पर झुका हुआ
नभ का चिर निर्मल नील फलक !

[C.B.S.E. 2016 Term I]

प्रश्न (क) खेतों में फैली हरियाली कैसी दिखाई देती है ? **2**

उत्तर— कोमल और सुन्दर मखमल की तरह। **[C.B.S.E. Marking Scheme, 2016]**

प्रश्न (ख) नीला आकाश किस पर झुका हुआ और किस प्रकार का दिखाई दे रहा है ? **2**

उत्तर— भूमि पर झुका हुआ है और दूर तक फैला हुआ है। **[C.B.S.E. Marking Scheme, 2016]**

प्रश्न (ग) हरे-भरे तिनकों में क्या झलकता प्रतीत होता है ?

उत्तर— हरा खून अर्थात् फसलों के पत्तों का हरा रस। **[C.B.S.E. Marking Scheme, 2016]**

2.

रोमांचित-सी लगती वसुधा
आई जौ, गेहूँ में बाली,
अरहर, सनई की सोने की
किंकिणियाँ है शोभाशाली।

उड़ती भीनी तैलाक्त गंध
फूली सरसों पीली-पीली,
लो हरित धरा से झाँक रही
नीलम की कली, तीसी नीली!

[C.B.S.E. 2012 Term I, Set]

प्रश्न (क) शोभाशाली क्या है? **2**

उत्तर— अरहर, सनई की सोने की किंकणियाँ शोभाशाली है।

प्रश्न (ख) सरसों के फूल कैसे होते हैं ? उनमें से कैसी गंध आ रही है? **2**

उत्तर— सरसों के फल पीले होते हैं। उनमें से तैलाक्त गंध आ रही है।

प्रश्न (ग) नीली तीसी को क्या कहा गया है? **1**

उत्तर— नीली तीसी को नीलम की कली कहा गया है।

अथवा

रोमांचित-सी .....तीसी नीली।

प्रश्न (क) इस कविता में कौन-कौन सी फसलों का उल्लेख किया गया है? **1**

उत्तर— जौ, गेहूँ, अरहर, सनई, सरसों तथा तीसी आदि फसलों का उल्लेख किया गया है।

प्रश्न (ख) वातावरण में तेल युक्त गंध फैलने का क्या कारण है ? **1**

उत्तर— सरसों में पीले फूल आ जाने के कारण वातावरण में तेलयुक्त गंध फैल गई है।

प्रश्न (ग) 'तैलाक्त' शब्द में प्रयुक्त समास लिखिये। **1**

उत्तर— तत्पुरुष समास।

3.

अब रजत स्वर्ण मंजरियों से
लद गई आम्र तरु की डाली,
झर रहे ढाक, पीपल के दल,
हो उठी कोकिला मतवाली!

महके कटहल, मुकुलित जामुन,
जंगल में झरबेरी झूली,
फूले आड़ू, नींबू, दाड़िम,
आलू, गोभी, बैंगन, मूली।

प्रश्न (क) रजत स्वर्ण मंजरियों का भाव स्पष्ट कीजिए तथा उन्हें देखकर कौन मतवाली हो उठी है ? **2**

उत्तर— आम के पेड़ की डालियों पर सुनहरा बौर आ गया है जिसे देखकर कोयल मतवाली होकर कुहु-कुहु कर रही है।

प्रश्न (ख) काव्यांश में किस ऋतु का वर्णन किया गया है ? **1**

उत्तर— काव्यांश में बसन्त ऋतु का वर्णन किया गया है।

प्रश्न (ग) दाड़िम शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है तथा इस समय क्या-क्या फूले हुए हैं ?

उत्तर— दाड़िम शब्द का प्रयोग अनार के लिए किया गया है। इस समय अनार, आड़ू, नींबू, आलू, गोभी, बैंगन, मूली फूल उठे हैं। **2**

4.

"बालू के साँपों से अंकित
गंगा की सतरंगी रेती
सुन्दर लगती सरपत छाई
तट पर खरबूजों की खेती,

अंगुली की कंघी से बगुले
कलंगी सँवारते हैं कोई,
तिरते जल में सुरखाब, पुलिन पर
मगरौठी रहती सोई। **[C.B.S.E. 2012 Term I, Set 056 A1]**

प्रश्न (क) गंगा तट पर रेती कैसी लग रही है? वर्णन कीजिए। **2**

उत्तर— सूर्य की किरणों के पड़ने पर रेत इन्द्रधनुषी प्रतीत होती है, चमकने लगती है। रेत की आड़ी-तिरछी रेखाएँ साँप के समान लग रही हैं।

प्रश्न (ख) गंगा तट पर कौन-से पक्षी हैं और क्या-क्या कर रहे हैं ? **2**

उत्तर— गंगा तट पर बगुले पाँव की उँगलियाँ सिर पर मारते रहते हैं, मगरौठों सोई हैं, पानी में चकवे तैर रहे हैं।

प्रश्न (ग) किसकी खेती सुन्दर लग रही है? **1**

उत्तर— खरबूजों की खेती सुन्दर प्रतीत हो रही है।

अथवा

प्रश्न (क) गंगा के किनारे की सुन्दरता के विषय में कवि ने क्या बताया है ? **2**

उत्तर— गंगा किनारे की रेत सूर्य के प्रकाश में सतरंगी चमक रही है। वहाँ छाई खरपत सुन्दर लग रही है और खरबूजों की खेती अच्छी लगती है।

प्रश्न (ख) बगुले और चक्रवाक पक्षी क्या कर रहे हैं ? **2**

उत्तर— बगुले पाँव की अँगुलियाँ सिर पर मारते हैं और ऐसा लगता है जैसे अँगुली से कंघी कर रहे हैं। चक्रवाक जल में तैरते रहते हैं।

प्रश्न (ग) मगरौठी क्या कर रही है ? **1**

उत्तर— मगरौठी सोई रहती है।

5.

हँसमुख हरियाली हिम-आतप
सुख से अलसाए-से सोए,
भीगी अँधियाली में निशि की
तारक स्वप्नों में-से खोए—

मरकत डिब्बे सा खुला ग्राम
जिस पर नीलम तम आच्छादन
निरुपम हिमान्त में स्निग्ध शांत
निज शोभा से हरता जन मन!

[C.B.S.E. 2014, 12 Term I]

प्रश्न (क) तारे कैसे लग रहे हैं? **2**

उत्तर— तारे ओसमय वातावरण में पूरी तरह चमक नहीं पा रहे हैं। ऐसा लगता है कि उनकी आभा अंधकार में भी निखर नहीं पा रही है और वे सोए हुए हैं या सपनों में खोए हुए हैं।

प्रश्न (ख) कवि एवं कविता का नाम बताइए। **2**

उत्तर— कवि—सुमित्रानंदन पंत, कविता—ग्राम श्री।

प्रश्न (ग) निशि और हिम का एक-एक पर्याय लिखिए। **1**

उत्तर— निशि का पर्यायवाची—रजनी, हिम का पर्यायवाची—बर्फ।

अथवा

हँसमुख ..... जन मन।

[C.B.S.E. 2012 Term I]

प्रश्न (क) 'मरकत का डिब्बा' किसे कहा गया है और क्यों ? **2**

उत्तर— हरियाली से परिपूर्ण ग्राम को मरकत का डिब्बा कहा गया है।

प्रश्न (ख) कवि ने गाँव को 'हरता जन मन' क्यों कहा है ? **2**

उत्तर— गाँव का प्राकृतिक वातावरण मनमोहक है। वह लोगों के मन को हरता जान पड़ता है।

प्रश्न (ग) 'हँसमुख हरियाली हिम आतप' में कौन-सा अलंकार है ? **1**

उत्तर— अनुप्रास अलंकार।

अथवा

हँसमुख ..... जन मन।

[C.B.S.E. 2012 Term I]

प्रश्न (क) 'मरकत का डिब्बा' किसे कहा गया है और उसे 'हरता जन मन' क्यों कहा गया है ? **2**

उत्तर— मरकत मणि की हरीतिमा जैसी गाँव की हरियाली से युक्त सुन्दर गाँव सभी के मन को आकर्षित कर रहा है।

प्रश्न (ख) प्रस्तुत पद्यांश में वर्णित रात्रि के सौंदर्य की विशेषता अपने शब्दों में लिखिए। **2**

उत्तर— रात को तारों का चमकना, ओस से भीगा वातावरण, गाँव अलसित सोया हुआ-सा।

प्रश्न (ग) हरियाली को 'हँसमुख' क्यों कहा है? **1**

उत्तर— गाँव का हरा-भरा वातावरण बसन्त में प्रसन्नचित्त लग रहा है।

कविता पर आधारित लघु उत्तरीय प्रश्न *(प्रत्येक 2 अंक)*

प्रश्न 1. 'मरकत डिब्बे सा खुला ग्राम जिस पर नीलम नभ आच्छादन' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

[C.B.S.E. 2014 Term I]

उत्तर— मरकत हरे रंग का रत्न पन्ना होता है। कवि ने गाँव की हरियाली को देखकर उसे पन्ना रत्न (मरकत) के खुले डिब्बे-सा बताया है और नीला आकाश ऐसा लग रहा है मानों मरकत के डिब्बे (गाँव) पर किसी ने नीलम का ढक्कन लगा दिया हो। हरा-भरा शांत गाँव अपनी सुंदरता एवं शांति से सबके मन को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। **2**

प्रश्न 2. मरकत का अर्थ बताइए। गाँव की तुलना मरकत के डिब्बे से क्यों की गई है ? **[C.B.S.E. 2016 Term I]**

उत्तर— मरकत का अर्थ है पन्ना जो एक रत्न होता है। इसका रंग हरा होता है। हरे-भरे खेतों पर सूर्य की किरणें जब पड़ती हैं तब वे पन्ने की तरह चमकती हैं इसलिए गाँव की तुलना परकत के डिब्बे से की गयी है। **2**

प्रश्न 3. ग्रामश्री कविता में गाँव को 'मरकत डिब्बे सा खुला' बताए जाने का भाव स्पष्ट कीजिए।

[C.B.S.E. 2016 Term I]

उत्तर— गाँव के खेत हरी-भरी लहलहाती फसलों से भरे हुए हें। पेड़-पौधों पर हरियाली ही हरियाली की अधिकता के कारण गाँव से मरकत डिब्बे सा खुला रह गया है। मरकत हरे रंग का रत्न (पन्ना) होता है। **2**

प्रश्न 4. आंवले के पेड़ की डाल की सुंदरता का वर्णन कवि पंत के शब्दों में कीजिए। **[C.B.S.E. 2015 Term I]**

उत्तर— पेड़ छोटे-छोटे फलों से लद जाता है। पतली-पतली डालियों पर आँवले के छोटे-छोटे फल से दिखाई दे रहे हैं। पंत ने ग्रामश्री कविता में यह वर्णन किया है। **[C.B.S.E. Marking Scheme, 2015] 2**

प्रश्न 5. हरियाली का सौन्दर्य वहाँ पर किस तरह से फैल रहा है और कैसे ? स्पष्ट कीजिए। **[C.B.S.E. 2015 Term I]**

उत्तर— सम्पूर्ण ग्राम में हरियाली का सौन्दर्य मखमली कालीन की तरह फैला हुआ है जिस पर सूर्य की किरणें पड़कर उसका सौन्दर्य और भी बढ़ा रही हैं। **2**

प्रश्न 6. 'ग्राम श्री' कविता में कवि को वसुधा कैसी लग रही है और क्यों? **[C.B.S.E. 2012 Term I] 2**

उत्तर— कवि ने वसुधा को रोमांचित नायिका के समान बताया है। खुशी के कारण गेहूँ और जौ में बालियाँ आई हैं। अरहर और सनई की सुनहरी फलियाँ घुंघरुओं वाली करधनी के रूप में बजती हुई सज गई हैं। **2**

प्रश्न 7. 'ग्राम श्री' कविता में कवि ने गाँव को 'हरता जन मन' क्यों कहा है? **[C.B.S.E. 2012 Term I]**

उत्तर— गाँव की शोभा अनुपम है। खेतों से दूर-दूर तक मखमली हरियाली फैली हुई है। उस पर सूरज की धूप चमक रही है। इस शोभा के कारण पूरी वसुधा प्रसन्न दिखाई देती है। खेतों में सब्जियाँ, फल, फूल उगे हुए हैं, तितलियाँ मँडरा रही हैं तथा पक्षी आनन्द-विहार कर रहे हैं। ये सब दृश्य मनमोहक बन पड़े हैं। **2**

❑❑

कृतिका (भाग–1)

अध्याय

1 इस जल प्रलय में

—फणीश्वरनाथ 'रेणु'

पाठ का सारांश

लेखक बताता है कि उसका गाँव एक ऐसे इलाके में है जहाँ हर साल पश्चिम, पूरब और दक्षिण की कोसी, पनार, महानंदा और गंगा की बाढ़ से पीड़ित प्राणी आकर शरण लेते हैं। सावन-भादों में गाय, बैल, भैंस तथा बकरियों के समूह देखकर बाढ़ की विभीषिका का सन्देह हो जाता है।

लेखक बताता है कि पटना शहर में सन् 1967 में बाढ़ आई थी जिसका आँखों देखा वर्णन लेखक 'रेणु' ने किया है, जो एक भयानक घटना थी। लेखक ने अपने गाँव में बाढ़ की विभीषिका को देखा और सुना है लेकिन पटना में आई इस बाढ़ को उसने इस शहर का निवासी होने के नाते भोगा है। लेखक फणीश्वरनाथ रेणु पटना के गोलंबर मुहल्ले में रहते थे।

उस वर्ष पटना में एक बार अठारह घंटे लगातार बारिश हुई। पटना का पश्चिमी इलाका छाती तक पानी में डूब गया। राजेन्द्र नगर, कंकड़बाग तथा निचले इलाके सभी जलमग्न हो गए। लोग अपने-अपने घरों की छतों पर ईंधन, आलू, मोमबत्ती, दियासलाई, सिगरेट, पीने का पानी और काम्पोज की गोलियाँ जमाकर बैठ गए और बाढ़ की प्रतीक्षा करने लगे। यहाँ तक कि राजभवन और मुख्यमंत्री निवास भी बाढ़ की चपेट में आ चुके थे। दोपहर को सूचना बांग्ला भाषा में प्रसारित हुई। गोलघर डूब गेछे। अर्थात् गोलघर भी डूब गया है। बाढ़ का जायजा लेने के लिए तथा कॉफी का मजा लेने के लिए लेखक पाँच बजे कॉफी हाउस में अपने कवि मित्र के साथ गया तो रिक्शेवाले ने हँसकर कहा कि अब कहाँ जाइएगा? कॉफी हाउस में तो पानी आ चुका है और वह बन्द है। अपने-अपने साधनों से लोग बाढ़ की स्थिति देखने निकल पड़े थे और तरह-तरह की आशंकाएँ प्रकट कर रहे थे।

पटना के अप्सरा हॉल, पैलेस होटल तथा इंडियन एअर लाइंस के दफ्तर के सामने से जब लेखक जा रहा था तो उसे बाढ़ के विचित्र दृश्य का अनुभव हुआ। लेखक ने देखा कि गाँधी मैदान की रैलिंग के सहारे लोग इस तरह खड़े हैं; जैसे—रामलीला का 'रामरथ' वहाँ से गुजरने वाला हो। चारों ओर बाढ़ का पानी गेरुए रंग-का दिखाई पड़ रहा था। हरियाली का नामोनिशान मिट चुका था। रेडियो और जनसम्पर्क विभाग की गाड़ियाँ लोगों को चीख-चीखकर सावधान कर रही थीं।

स्त्री-पुरुषों, बच्चों, बूढ़े-जवानों की भीड़ मोटर, स्कूटर, ट्रैक्टर, मोटरसाइकिल, ट्रक, टमटम, साइकिल, रिक्शा और पैदल बाढ़ का पानी देखने जा रही थी और कुछ भीड़ पानी देखकर लौट रही थी। देखने वालों की आँखों, जुबान पर एक ही जिज्ञासा थी—"पानी कहाँ तक आ गया है?" श्री कृष्णापुरी, पाटलिपुत्र कॉलोनी, बोरिंग रोड, इंडस्ट्रियल एरिया का कहीं पता नहीं। सभी की एक ही आवाज़ थी—आ रहा है। आ गया। डूब गया। बह गया। सड़क के एक किनारे एक मोटी डोरी की शक्ल में गेरुआ-झाग-फेन में उलझा पानी तेजी से सरकता आ रहा था। मैंने कहा—आगे मत जाओ। वो देखिए—आ रहा है—मृत्यु का तरल दूत।

आंतक के मारे मेरे दोनों हाथ बरबस जुड़ गए। शाम के साढ़े सात बजे आकाशवाणी पर समाचार प्रसारित हो रहा था। हम सभी पान की दुकान के सामने खड़े चुपचाप सुन रहे थे। कलेजा धड़क उठा। दुकानदारों में हड़बड़ी मच गई और ऊँचे स्थानों पर सामान रखने लगे। खरीद-बिक्री सब बंद हो चुकी थी। लेकिन पान वालों की बिक्री अचानक बढ़ गई, क्योंकि मन को तसल्ली देने के लिए वहाँ पान ही एकमात्र साधन था।

राजेन्द्र नगर चौराहे से कई पत्र-पत्रिकाएँ खरीदकर लेखक घर वापस लौट आया। मित्र से विदा लेते हुए कहा—"पता नहीं कल हम कितने पानी में रहें।" रात में भी लाउडस्पीकर लगी गाड़ियाँ सावधान कर रही थीं। समाचार दिल दहलाने वाला था। कलेजा धड़क उठा कि कहीं पटना डूब ही न जाए। गाड़ी ने फिर चेतावनी दी कि बाढ़ का पानी रात बारह बजे तक लोहानीपुर, कंकड़बाग, राजेन्द्र नगर को डुबाने वाला है। मैंने घर वाली से पूछा कि गैस का क्या हाल है। जवाब मिला—फिलहाल बहुत है।

सारा शहर जाग रहा था। लेखक सोने की कोशिश कर रहा था लेकिन नींद नहीं, उसने लिखने के लिए निश्चय किया शीर्षक-बाढ़ आकुल प्रतीक्षा। बार-बार पुरानी घटनाएँ याद आतीं। 1949 में महानंदा की बाढ़ में घिरे वापसी थाना के एक गाँव की याद। कई बीमारों को नाव पर चढ़ाकर कैंप में ले जाना था। एक बीमार नौजवान के साथ उसका कुत्ता भी कुँई-कुँई करता नाव पर चढ़ आया। डाक्टर साहब कुत्ते से भयभीत हो गए। चिल्लाए—कुक्कुर नहीं, कुक्कुर नहीं इसे भगाओ। बीमार नौजवान छप से पानी में उतर गया, बोला—"हमारा कुक्कुर नहीं जाएगा तो

हम भी नहीं जाएगा।" फिर कुत्ता भी छपाक से पानी में गिरा—"हमारा आदमी नहीं जाएगा तो हम हूँ नहीं जाएगा।" इस प्रकार की अनेक घटनाएँ बार-बार याद आतीं।

ढाई बज गए लेकिन अभी तक बाढ़ का पानी नहीं आया, लेखक ने सोने की कोशिश की लेकिन नींद का नामोनिशान नहीं। वह फिर स्मृतियों में खो जाता है—ओह! इस बाढ़ ने तो उसकी नींद विदा कर दी। सुबह के साढ़े पाँच बज रहे थे। बाढ़ का पानी चढ़ आया था। चारों ओर शोर हो रहा था, पानी सब जगह अपना घर बना चुका था। अब लेखक सोचता है कि यदि उसके पास मूवी कैमरा या टेपरिकार्डर होता तो वह इस दृश्य को कैद कर लेता लेकिन उसके पास न तो कैमरा है न ही टेपरिकार्डर, वह सोचता है इस तरह पानी का आना कभी नहीं देखा। देखते-देखते गोलपार्क डूब गया। हरियाली का पता नहीं, चारों ओर पानी ही पानी। लेखक की कलम भी बहती चली गई है। लेखक सोचता है अच्छा है मेरे पास कुछ भी नहीं।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
पनाह	शरण	विभीषिका	भयंकरता	अविराम	लगातार
वृष्टि	वर्षा	अस्फुट	स्पष्ट	गोष्ठी	सभा
आकुल	व्याकुल	उजले	सफ़ेद	रव	शोर
नैया	नाव				

अभ्यास प्रश्न *(प्रत्येक 4 अंक)*

प्रश्न 1. प्राकृतिक आपदा से आप क्या समझते हैं ? किन्हीं दो आपदाओं के नाम लिखकर उनसे बचने के उपाय लिखिए।

[C.B.S.E. 2013]

उत्तर— प्रकृति की तरफ से अचानक आई मुसीबत को प्राकृतिक आपदा कहते हैं। जैसे—बाढ़ और भूकम्प। प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए निम्नलिखित उपाए किए जा सकते हैं—

बाढ़ से निपटने के उपाय—(i) जल संरक्षण बाँध निर्माण कर हम वृष्टि जल का सदुपयोग कर सकते हैं तथा अनावृष्टि की स्थिति में भी इस संरक्षित जल का उपयोग किया जा सकता है।

(ii) बाढ़ जैसी आपदा से निपटने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर जल नीतियाँ बनानी चाहिए।

(iii) बाढ़ से पीड़ित लोगों के लिए आवश्यक सहायता उपलब्ध करवानी चाहिए।

(iv) समय-समय पर शहर के बड़े-बड़े नाले-नालियों की सफाई की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए जिससे जल भराव की समस्या उत्पन्न न हो।

(v) बाढ़ की संभावना होने पर नदियों के किनारे बसे लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थान पर पहुँचा देना चाहिए।

भूकम्प से निपटने के उपाय—(i) भूकम्प की संभावना होने पर खुले या सुरक्षित स्थानों पर चले जाना चाहिए।

(ii) भूकम्परोधी इमारतों का निर्माण किया जाना चाहिए।

(iii) सरकार की ओर से पीड़ित लोगों के लिए हर संभव सहायता प्रदान करनी चाहिए।

(iv) वनों की कटाई पर सख्ती से रोक लगाई जानी चाहिए। **4**

प्रश्न 2. बाढ़ के आ जाने पर ''इस जल प्रलय में'' पाठ के लेखक ने यह क्यों कहा कि ''अच्छा है कुछ भी नहीं''? अगर लेखक के पास टेप रिकॉर्डर और मूवी कैमरा होता तो क्या अंतर आता? अपनी प्रतिक्रिया तथा प्रेरणा सरल व स्पष्ट शब्दों में व्यक्त कीजिए।

[C.B.S.E. 2014 Term I]

उत्तर— बाढ़ आ जाने पर लेखक रेणु जी उस दु:ख एवं कष्ट को अपने अंतरतम में भोगना चाहते हैं इसलिए उन्होंने कहा कि 'अच्छा है कुछ भी नहीं'। यदि लेखक के पास टेप रिकॉर्डर और मूवी कैमरा होता तो उस कष्ट की अनुभूति इतनी तीव्र नहीं होती। वे साधन सम्पन्नता की स्थिति में बाढ़ के दृश्य एवं साक्ष्य लोगों को दिखा सकते थे।

बाढ़ का दृश्य बहुत भयानक होता है। बाढ़ से घिरे लोगों की तकलीफ़ को दूर करना एवं उन्हें सहायता पहुँचाना हर देशवासी का कर्त्तव्य है। बाढ़ में फ़ँसे लोगों के कष्ट की अनुभूति उसी व्यक्ति को हो सकती है जो स्वयं उस स्थिति से कभी गुजरा हो अत: हमें बाढ़-पीड़ितों एवं प्राकृतिक आपदाग्रस्त लोगों की भरपूर मदद तन-मन-धन से करनी चाहिए। **4**

प्रश्न 3. आपने भी देखा होगा कि मीडिया द्वारा प्रस्तुत की गई घटनाएँ कई बार समस्याएँ बन जाती हैं, ऐसी किसी घटना का उल्लेख कीजिए। अपने विचार से समाज में मीडिया के योगदान के बारे में बताइए तथा मीडिया के प्रति अपना विचार प्रकट कीजिए।
[C.B.S.E. 2013 Term I]

उत्तर— आगरा नगर में मीडिया द्वारा प्रस्तुत 'दयालबाग की अमर विहार कॉलोनी में बिजली चोरों की सूचना पर छापा' की घटना से कुछ मनचले युवकों को कुछ और ही शरारत सूझी। कॉलोनी के अराजक तत्वों ने अपनी मनमानी करने के लिए मिथ्या मंच तैयार किया और चेकिंग को गई टोरंट टीम (बिजली अधिकारी) की योजनाबद्ध रूप से घेरकर पिटाई कर दी। अधिकारियों के दस्तावेज फाड़ दिए गए तथा गाड़ी को भारी क्षति पहुँचाई। चेतावनी दी कि हमारी कॉलोनी में आपका कोई भी व्यक्ति पुन: नहीं आए और हमारा नाम भी कहीं नहीं दिया जाए। इस प्रकार जनता को जागरूक करने वाली घटना की प्रस्तुति ही दूसरी नकारात्मक घटना को अन्जाम दे गई।

वस्तुत: मीडिया समाज का दर्पण बनकर जनता को सुधारात्मक राह दिखाती है। समय पर बिजली का भुगतान हो, विद्युत चोरी की रोकथाम हो तथा सूचनाओं पर कार्यवाही कर अधिकारी अपना कर्तव्य ठीक से निभाएँ। ऐसी स्थिति ही मीडिया का लक्ष्य है परन्तु गुण्डा तत्व इन सूचनाओं को तोड़ मरोड़ कर गलत घटनाओं को प्रेरणा बना लेते हैं। वस्तुत: मीडिया को स्वतन्त्रता के साथ प्रशासन का संरक्षण भी मिलना आवश्यक है। यह मीडिया का ही कमाल है कि ऐसी घटनाओं का साक्ष्य प्रस्तुत कर देती है, इसका यह सहयोग समाज में नई विचारधारा व जागरूकता का सशक्त सूत्रधार है। **4**

प्रश्न 4. बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए दी जाने वाली राहत सहायता में क्या-क्या सामग्री एवं किस तरह के लोगों को शामिल किया जाना चाहिए? एक स्वयं सेवक के रूप में आपकी क्या भूमिका होगी? बताइए। [C.B.S.E. 2014 Term I]

उत्तर— बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए दी जाने वाली राहत सामग्री में भोजन के पैकेट, माचिस, दवाइयाँ, नमक, पीने का पानी (बोतल बंद), कपड़े, कम्बल, टैंट आदि होने चाहिए तथा इसमें स्वस्थ नवयुवकों को स्वयं सेवक के रूप में शामिल करना चाहिए। यदि वे तैरना जानते हों तो और भी अच्छा है।

एक स्वयंसेवक के रूप में हम बाढ़ पीड़ितों को बचाकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाएँगे, उन्हें राहत सामग्री प्रदान करेंगे, धीरज बँधाएँगे तथा बीमारों को अस्पतालों में भी पहुँचाएँगे। **4**

प्रश्न 5. 'हम जल प्रलय में' पाठ में बाढ़ में आए पानी की तीव्रता का वर्णन कीजिए तथा बताइए ऐसे प्रसंगों से आपको क्या-क्या करने की प्रेरणा मिलती है। [C.B.S.E. 2016 Term I]

उत्तर— पटना में 1967 में जो बाढ़ आई थी उसका वर्णन 'रेणु' जी ने इस पाठ में किया है। पटना का पश्चिमी इलाका छाती तक पानी में डूब गया। यहाँ तक कि राजभवन और मुख्यमंत्री निवास भी बाढ़ की चपेट में आ चुके थे। अपने-अपने साधनों से लोग बाढ़ की स्थिति देखने को निकल पड़े। देखने वालों की आँखों में और जुबान पर एक ही जिज्ञासा थी। पानी कहाँ तक आ गया। सभी की आवाज थी—आ रहा है, सड़क के एक किनारे एक मोटी डोरी की शक्ल में गेरुआ झाग फेन में उलझा पानी तेजी से सरकता आ रहा था। लोग मना करते हुए बह रहे थे—आगे मत जाओ, जैसे वह आ रहा है, मृत्यु का तरल रूप।

बाढ़ में पानी का बहाव तेज होता है और देखते ही देखते तमाम रिहाइशी इलाके जलमग्न हो जाते हैं। लोग जरूरत की चीजों के लिए मारे-मारे फिरते हैं। **4**

प्रश्न 6. 'ईह जब दानापुर डूब रहा था तो पटनियाँ बाबू लोग उलटकर देखने भी नहीं गए, अब बूझो।' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए तथा बताइए इस टिप्पणी में मानवीय स्वभाव के किस पक्ष पर चोट की गई है ? [C.B.S.E. 2015 Term I]

उत्तर— "जब दानापुर में बाढ़ आई थी तो पटना के रईसों को इसकी परवाह तक नहीं थी। अब देखो कैसे परेशान हो रहे हैं।" ये शब्द एक अधेड़ उम्र के मुस्टंड ने उलाहने के रूप में कहे। बाढ़ का दृश्य बहुत भयानक होता है। बाढ़ में घिरे लोगों की तकलीफ को दूर करना एवं उनके लिए सहायता सामग्री पहुँचाना प्रत्येक देशवासी का कर्त्तव्य है। बाढ़ में फँसे लोगों के कष्ट की अनुभूति उसी व्यक्ति को हो सकती है जो स्वयं उस स्थिति से गुजरा हो। इस टिप्पणी में मानव स्वभाव की स्वार्थी प्रवृत्ति पर चोट की गई है। जब कोई मुसीबत अपने पर आती है तभी उसके कष्ट की अनुभूति व्यक्ति में होती है। **4**

प्रश्न 7. इस जल प्रलय में पाठ में वर्णित बाढ़ विषयक घटनाओं को पढ़कर आप कैसा अनुभव करते हैं ? किसी एक प्रसंग का संक्षिप्त उल्लेख करके लोगों की व्यथा पर प्रकाश डालिए तथा उनके प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त कीजिए।
[C.B.S.E. 2015Term I]

उत्तर— इस जल प्रलय में वर्णित बाढ़ विषयक घटनाओं को पढ़कर हमें दु:ख अनुभव होता है। आम नागरिक के नाते हमारा कर्तव्य बनता है कि हम बाढ़ पीढ़ितों के बचाव एवं राहत कार्य में सहायता करें। जब पटना में बाढ़ का पानी घुसा तो लोग अपने घरों का सामान ऊँचे स्थानों पर रखने लगे। लेखक को सबसे ज्यादा चिन्ता गैस की थी। यदि गैस खत्म हो गयी तो उसक प्रबन्ध मुश्किल होगा। गनीमत थी कि लेखक के घर में गैस की व्यवस्था पर्याप्त दिनों के लिए थी। लोग अपने-अपने घरों की छत पर ईंधन, आलू, मोमबत्ती, दियासलाई, पीने का पानी आदि लेकर चढ़ गए। आवश्यक दवाईयाँ भी साथ रख लीं। लेखक ने कई बार सोने की कोशिश की परन्तु पानी बढ़ने के साथ ही चारों ओर होने वाले शोर ने उसे सोने न दिया। पानी घुसने से अनेक बीमारियाँ फैलने का भय था।

पटना के अप्सरा हॉल, पैलेस होटल तथा इंडियन एयर लाइंस के दफ्तर में पानी घुस गया था। हरियाली का नामोनिशान मिट चुका था तथा रेडियो और जनसम्पर्क विश्रण की गाड़ियाँ बार-बार चेतावनी दे रही थीं कि लोग सुरक्षित ठिकानों पर चले जाएँ। **4**

प्रश्न 8. भूखे-प्यासे बाढ़ग्रस्त लोगों द्वारा 'बलवाही' लोकनृत्य प्रस्तुत करना क्या सिद्ध करता है ? उनकी वह स्थिति तथा विचारधारा आपको क्या सोचने को विवश करती है ? [C.B.S.E. 2016Term I]

उत्तर— पुरुष का नारी बनकर हाव-भाव दिखाना, घरनी का मायके जाना, पुरुष द्वारा उसे लौटाना, ढोलक बनना तथा मन को लुभाने वाले कार्यक्रम की प्रस्तुति उन बाढ़ग्रस्त लोगों के हौंसले, जीवंतता और खतरों में भी मनोरंजन कर सकने की प्रवृत्ति का द्योतक है। **4**

प्रश्न 9. आदमी और कुत्ता दोनों को नाव में साथ न बिठाए जाने पर उन दोनों की क्या प्रतिक्रिया हुई। 'इस जल प्रलय में' पाठ के आधार पर लिखिए तथा बताइए कि आपको इस घटना से क्या प्रेरणा मिलती है? [C.B.S.E. 2014 Term I]

उत्तर— 1949 में महानंदा नदी में आई बाढ़ में तमाम गाँव पानी में घिर गए थे। लेखक एक नाव से बाढ़ ग्रस्त लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने निकला। कई बीमारों को नाव पर चढ़ाकर कैंप में ले जाना था। एक बीमार नौजवान के साथ उसका कुत्ता भी कूँ-कूँ करता नाव पर चढ़ आया। डाक्टर साहब ने कुत्ते से भयभीत होकर चिल्लाते हुए कहा-कुक्कर नहीं, इसे भगाओ। बीमार नौजवान छप से पानी में उतर गया, बोला-हमार कुक्कर नहीं जाएगा तो हम भी नहीं जाएगा। फिर कुत्ता छपाक से पानी में कूद गया। मानो कह रहा हो-हमारा आदमी नहीं जाएगा तो हमहू नहीं जाएगा। इस घटना से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि मानव और पशु एक-दूसरे के प्रति कितने संवेदनशील होते हैं। **4**

प्रश्न 10. मनुष्य व पशु के भावनात्मक सम्बन्ध पर प्रकाश डालिए। [C.B.S.E. 2012 Term I]

उत्तर— प्रस्तुत निबन्ध 'इस जल प्रलय में' लेखक ने एक साधारण घटना द्वारा बड़ी खूबसूरती से पशु व मानव के भावनात्मक प्रेम सम्बन्ध को दर्शाया है कि एक जानवर भी प्रेम की भाषा भली-भाँति जानता है। अपने मालिक के नाव से उतरते ही कुत्ता भी पानी में कूद जाता है और अपनी मूकभाषा द्वारा जाने से मना कर देता है। प्राणी प्रेम का यह अद्‌भुत उदाहरण है। वह प्रत्येक स्थिति में अपने मालिक के साथ रहना चाहता है। मूक प्राणी भी भावाभिव्यक्ति में किसी से कम नहीं होते हैं। कुत्ते और आदमी के पारस्परिक प्रेम-भाव को लेखक ने तब अनुभव किया जब वह बाढ़ पीड़ितों को नाव से बचाने हेतु गया था। **4**

प्रश्न 11. प्राकृतिक आपदा आने पर आम नागरिक को क्या भूमिका निभानी चाहिए ? [C.B.S.E. 2012 Term I]

उत्तर— आम नागरिक व मानवता के नाते हमारा कर्तव्य बनता है कि हम प्राकृतिक आपदा में फँसे हुए लोगों की हर संभव सहायता करें। हम दवाइयाँ, सूखी खाद्य सामग्री, कपड़े आदि पहुँचाकर भी आपदाग्रस्त लोगों की सहायता कर सकते हैं। चिकित्सा शिविर लगवाकर हम बाढ़ व भूकम्प से पीड़ित लोगों के लिए अस्थाई निवास भी बनवा सकते हैं। हम भावनात्मक रूप से उनका दु:ख बाँटकर उनका मनोबल बढ़ा सकते हैं। हमें अपने साथियों, पड़ोसियों की टोली बनाकर अपने इलाके के घर-घर जाकर धन, वस्त्रादि जमा कर राहत अधिकारियों तक पहुँचाना चाहिए ताकि वे उचित प्रबन्ध कर सही व्यक्तियों तक राहत सामग्री पहुँचा सकें। अपने कार्यालय में भी एक दिन का वेतन आपदा पीड़ितों के लिए समर्पित करने की सहर्ष स्वीकृति देनी चाहिए। मानव ही मानव के काम आए ऐसी भावना प्रसारित होनी चाहिए जो सबके सहयोग से ही संभव है। **4**

प्रश्न 12. बाढ़ की खबर सुनते ही शरीर में सिहरन दौड़ जाती है और उसके साथ ही अनेक चिन्ताएँ शुरू हो जाती हैं। पाठ के आधार पर बताएँ कि लेखक को किन-किन चिन्ताओं ने घेर लिया? [C.B.S.E. Term 2012 term I]

उत्तर— बाढ़ की खबर सुनते ही चिन्ता के साथ हड़बड़ी मच गई। लोग अपने-अपने घरों का सामान ऊँचे स्थान पर रखने लगे। खरीद-बिक्री सब बंद हो चुकी थी। लेखक को सबसे ज्यादा चिंता गैस के खत्म होने की थी। लेखक ने घर वालों से पूछा कि गैस का क्या हाल है। जवाब मिला—फिलहाल बहुत है तब उसे तसल्ली हुई। लोग अपने-अपने घरों की छतों पर ईंधन, आलू, मोमबत्ती, दियासलाई, सिगरेट, पीने का पानी और कम्पोज की गोलियाँ जमाकर बैठ गए। लेखक ने कई बार सोने की कोशिश की पर आँखों में नींद का नामोनिशान नहीं था। पानी चढ़ते ही चारों ओर शोर ही शोर हो रहा था। पानी सब जगह अपना घर कर चुका था। लेखक को घर में पानी घुसने से बीमारियों व गन्दगी फैलने की चिन्ता हुई। मच्छरों से बचने की चिन्ता अलग से हुई। साथ ही जानवरों से फैलने वाली गन्दगी से बचने की चिन्ता अलग थी। लेखक यह सोचकर परेशान हो गया कि इस दौरान बाकी शहर भी बुरी तरह प्रभावित होगा। राहत दलों का कार्य भी सन्तोष जनक होगा या नहीं। समय पर सारे समाचार भी मिलने मुश्किल होगे क्योंकि स्टूडियों में भी पानी भर जाने की सूचना थी। सारी स्थिति सामान्य होने में भी बहुत समय लगना भी भारी चिन्ता का कारण था। **4**

❑❑

अध्याय 5

किस तरह आखिरकार मैं हिन्दी में आया

—शमशेर बहादुर सिंह

पाठ का सारांश

किसी ने लेखक को कोई ऐसा वाक्य कह दिया कि लेखक उसी समय दिल्ली को जाने वाली पहली बस में चढ़ गए। दिल्ली में उन्होंने पेंटिंग का काम करने की सोची और उकील आर्ट स्कूल में उनकी पेंटिंग के प्रति रुचि देखकर उन्हें दाखिला मिल गया। लेखक ने करोल बाग में सड़क के किनारे कमरा ले लिया और प्रतिदिन सुबह कनाट प्लेस क्लास में पहुँचने लगे। रास्ते में कभी-कभी चलते-चलते वे ड्राइंग बनाते, कभी कविताएँ लिखते। प्रत्येक चीज को व हर चेहरे को गौर से देखते व उनमें अपनी ड्राइंग व कविता के तत्व खोजते।

लेखक के भाई तेज बहादुर कभी-कभी कुछ रुपये भेज देते थे या साइनबोर्ड पेंट करके खर्चा चल ही जाता था।

लेखक का हृदय अकेलेपन के कारण उद्विग्न रहता था। उनकी पत्नी का टी. बी. के कारण देहांत हो चुका था। वे दिल्ली की सड़कों पर एकदम अकेले थे।

एक बार बच्चन स्टूडियो में आए और लेखक क्लास में थे। वे एक छोटा-सा, अच्छा-सा नोट छोड़ गए। इस नोट में बहुत गहराई छिपी थी जिससे लेखक ने बहुत कृतज्ञ महसूस किया। पत्र का जवाब देने में लेखक आलसी था। परन्तु उन्होंने कृतज्ञता व्यक्त करते हुए एक कविता (अंग्रेजी में सॉनेट) लिखकर बच्चन जी को दी।

कुछ दिन बाद लेखक दिल्ली से आकर अपनी ससुराल देहरादून में एक कैमिस्ट की दुकान पर कम्पाउन्डरी सीखने लगे और कुछ ही महीने में सीख गये परन्तु लेखक का मन नहीं लगता था और अकेले-अकेले से रहने लगे। जब बच्चन जी देहरादून आए और अपने मित्र बृजमोहन गुप्त के यहाँ रुके तब एक दिन आकर लेखक की डिस्पैन्सरी देखी और एक दिन रुककर लेखक को अनेक सलाहें दीं। उस समय बच्चन का यश फैल रहा था। उसी समय उनकी लिखी पुस्तक 'प्रबल झंझावात साथी' निकली थी। एक दिन बड़ी जोर से आँधी तूफान व बारिस में बच्चन एक गिरते पेड़ से बाल-बाल बच गये उनकी पत्नी की मृत्यु हो गई जो उन्हें बहुत प्रिय थीं। बच्चन वचन एवं बात के धनी थे परन्तु उनका दिल मक्खन की तरह मुलायम था। परन्तु जिस बात की प्रतिज्ञा कर लेते थे उस पर अटल रहते थे।

लेखक को बच्चन का प्रेम ही इलाहाबाद खींच लाया क्योंकि लेखक का अकेलापन उन्हें अच्छा नहीं लगा और इलाहाबाद लाकर एम. ए. करने की सलाह दी। इलाहाबाद आने पर लेखक ने बच्चन के पिता को ही अपना लोकल गार्जियन बना लिया और उर्दू फारसी की सूफी नज्मों का एक संग्रह लेखक को दिया। लेखक के एम. ए. करने का खर्च बच्चन ने उठाया और काबिल होने पर वापिस करने की बात कही। बच्चन तो चाहते थे कि कहीं नौकरी लग जाय परन्तु लेखक नौकरी के पक्ष में नहीं थे और पंत जी की कृपा से इंडियन प्रेम में अनुवाद का काम करने लगे।

लेखक ने निराला और पंत जी के आग्रह पर हिन्दी कविता लिखना शुरू किया और अनेक मित्रों के प्रोत्साहन से हिन्दी की ओर झुकाव हो गया।

लेखक ने पहली बार 14 पंक्तियों की कविता लिखी फिर बच्चन की तरह लिखने का प्रयास किया। उनका प्रयास निरर्थक नहीं गया 'सरस्वती' में उनकी कविता छपी। इसके बाद कुछ निबन्ध भी लिखे। बच्चन जी के सहयोग से हिन्दी साहित्य में उतरकर सहज, सामान्य, स्वाभाविक रूप में लेखन कार्य किया।

उन्होंने बच्चन जी की सराहना करते हुए लिखा है कि "बच्चन जैसे लोग भी दुनिया में होते हैं। असाधारण कहकर मैं उनकी मर्यादा कम नहीं करना चाहता। मगर यह साधारण और सहज प्राय: दुष्प्राप्य भी है। बात अजब है, मगर सच है।"

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
जुमला	वाक्य	तय	निश्चित	टीस	वेदना
मौन	चुप्पी	उफ़	ओट	प्रबल	मजबूत
बरखा	वर्षा				

अभ्यास प्रश्नोत्तर *(प्रत्येक 4 अंक)*

प्रश्न 1. हिन्दू बोर्डिंग हाउस के कॉमन रूम में दाखिले के बाद शमशेर जी को इंडियन प्रेस से अनुवाद का काम कैसे मिल गया था? **[C.B.S.E. 2013 Term I]**

अथवा

लेखक को बच्चन के अतिरिक्त अन्य किन-किन लोगों से किस-किस प्रकार का सहयोग मिला ? **[C.B.S.E. 2012 Term I]**

उत्तर— बच्चन के अतिरिक्त शमशेर सिंह को सुमित्रानंदन पंत व निराला जी का सहारा मिला। सरस्वती, हंस, अभ्युदय जैसी पत्रिकाओं में लिखने का अवसर मिला। रूपाभ में अनुवाद कार्य का मौका मिला। देहरादून में उनकी ससुराल ने सहायता की। कैमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट की दुकान पर कंपाउंडरी सीखी। भाई के मित्र ब्रज मोहन से भी सहयोग मिला। सुमित्रानंदन पंत की कृपा से अनुवादक का काम मिला। **4**

प्रश्न 2. "बच्चन जी ने बिस्तर काँधे पर रखा और स्टेशन की ओर रवाना हो गए।" इस पंक्ति से बच्चन जी के किस स्वभाव का पता चलता है? उनके इस कार्य से आपको क्या प्रेरणा मिलती है? लिखिए। **[C.B.S.E. 2013 Term I]**

उत्तर— तुरंत निर्णय लेने के आदी।

आत्मनिर्भर होने के।

समय का सदुपयोग करने वाले बनें।

अपने कार्य की पूर्णता के लिए समाज की परवाह न करना। **4**

प्रश्न 3. "किस तरह आखिरकार मैं हिंदी में आया" निबंध के लेखक का हिन्दी लेखन में कदम रखने का क्रमानुसार वर्णन कीजिए। **[C.B.S.E. 2012 Term I]**

उत्तर— बच्चन की प्रेरणा से ही लेखक ने हिन्दी में लेखन आरम्भ किया। आरम्भ में लेखक की कुछ रचनाएँ 'सरस्वती' और 'चाँद' पत्रिका में छप चुकी थीं। उन्होंने 'अभ्युदय' में कुछ सॉनेट भी भेजे। बच्चन ने उन्हें नई तरह से लेखन का प्रकार बताया। लेखक ने बच्चन की तरह भी लिखने का काफ़ी प्रयास किया। उनकी लिखी एक कविता जो सरस्वती में छपी थी उसे निराला जी ने पसन्द किया। उन्होंने कुछ निबन्ध भी लिखे तथा बाद में हंस कार्यालय की 'कहानी' में चले गए। **4**

प्रश्न 4. लेखक ने अपने जीवन में जिन कठिनाइयों को झेला उन्हें 'किस तरह आखिरकार मैं हिंदी में आया' पाठ के आधार पर लिखिए। **[C.B.S.E. 2011 Term I]**

उत्तर— लेखक ने अपने निजी जीवन में पत्नी के विछोह तथा अकेलेपन को झेला। अपने जीवन को सँवारने में भी उन्हें संकटों का सामना करना पड़ा। सात रुपए लेकर वे दिल्ली आए और आर्ट कॉलेज में भर्ती हुए। भाई द्वारा भेजे कुछ रुपए, कुछ साईन बोर्ड पेंट करके कमाकर उन्होंने अपना निर्वाह किया। किन्तु उनका लेखन जारी रहा। इसी बीच ससुराल की दवा की दुकान पर कम्पाउंडर का काम सीखा। बाद में बच्चन जी के सहारा देने तथा प्रेरणा देने पर उन्होंने एम. ए. किया तथा अनुवाद व लेखन का कार्य किया। इस प्रकार उनका जीवन भावात्मक तथा आर्थिक संकटों से जूझते हुए बीता। **4**

❐❐

लेखन

अध्याय

5 सूचना-लेखन

स्मरणीय बिंदु

कोई भी सूचना या तो मौखिक रूप से दी जाती है या फिर लिखित रूप से। रेडियो, टेलीविजन आदि के माध्यम से मौखिक सूचना दी जाती है। जबकि लिखित रूप से सूचना देने को सूचना-लेखन कहा जाता है। सूचना-लेखन के माध्यम से व्याकरणिक रूप से शुद्ध हिंदी लेखन की कला विकसित होती है और अपने विचारों को संक्षिप्त रूप से स्पष्ट अभिव्यक्ति देने की क्षमता का भी आकलन होता है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि कम शब्दों में औपचारिक शैली में लिखी गई संक्षिप्त जानकारी को सूचना कहते हैं अर्थात् दिनांक और स्थान के साथ भविष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों आदि के बारे में दी गई लिखित जानकारी सूचना कहलाती है। किसी सूचना विशेष को सार्वजनिक करना सूचना लेखन कहलाता है। इसके अन्तर्गत किसी सभा, बैठक, गोष्ठी, कार्यशाला, नामादि परिवर्तन अथवा अन्य विनिमय का विवरण आता है।

सूचना के प्रकार

सूचना दो प्रकार की होती है—

(1) सुखद, (2) दुखद।

(1) सुखद—समारोह, उत्सव, प्रतियोगिता आदि।

(2) दु:खद—शोकसभा, श्रद्धांजलि आदि।

सूचना लेखन के उद्देश्य

- सूचना लेखन के द्वारा सार्वजनिक रूप से सभी लोगों को एक साथ ही कोई सूचना या जानकारी देना।
- किसी महत्वपूर्ण घटना की पूर्व जानकारी देना।
- स्पष्ट शीर्षक, मुख्य तथ्य/विषयवस्तु, उपयोगी सम्पर्क सूत्र के साथ स्पष्ट संप्रेषण क्षमता का होना।

सूचना-लेखन में ध्यान देने योग्य कुछ बातें

- सूचना लेखन तीन-चार वाक्यों से अधिक नहीं होना चाहिए।
- सूचना की लिखावट पठनीय होनी चाहिए।
- सूचना तथ्यों से युक्त एवं स्पष्ट होनी चाहिए।
- भ्रमित करने वाले वाक्यों से बचना चाहिए।
- सूचना देने वाले का नाम या स्थान विशेष की जानकारी स्पष्ट होनी चाहिए।
- सूचना की भाषा सरल, स्पष्ट, प्रभावी व औपचारिक होनी चाहिए।

सूचना-लेखन की विशेषताएँ

(1) इसे अन्य पुरुष में लिखा जाता है।

(2) इसकी भाषा की अपनी अलग विशेषता होती है।

(3) सूचना अपने में पूर्ण होती है।

(4) इसमें गागर में सागर भरने का प्रयास किया जाता है।

सूचना–लेखन संबंधी प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक)

AI प्रश्न 1. विद्यालय के वार्षिकोत्सव समारोह के आयोजन के लिए आपको संयोजक बनाया गया है। विद्यालय की ओर से सभी विद्यार्थियों के लिए लगभग 30-40 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए। (सी.बी.एस.ई. SQP 2020-21) 5

उत्तर—

- औपचारिकताएँ **1**
- विषयवस्तु **3**
- भाषा **1** **[सी. बी. एस. ई. SQP अंक योजना, 2020-21] 5**

व्याख्यात्मक हल—

सूचना

दिनांक .....

समस्त छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि विद्यालय ऑडिटोरियम में दिनांक – 18/11/20XX को सायं 4 बजे से वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन किया जायेगा। सभी विद्यार्थी विद्यालयी गणवेश में अपने अभिभावकों के साथ आएँ। दीप प्रज्वलन लघुनाटिका, नृत्य, गीत-संगीत, पुरस्कार वितरण आदि कार्यक्रमों का आयोजन शामिल है।

अमित शर्मा

(संयोजक)

प्रश्न 2. विद्यालय में छुट्टी के उपरांत फुटबॉल खेलना सीखने की विशेष कक्षाएँ आयोजित की जाएँगी। इच्छुक विद्यार्थियों द्वारा अपना नाम देने हेतु सूचना-पट्ट के लिए लगभग 30-40 शब्दों में एक सूचना लिखिए। (सी.बी.एस.ई. SQP 2020-21) 5

उत्तर—

क.ख.ग. विद्यालय, राजनगर, दिल्ली
फुटबॉल खेलना सीखने के संदर्भ में

दिनांक– .....

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय की छुट्टी के उपरांत विद्यालय के मैदान में फुटबॉल सीखने की विशेष कक्षाएँ आयोजित की जाएँगी। इच्छुक विद्यार्थी कल तक अपना नामांकन खेल सचिव के पास लिखना दें।

राजेश भदौरिया

(खेल सचिव)

प्रश्न 3. आप अपनी कॉलोनी की कल्याण परिषद् के अध्यक्ष हैं। अपने क्षेत्र के पार्कों की साफ-सफ़ाई के प्रति जागरूकता लाने हेतु कॉलोनीवासियों के लिए 30-40 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए। (सी.बी.एस.ई. 2020, Delhi Set-I) 5

उत्तर—

क.ख.ग. नगर
क.ख.ग. कॉलोनी
कल्याण परिषद्

तिथि - 00.00.20

आवश्यक सूचना
पार्कों की साफ-सफाई के संदर्भ में

विदित हो कि दिनांक 00.00.20.....(शनिवार) को दोपहर 12 बजे से दोपहर 2 बजे तक कॉलोनी के पार्कों को स्वच्छ करने तथा स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक बनाने के लिए एक अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए क.ख.ग. कॉलोनी के सभी निवासियों से अनुरोध है कि वे इस स्वच्छता अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएँ। इस अभियान में हमारे साथ नगर के अन्य सरकारी सफाई कर्मचारी और सामाजिक कार्यकर्ता भी शामिल होंगे।

निवेदक,
अध्यक्ष
कल्याण परिषद

AI प्रश्न 4. विद्यालय के सचिव की ओर से 'समय-प्रबंधन' विषय पर आयोजित होने वाली कार्यशाला के लिए 30-40 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए। (सी.बी.एस.ई. 2020, Delhi Set-I) 5

उत्तर—

क.ख.ग. विद्यालय, क.ख.ग. नगर, उ. प्र.
आवश्यक सूचना
समय प्रबंधन के विषय पर कार्यशाला

तिथि - 00.00.20

विदित हो कि दिनांक 00.00.20.....(बुधवार) को सुबह 11 बजे विद्यालय के सभागृह में 'समय-प्रबंधन' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला में मुख्य वक्ता प्रधानाचार्या जी रहेंगी। इसमें 9वीं से लेकर 12वीं कक्षा के छात्र ही भाग ले सकेंगे। अत: अपना नामांकन अधोहस्ताक्षरी के पास उक्त तिथि से दो दिन पूर्व तक अवश्य करा दें।

निवेदक
सचिव
क.ख.ग. विद्यालय।

AI प्रश्न 5. अपनी बस्ती को स्वच्छ रखने हेतु कल्याण समिति के सचिव होने के नाते इससे संबंधित सूचना 30-40 शब्दों में लिखिए। (सी.बी.एस.ई. 2020, Outside Delhi Set-I) 5

उत्तर—

क.ख.ग. नगर, दिल्ली
क.ख.ग. बस्ती
आवश्यक सूचना
बस्ती को स्वच्छ रखने हेतु

तिथि — 00.00.20

विदित हो कि दिनांक 00.00.20.... (शनिवार) को दोपहर 12 बजे से दोपहर 1 बजे तक बस्ती को स्वच्छ करने तथा स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक बनाने के लिए एक अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए क. ख. ग. बस्ती के सभी युवक निवासियों से अनुरोध है कि वे इस स्वच्छता अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएँ। इस अभियान में हमारे साथ नगर के अन्य सरकारी सफाई कर्मचारी और सामाजिक कार्यकर्ता भी शामिल होंगे।

निवेदक
सचिव
कल्याण समिति, क.ख.ग. बस्ती, क.ख.ग. नगर

प्रश्न 6. आप अपने विद्यालय की छात्र संस्था के सचिव हैं तथा विद्यालय में 'चित्रकला प्रतियोगिता' आयोजित करवाना चाहते हैं। इससे संबंधित सूचना 30-40 शब्दों में लिखिए। (सी.बी.एस.ई. 2020, Outside Delhi Set-I) 5

उत्तर—

क.ख.ग. विद्यालय
क.ख.ग. नगर, उ. प्र.
आवश्यक सूचना
'चित्रकला प्रतियोगिता' का आयोजन

तिथि —00.00.20

विदित हो कि दिनांक 00.00.20.... (बुधवार) को सुबह 11बजे विद्यालय के सभागृह में एक 'चित्रकला प्रतियोगिता' का आयोजन किया जाएगा। चित्रकला का मुख्य विषय पर्यावरण है। इसमें 9वीं से लेकर 11वीं कक्षा के छात्र ही भाग ले सकेंगे। अत: अपना नामांकन निम्नलिखित अधिकारी के पास उक्त तिथि से दो दिन पूर्व तक अवश्य करा दें।

निवेदक,
सचिव (छात्र संस्था)
क.ख.ग. विद्यालय, क.ख.ग नगर

प्रश्न 7. आप विद्यालय की छात्र कल्याण-परिषद् के सचिव हैं। विद्यालय में होने वाले वार्षिक-उत्सव में भाग लेने के इच्छुक छात्रों के नाम आमंत्रित करने के लिए 30-40 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए। (सी.बी.एस.ई. 2019) 5

उत्तर—

सूचना
अ०ब०स० विद्यालय
क०ख०ग० नगर

१६ मार्च, २०१९

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विद्यालय "वार्षिकोत्सव-२०१९" मनाएगा जिसकी जानकारी निम्नलिखित है-
तिथि - ३१ मार्च, २०१९
समय - प्रातः ८ बजे से सायं ६ बजे तक
स्थान - खेल मैदान, अ०ब०स० विद्यालय, क०ख०ग० नगर
इस कार्यक्रम में नृत्य, संगीत, कला आदि कलाओं में भाग लेने हेतु इच्छुक छात्र अपना नाम खेल मैदान में सचिव को लिखवाएँ।
ठ०ठ०ड
सचिव
छात्र कल्याण-परिषद्

(टॉपर उत्तर 2019)

प्रश्न 8. विद्यालय में आयोजित होने वाली वाद-विवाद प्रतियोगिता के लिए हिंदी विभाग के संयोजक की ओर से 30-40 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए। (सी.बी.एस.ई. 2019, Delhi Set-I, II, III) 5

उत्तर—

अ.ब.स. विद्यालय

क.ख.ग. नगर, उ.प्र.

सूचना

वाद-विवाद प्रतियोगिता के संदर्भ में

दिनांक—1 अगस्त, 20....

विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि शनिवार दिनांक 5 अगस्त 20.... को विद्यालय में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक छात्रों के नाम आमंत्रित हैं। छात्रों से अनुरोध है कि वे अपना नाम गुरुवार तक हिंदी-विभाग संयोजक को दे दें।

संयोजक

सुशील

हिंदी विभाग

प्रश्न 9. आप अपने विद्यालय में सांस्कृतिक सचिव हैं। विद्यालय में होने वाली 'कविता-प्रतियोगिता' में भाग लेने के लिए आमंत्रण हेतु 30-40 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए। (सी.बी.एस.ई. 2019, Delhi Set-I, II) 5

उत्तर—

अ.ब.स. विद्यालय
अ.ब.स. नगर, उ.प्र.
सूचना
कविता वाचन प्रतियोगिता के संदर्भ में

दिनांक .....

विद्यालय के समस्त छात्र व छात्राओं को सूचित किया जाता है कि विद्यालय में होने वाली 'कविता प्रतियोगिता' में जो विद्यार्थी भाग लेना चाहते हैं वे एक सप्ताह के अंदर दिनांक—30-03-20.... तक अपने कक्षाध्यापक के पास नामांकन करा दें।

आज्ञा से,
सांस्कृतिक सचिव
डी.ए.वी. स्कूल
आगरा

AI प्रश्न 10. एक सूचना तैयार कीजिए जिसमें सभी विद्यार्थियों से निर्धन बच्चों के लिए 'पुस्तक-कोष' में अपनी पुरानी पाठ्य-पुस्तकों का उदारतापूर्वक योगदान देने हेतु अनुरोध किया गया हो।
(सी.बी.एस.ई. 2019, Outside Delhi Set-I, II, III) 5

उत्तर—

अ.ब.स. विद्यालय
अ.ब.स. नगर, उ.प्र.
सूचना
विद्यालय में पुस्तक-कोष की स्थापना

दिनांक .....

समस्त छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि निर्धन बच्चों के लिए विद्यालय में 'पुस्तक कोष' की स्थापना की गई है ताकि शिक्षा प्राप्ति में उन्हें सहायता दी जा सके। अत: सभी विद्यार्थियों से अनुरोध है कि वे अपनी पुरानी पाठ्यपुस्तकें पुस्तक कोष में जमा कर इस नेक कार्य में भागीदार बनें। इच्छुक विद्यार्थी पुस्तकालयाध्यक्ष से संपर्क करें।

आज्ञा से
अ. ब. स. (पुस्तकालयाध्यक्ष)

प्रश्न 11. आपको विद्यालय में एक बटुआ मिला है, जिसमें कुछ रुपयों के साथ कुछ जरूरी कार्ड भी हैं। छात्रों से इसके मालिक की पूछताछ और वापस पाने की प्रक्रिया बताते हुए 30-40 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए।
(सी.बी.एस.ई. 2019 Outside Delhi Set-I, II, III) 5

उत्तर—

क.ख.ग. विद्यालय
क.ख.ग. नगर, उ.प्र.
सूचना
खोया-पाया के सन्दर्भ में

दिनांक .....

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय परिसर में एक बटुआ मिला है जिसमें रुपयों के साथ कुछ जरूरी कार्ड भी हैं। जिस किसी का हो अथवा जिसे इसके मालिक का पता हो, पहचान बताकर खोया-पाया विभाग में शर्मा सर से संपर्क करें।

आज्ञा से
प्रभारी
खोया-पाया विभाग

प्रश्न 12. आप हिंदी छात्र परिषद् के सचिव प्रगण्य हैं। आगामी सांस्कृतिक संध्या के बारे में अनुभागीय दीवार पट्टिका के लिए 30-40 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए। **(सी.बी.एस.ई. Delhi / Outside Delhi 2018) 5**

उत्तर—

हिन्दी छात्र परिषद्

क.ख.ग. नगर, उ.प्र.

आवश्यक सूचना

सांस्कृतिक संध्या के सन्दर्भ में

दिनांक .....

समस्त छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि विद्यालय में 'आगामी सांस्कृतिक संध्या' का आयोजन दिनांक 20.2.... को होने जा रहा है। इस कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी 10.2..... तक हिंदी छात्र परिषद के सचिव से सम्पर्क करें। नाम लिखवाने की अंतिम तिथि 10.2..... है।

आज्ञा से

प्रगण्य

(सचिव)

AI **प्रश्न 13. विद्यालय की सांस्कृतिक संस्था 'रंगमंच' की सचिव लतिका की ओर से 'स्वरपरीक्षा' के लिए इच्छुक विद्यार्थियों को यथासमय उपस्थित रहने की सूचना लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए। समय और स्थान का उल्लेख भी कीजिए।**

(सी.बी.एस.ई. Delhi / Outside Delhi 2018) 5

उत्तर—

क. ख. ग. विद्यालय, रोहिणी दिल्ली

दिनांक - 6 मार्च 2018 कक्षा VI - XII छात्रों हेतु

सूचना

'स्वरपरीक्षा' का समारोह

कक्षा VI से XII के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि हमारे विद्यालय में रंगमंच सांस्कृतिक संस्था की ओर से स्वरपरीक्षा समारोह 16 मार्च 2018 को विद्यालय के पशांगण में आयोजित किया जा रहा है। इच्छुक विद्यार्थी सुबह 8 बजे निर्धारित दिन को अपनी कक्षा अध्यापिकाओं को अपना नाम दें तथा 16 मार्च को सुबह 8 बजे विद्यालय के पशांगण में एकत्रित हो। विजेताओं के लिए विशेष पुरस्कार हैं। अधिक जानकारी के लिए निम्न से सम्पर्क करें।

लतिका

सचिव, रंगमंच सांस्कृतिक संस्था

(टॉपर उत्तर, 2018)

प्रश्न 14. मुहल्ला समिति के सचिव की ओर से कॉलोनी में आयोजित होने वाले 'दीवाली मेला' की सूचना लिखिए। (30-40 शब्दों में)

(सी.बी.एस.ई. 2018, Comptt. Set-I, II, III) 5

उत्तर—

क.ख.ग. कॉलोनी
क.ख.ग. नगर, उ.प्र.
आवश्यक सूचना
दीवाली मेला हेतु

दिनांक .....

दिनांक 10 नवंबर, 20.... को कॉलोनी परिसर में समिति के सचिव की ओर से 'दीवाली मेला' आयोजित किया जा रहा है। इसमें दुकान लगाने के लिए इच्छुक व्यक्ति सचिव के पास ₹ 250 सहयोग राशि देकर अपना नामांकन करा लें।

अ. ब. स.
(सचिव)

प्रश्न 15. आपके विद्यालय में होने वाली 'वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता' में भाग लेने हेतु छात्रों के लिए 30-40 शब्दों में सूचना लिखिए। **(सी.बी.एस.ई. 2018, Comptt. Set-I, II, III) 5**

उत्तर—

अ.ब.स. विद्यालय
अ.ब.स. नगर, उ.प्र.
आवश्यक सूचना
वार्षिक खेद-कूद प्रतियोगिता हेतु

दिनांक .....

दिनांक 24 अक्टूबर, 20.... को विद्यालय में 'वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए इच्छुक छात्र 17 अक्टूबर, 20.... तक अपने शारीरिक शिक्षा अध्यापक से संपर्क कर नामांकन करा लें।

अ. ब. स.
(प्रधानाचार्य)

प्रश्न 16. विद्यालय में छुट्टी के दिनों में भी प्रातःकाल में योग की अभ्यास कक्षाएँ चलने की सूचना देते हुए इच्छुक विद्यार्थियों द्वारा अपना नाम देने हेतु सूचना-पट्ट के लिए एक सूचना लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।

(सी.बी.एस.ई. Outside Delhi Set II, 2017) 5

उत्तर—

दिल्ली पब्लिक स्कूल
रायपुर

सूचना

दिनांक - 10 मार्च 2017

योग अभ्यास की कक्षाएँ हेतु।

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि 18 मार्च 2017 से लेकर 30 मार्च 2017 तक स्कूल की छुट्टी के दिनों में प्रातः काल योग की अभ्यास हेतु कक्षाएँ चलने जा रही हैं। यह कक्षाएँ सुबह 6:00 बजे से लेकर 9:00 बजे तक स्कूल के प्रांगण में होंगी। इच्छुक विद्यार्थी अपना नाम अपनी कक्षा के अध्यापकों को दे दें। नाम देने की अंतिम तिथि 15 मार्च 2017 है।

प्रधानाचार्य

(टॉपर उत्तर, 2017)

प्रश्न 17. विद्यालय में साहित्यिक क्लब के सचिव के रूप में 'प्राचीर' पत्रिका के लिए लेख, कविता, निबंध आदि विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत करने हेतु सूचना पट्ट के लिए एक सूचना लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।

(सी.बी.एस.ई. 2017, Term II, Delhi, Set-I) 5

उत्तर—

अ.ब.स. विद्यालय

अ.ब.स. नगर, उ.प्र.

सूचना

पत्रिका प्रकाशन हेतु

दिनांक .....

विद्यालय के समस्त छात्र व छात्राओं को सूचित किया जाता है कि विद्यालय आगामी माह में 'प्राचीर' पत्रिका छपवाने जा रहा है। जो भी विद्यार्थी इस पत्रिका में अपने स्वरचित लेख, कविता या निबंध आदि प्रस्तुत करना चाहते हैं वे एक सप्ताह के अंदर अपनी रचना दिनांक 30-2-xx तक कार्यालय में या अपने कक्षाध्यापक के पास अवश्य प्रस्तुत कर दें।

सचिव (क.ख.ग.) साहित्यक क्लब

अ. ब. स. विद्यालय, आगरा

AI प्रश्न 18. विद्यालय में आयोजित होने वाली वाद-विवाद प्रतियोगिता के लिए एक सूचना लगभग 30-40 शब्दों में साहित्यिक क्लब के सचिव की ओर से विद्यालय सूचना पट के लिए लिखिए। (सी.बी.एस.ई. 2016, Outside Delhi, Set-I) 5

उत्तर—

विकास भारती स्कूल

कमला नगर, आगरा

सूचना

वाद-विवाद प्रतियोगिता के संदर्भ में

सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि सोमवार दिनांक 15 नबम्बर, 20XX को विद्यालय में साहित्यिक क्लब के सचिव की ओर से वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। इच्छुक विद्यार्थी जो इस प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हैं, वे अपनी कक्षाध्यापिका के पास नामांकन करा दें।

अ.ब.स

हस्ताक्षर

सचिव

साहित्यिक क्लब

AI प्रश्न 19. विद्यालय में वृक्षारोपण समारोह के आयोजन के लिए आपको संयोजक बनाया गया है। पूरे विद्यालय की सहभागिता के लिए एक सूचना लगभग 30–40 शब्दों में तैयार कीजिए। (सी.बी.एस.ई. 2015 Delhi Set-II) 5

उत्तर—

अ.ब.स. विद्यालय

अ.ब.स. नगर, उ.प्र.

सूचना

वृक्षारोपण कार्यक्रम संबंधी सूचना

दिनांक 18/3/.....

भूमि संरक्षण एवं प्रकृति संरक्षण हेतु विद्यालय में वृक्षारोपण समारोह का आयोजन दिनांक 24/4/.... को किया जा रहा है। इसमें विद्यालय के सभी विद्यार्थियों, अध्यापक-गण व अन्य कर्मचारी, सभी की सहभागिता अनिवार्य है। यह कार्यक्रम प्रात: 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक चलेगा। इसकी विशिष्ट अतिथि श्रीमती आशा शर्मा (पुलिस अधीक्षक) हैं।

संयोजक

मोहन भार्गव

(सचिव)

❑❑

खण्ड 'क' अपठित बोध

अध्याय 1

अपठित गद्यांश

पाठ्यक्रम

निम्नलिखित से चिंतन क्षमता एवं अभिव्यक्ति कौशल पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न **(10 अंक)**

एक अपठित गद्यांश 250 शब्दों का $(1 \times 5 = 5)$ विकल्प सहित **(5 अंक)**

स्मरणीय बिन्दु

Scan to know more about this topic

अपठित गद्यांश वह अंश है, जो पहले से न पढ़ा हो। किसी भी अपठित गद्यांश को पढ़कर उसे समझने की प्रतिभा का विकास करना ही अपठित गद्यांश का लक्ष्य है। अपठित गद्यांश से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए—

1. गद्यांश के भावार्थ को भली-भाँति समझने के लिए उसे कम से कम दो बार ज़रूर पढ़ें।
2. गद्यांश के उन भागों को रेखांकित करते चलें, जिनमें किसी प्रश्न का उत्तर सम्भव हो।
3. शीर्षक देते समय यह ध्यान रखें कि वह गद्यांश के मूल भाव को व्यक्त करने वाला हो।
4. गद्यांश में पूछे गए शब्दों के अर्थ प्रसंगानुसार ही लिखें।

गद्यांशों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक)

निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— $1 \times 5 = 5$

I. यदि कथावस्तु रोचक नहीं है तो पाठक उसे पढ़ेंगे ही क्यों ? रोचकता ही तो लेखक को उपन्यास की ओर आकर्षित करती है। रोचकता लाने के लिए लेखक को कौतूहल और नवीनता की सृष्टि करनी चाहिए। पाठक कथा में अपने ही जीवन-जगत का प्रतिबिंब देखना चाहता है और इसलिए वह उसे पढ़ता है, क्योंकि लेखक की ही भाँति पाठकों का भी 'अहम्' से अनादि लगाव है। जग-जीवन में जो घटनाएँ घटित न हो सकें, उनका वर्णन इस लगाव के लिए घातक होता है, इसलिए लेखक को सदैव घटनाओं की संभाव्यता के प्रति सचेत रहना चाहिए। मौलिकता भी कथावस्तु का अनिवार्य तत्व है। जो बातें पाठक जानते हैं, उनके प्रति उनमें कोई आकर्षण नहीं हो सकता, अत: लेखक को चाहिए कि वह अपनी कल्पना-प्रतिभा के बल पर पाठकों की चिर-परिचित घटनाओं को भी उनके समक्ष जीवन रूप में मौलिकता के साथ प्रस्तुत करे। तब पाठक को ग्राह्य हो जाएँगी। कहने का भाव यह है कि किसी भी सफल कथा के कथानक में रोचकता, संभावना और मौलिकता का होना परम आवश्यक है।

1. पाठक किसी रचना को कब पढ़ते है? **1**

(A) कथावस्तु के नीरस होने पर

(B) कथावस्तु के रोचक होने पर

(C) कथावस्तु के विचित्र होने पर

(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (B) सही है।

2. अपनी रचना में रोचकता लाने के लिए लेखक क्या करता है? **1**

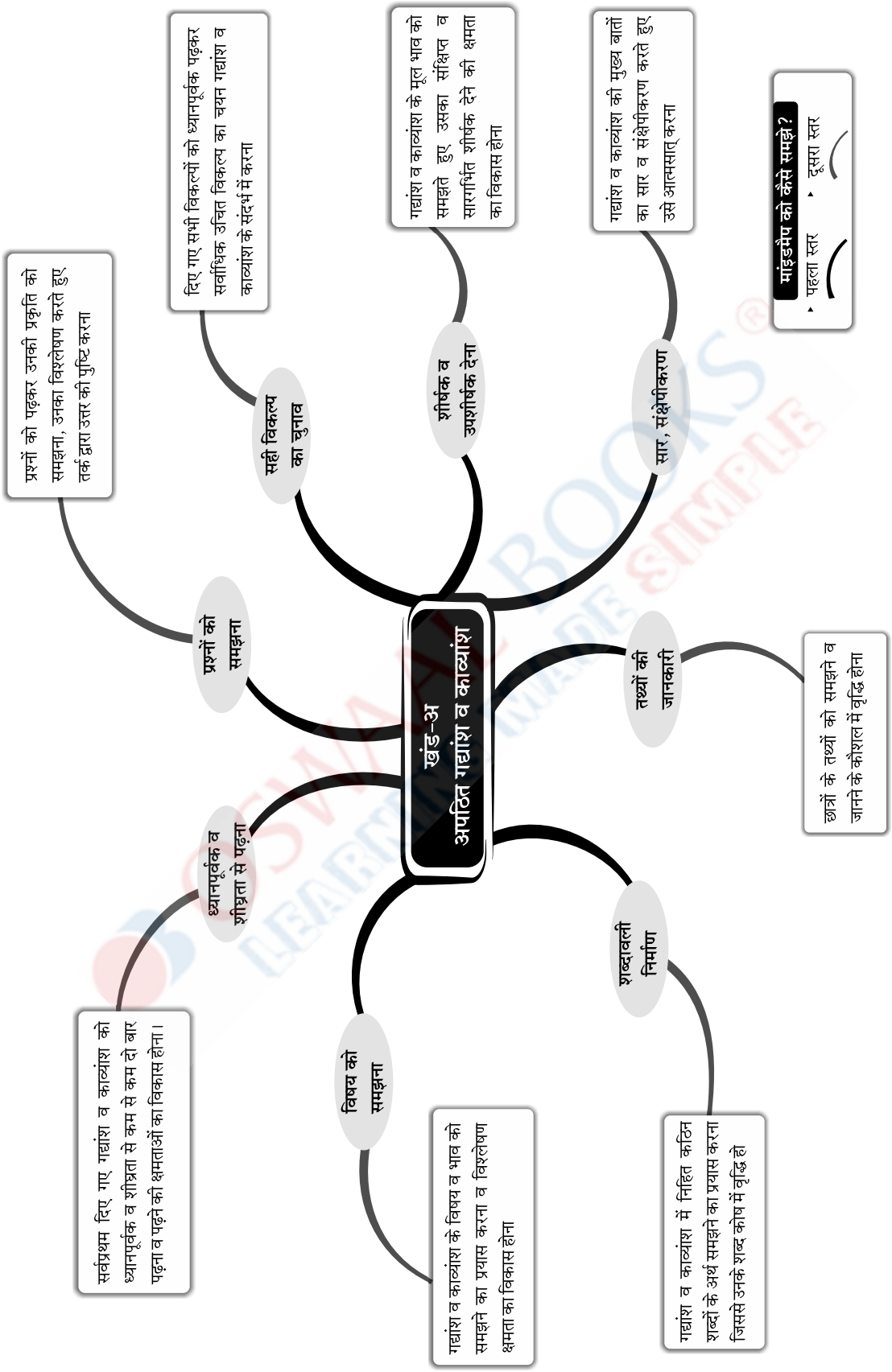
खंड–अ
अपठित गद्यांश व काव्यांश
प्रश्नों को समझना
प्रश्नों को पढ़कर उनकी प्रकृति को समझना, उनका विश्लेषण करते हुए तर्क द्वारा उत्तर की पुष्टि करना
सही विकल्प का चुनाव
दिए गए सभी विकल्पों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उचित विकल्प का चयन गद्यांश व काव्यांश के संदर्भ में करना
शीर्षक व उपशीर्षक देना
गद्यांश व काव्यांश के मूल भाव को समझते हुए उसका संक्षिप्त व सारगर्भित शीर्षक देने की क्षमता का विकास होना
सार, संक्षेपीकरण
गद्यांश व काव्यांश की मुख्य बातों का सार व संक्षेपीकरण करते हुए उसे आत्मसात् करना
माइंडमैप को कैसे समझें?
पहला स्तर
दूसरा स्तर
तथ्यों की जानकारी
छात्रों के तथ्यों को समझने व जानने के कौशल में वृद्धि होना
शब्दावली निर्माण
गद्यांश व काव्यांश में निहित कठिन शब्दों के अर्थ समझने का प्रयास करना जिससे उनके शब्द कोष में वृद्धि हो
विषय को समझना
गद्यांश व काव्यांश के विषय व भाव को समझने का प्रयास करना व विश्लेषण क्षमता का विकास होना
ध्यानपूर्वक व शीघ्रता से पढ़ना
सर्वप्रथम दिए गए गद्यांश व काव्यांश को ध्यानपूर्वक व शीघ्रता से कम से कम दो बार पढ़ना व पढ़ने की क्षमताओं का विकास होना।

(A) रचना में नवीनता और कौतूहल की सृष्टि करता है

(B) रचना में विचित्र घटनाओं का समावेश करता है

(C) अपने जीवन से संबंधित किसी घटना को रचना का आधार बनाता है

(D) दूसरों के जीवन को आधार बनाकर कथावस्तु का सृजन करता है

उत्तर—विकल्प (A) सही है।

3. कथावस्तु का अनिवार्य तत्त्व किसे माना गया है? 1

(A) सरसता को

(B) नीरसता को

(C) मौलिकता को

(D) उपर्युक्त सभी

उत्तर—विकल्प (C) सही है।

4. किस प्रकार की घटनाओं का वर्णन उपन्यास में घातक होता है? 1

(A) असंभावित घटनाओं का

(B) रोचक घटनाओं का

(C) जिनका संदर्भ और सामाजिक सांस्कृतिक परिवेश अलग हो

(D) (A) और (C) दोनों

उत्तर—विकल्प (D) सही है।

5. किसी भी सफल कथा के कथानक में किन तत्त्वों का होना परम आवश्यक है? 1

(A) रोचकता

(B) संभावना और मौलिकता

(C) असंभाव्यता

(D) (A) और (B) दोनों

उत्तर—विकल्प (D) सही है।

AI II. प्रेमचंद का वास्तविक नाम धनपतराय था। वे नवाबराय नाम से उर्दू में लिखते थे। उनके 'सोज़े-वतन' कहानी-संग्रह की सभी प्रतियाँ तत्कालीन अंग्रेज़ी सरकार ने जब्त कर ली थीं। सरकारी कोप से बचने के लिए उर्दू अखबार जमाना के संपादक मुंशी दयानारायण निगम ने उन्हें नवाबराय के स्थान पर 'प्रेमचंद' उपनाम सुझाया। यह नाम उन्हे इतना पसंद आया कि नवाबराय के स्थान पर प्रेमचंद हो गए। हिंदी पुस्तक एजेंसी की एक प्रेस कलकत्ता में थी जिसका नाम वणिक प्रेस था। इसके मुद्रक थे 'महावीर प्रसाद पोद्दार'। वे प्रेमचंद की रचनाएँ बांग्ला के सुप्रसिद्ध उपन्यासकार शरत बाबू को पढ़ने के लिए दिया करते थे। एक दिन पोद्दार जी शरत बाबू के घर गए। वहाँ उन्होंने देखा कि शरत बाबू प्रेमचंद का कोई उपन्यास पढ़ रहे थे जो बीच में खुला हुआ था। पोद्दार जी ने उसे उठाकर देखा तो उपन्यास के एक पृष्ठ पर शरत बाबू ने उपन्यास सम्राट लिख रखा था। बस यहीं से पोद्दार जी ने प्रेमचंद को 'उपन्यास सम्राट प्रेमचंद' लिखना शुरू कर दिया।

1. प्रेमचंद का वास्तविक नाम क्या था? वे किस नाम से उर्दू में लिखते थे? 1

(A) नवाबराय, वे गुलाब राय के नाम से उर्दू में लिखते थे।

(B) प्रेमचंद, वे धनपत राय के नाम से उर्दू में लिखते थे।

(C) गुलाब राय, वे नवाबराय के नाम से उर्दू में लिखते थे।

(D) धनपत राय, वे नबावराय के नाम से उर्दू में लिखते थे।

उत्तर—विकल्प (D) सही है।

2. प्रेमचंद की कौन-सी पुस्तक किसने जब्त कर ली थी? 1

(A) सोज़े वतन पुस्तक—अंग्रेज़ सरकार ने

(B) कर्मभूमि—जमाना के संपादक ने

(C) गबन उपन्यास—अंग्रेज़ सरकार ने

(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (A) सही है।

3. धनपत राय को प्रेमचंद नाम किसने और क्यों दिया? 1

(A) मुंशी दयानारायण निगम ने, अपने अखबार की लोकप्रियता बढ़ाने के लिए

(B) पोद्दार जी ने, उन्हें सरकारी कोप से बचाने के लिए

(C) मुंशी दयानारायण निगम ने, उन्हें सरकारी कोप से बचाने के लिए

(D) शरत बाबू ने, उन्हें सरकारी कोप से बचाने के लिए

उत्तर—विकल्प (C) सही है।

4. हिंदी पुस्तक एजेंसी की प्रेस का क्या नाम था और वह कहाँ थी? 1

(A) हिंदू प्रेस—बनारस में

(B) वणिक प्रेस—कलकत्ता में

(C) जागरण प्रेस—कलकत्ता में

(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (B) सही है।

5. इस गद्यांश का उचित शीर्षक है— 1

(A) बांग्ला के सुप्रसिद्ध उपन्यासकार शरत बाबू

(B) उपन्यास सम्राट प्रेमचंद

(C) हिंदी साहित्य और प्रेमचंद

(D) प्रेमचंद और उनकी रचनाएँ

उत्तर—विकल्प (B) सही है।

III. असफलता समझदार को भी तोड़ देती है। असफल इंसान इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास, सही दिशा आदि सब खो बैठता है। लेकिन जो इन्हें कसकर पकड़े रहता है, वह हार को जीत में बदलने की सामर्थ्य रखता है। एक ग्रीक लेखक के अनुसार, जो हम अंदर से हासिल करते हैं, वह बाहर की असलियत को बदल देता है। अंधेरे उजाले की तरह हार-जीत का दौर भी चलता रहता है। पर न अंधेरा चिरकालीन होता है और न उजाला। घड़ी का बराबर आगे बढ़ना हममें यह आशा भर देता है कि समय कितना भी उलटा क्यों न हो, रुका नहीं रह सकता। किसी विद्वान का कथन है कि आदमी की सफलता उसके ऊँचाई तक चढ़ने में नहीं, अपितु इसमें है कि नीचे तक गिरने के बाद वह फिर से कितना उछल पाता है। असफलता से हमें यही प्रेरणा मिलती है जिससे हम लक्ष्य तक पहुँचने के नए रास्ते खोजते हैं। हममें कुछ करने की कामना जागती है। असफलता को नकारात्मक मानना भूल है, क्योंकि उसी में सफलता का मूल छिपा है। उसी से बाधाओं से जूझने की शक्ति मिलती है। दुर्भाग्य और हार छद्म वेश में वरदान ही होते हैं। असफलता प्रकृति की वह योजना है जिससे कि शक्ति

मिलती है। असफलता प्रकृति की वह योजना है जिससे आदमी के दिल का कूड़ा-करकट जल जाता है और वह शुद्ध हो जाता हैं, तब वह उसे उड़ने के लिए नए पंख देती है।

1. किसी विद्वान के अनुसार आदमी की सफलता किस में निहित है? 1

(A) कि वह नीचे गिरने के बाद कब उठता है।

(B) कि नीचे गिरने के बाद वह फिर से कितना उछल पाता है।

(C) कि वह कितना नीचे गिर सकता है।

(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (B) सही है।

2. अपनी हार को जीत में बदलने की सामर्थ्य कौन व्यक्ति रखता है? 1

(A) जो व्यक्ति आत्मविश्वास और इच्छाशक्ति के साथ जीवन में सही दिशा को चुनता है।

(B) जो असफलता के बाद अंदर से टूट जाता है।

(C) जो असफल होने के बाद निराश हो जाता है।

(D) जो जीवन में सुख-दु:ख को समान भाव से नहीं अपनाता

उत्तर—विकल्प (A) सही है।

3. असफलता के सकारात्मक पक्ष कौन-कौन से हैं? 1

(A) इससे व्यक्ति को बाधाओं से जूझने की शक्ति मिलती है।

(B) इससे आदमी के दिल का कूड़ा-करकट जल जाता है।

(C) असफलता व्यक्ति को उड़ने के लिए नए पंख देती है।

(D) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

उत्तर—विकल्प (D) सही है।

4. असफलता से हमें क्या प्रेरणा मिलती है? 1

(A) समय सदा एक सा नहीं रहता

(B) हम लक्ष्य तक पहुँचने के नए रास्ते खोजते हैं

(C) हमारे मन में कुछ करने की कामना जागती है।

(D) (B) और (C) दोनों कथन सही हैं

उत्तर—विकल्प (D) सही है।

5. 'सकारात्मक' शब्द गद्यांश में आए किस शब्द का विपरीतार्थक है? 1

(A) आत्मविश्वास

(B) असफलता

(C) नकारात्मक

(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (C) सही है।

IV. विज्ञान ने मनुष्य की चिन्तन-प्रणाली को भी प्रभावित किया है। इसने मनुष्य को बौद्धिक विकास प्रदान किया है और वैज्ञानिक चिन्तन-पद्धति दी है। वैज्ञानिक चिन्तन से मनुष्य अंधविश्वासों एवं रूढ़ि-परम्पराओं से मुक्त होकर स्वस्थ एवं सन्तुलित ढंग से चिन्तन कर सकता है। इसने मनुष्य के मन में युगों के अंधविश्वासों, दकियानूसी विचारों, भय और अज्ञानता को दूर कर दिया है। इसे विज्ञान की सर्वाधिक उल्लेखनीय देन कहा जा सकता है। विज्ञान धरती और समुद्र के अनेक रहस्यों को जान लेने के बाद अन्तरिक्ष लोक में प्रविष्ट हुआ है। अन्तरिक्ष लोक के रहस्यों को जानने के लिए वैज्ञानिकों ने अनेक अन्तरिक्ष यानों और कृत्रिम उपग्रहों को आकाश में छोड़ा है तथा अमेरिका के वैज्ञानिक चन्द्रलोक तक पहुँचने में समर्थ हो सके हैं।

1. विज्ञान ने मनुष्य को बौद्धिक विकास के साथ-साथ क्या प्रदान किया है? 1

(A) बौद्धिक चिंतन

(B) आध्यात्मिक सोच

(C) वैज्ञानिक चिंतन पद्धति

(D) धार्मिक चिंतन शक्ति

उत्तर—विकल्प (C) सही है।

2. विज्ञान ने मनुष्य के मन को किससे मुक्त कर दिया है? 1

(A) अंधविश्वास से

(B) दकियानूसी विचारों से

(C) भय और अज्ञानता से

(D) ये सभी

उत्तर—विकल्प (D) सही है।

3. विज्ञान के द्वारा हम किन रहस्यों को जानने में सफल हुए हैं? 1

(A) धरती और समुद्र के रहस्य

(B) अंतरिक्ष लोक के रहस्य

(C) अंतरिक्ष यान और कृत्रिम उपग्रह से संबंधित जानकारी

(D) उपरोक्त सभी

उत्तर—विकल्प (D) सही है।

4. 'मानव-जीवन' शब्द का उचित समास विग्रह और समास का नाम है— 1

(A) मानव और जीवन, द्वंद्व समास

(B) मानव का जीवन, संबंध तत्पुरुष समास

(C) मानव का जीवन है जो, कर्मधारय समास

(D) मानव के लिए जीवन, संप्रदान तत्पुरुष समास

उत्तर—विकल्प (B) सही है।

5. गद्यांश का उचित शीर्षक है— 1

(A) विज्ञान की देन

(B) वैज्ञानिक चिंतन का महत्त्व

(C) विज्ञान के आविष्कार

(D) विज्ञान का युग

उत्तर—विकल्प (B) सही है।

V. किसी भी राष्ट्र की सभ्यता एवं संस्कृति के निर्माण तथा विकास में नारी का योगदान महत्त्वपूर्ण होता है। युगों-युगों का इतिहास अपने किसी-न-किसी अंश में नारी के गौरव को प्रतिष्ठित करता रहा है। मानव जीवन का प्रत्येक क्षेत्र नारी के अभाव में अपूर्ण है। नारी शक्ति है, प्रेरणा है और जीवन की आवश्यक पूर्ति है। नारी गृहस्थी का केन्द्र बिन्दु तथा परिवार की आधारशिला है। समाज का महत्त्वपूर्ण अंग है, अत: नारी को महत्ता देने के लिए सन् 1818 में 8 मार्च को पहली बार सम्मेलन में इस दिन को 'महिला दिवस' के रूप में स्वीकार किया गया। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1975 को "अन्तर्राष्ट्रीय महिला वर्ष" और 1980 को "महिला विकास वर्ष" घोषित किया। यही नहीं, 1975 से 85 का दशक "अन्तर्राष्ट्रीय महिला दशक" घोषित कर एक ऐसे समाज के रूपायन का प्रयास किया जिसमें महिलाएँ आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक जीवन में सही और पूर्ण अर्थों में सहभागी हों।

1. अंतर्राष्ट्रीय महिला दशक घोषित करने का क्या उद्देश्य था? 1
   (A) जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना
   (B) समाज में पुरुषों के महत्त्व को स्थापित करना
   (C) घर-गृहस्थी के केंद्र बिंदु में महिला को स्थापित करना
   (D) नारी को कार्य करने के लिए बाध्य करना

   उत्तर—विकल्प (A) सही है।

2. किस दशक को अंतर्राष्ट्रीय महिला दशक घोषित किया गया ? 1
   (A) सन् 1975 से 85 के दशक को
   (B) सन् 1977 से 87 के दशक को
   (C) सन् 1965 से 75 के दशक को
   (D) इनमें से कोई नहीं

   उत्तर—विकल्प (A) सही है।

3. सन् 1818 में 8 मार्च का दिन किस रूप में स्वीकार किया गया? 1
   (A) मातृ दिवस के रूप में
   (B) बाल दिवस के रूप में
   (C) महिला दिवस के रूप में
   (D) साक्षरता दिवस के रूप में

   उत्तर—विकल्प (C) सही है।

4. 'अंतर्राष्ट्रीय' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग व प्रत्यय हैं— 1
   (A) 'अन' उपसर्ग और 'ईय' प्रत्यय
   (B) 'अंतर' उपसर्ग और 'इक' प्रत्यय
   (C) 'अंतर' उपसर्ग और 'ईय' प्रत्यय
   (D) 'अ' उपसर्ग और 'ईय' प्रत्यय

   उत्तर—विकल्प (C) सही है।

5. गद्यांश का उचित शीर्षक होगा— 1
   (A) राष्ट्र-निर्माण में नारी की भूमिका
   (B) राष्ट्र और नारी
   (C) नारी की महत्ता
   (D) नारी ने बदला समाज

   उत्तर—विकल्प (A) सही है।

AI VI. घर फूँकने का अर्थ है—धन और मान का मोह त्याग करना, भूत और भविष्य की चिन्ता छोड़ देना और सत्य के सामने सीधे खड़े होने में जो कुछ भी बाधा हो, उसे विनम्रतापूर्वक ध्वंस कर देना। पर सत्यों का सत्य यह है कि कबीरदास के साथ चलने की प्रतिज्ञा करने के बाद भी लोग घर नहीं फूँक सके। मठ बने, मंदिर बने, प्रचार के साधन आविष्कार किए गए और उनकी महिमा बताने के लिए अनेक पोथियाँ रची गईं। इस बात का बराबर प्रयत्न होता रहा और अपने इर्द-गिर्द के समाज में कोई यह न कह सके कि इसका अमुक कार्य सामाजिक दृष्टि से अनुचित है अर्थात् विद्रोही बनने की प्रतिज्ञा भूल गए, सुलह और समझौते का रास्ता स्वीकार कर लिया और आगे चलकर 'गुरुपद' पाने के लिए हाईकोर्ट की भी शरण ली गई। यह कह देना कि सब गलत हुआ, कुछ विशेष काम की बात नहीं हुई। क्यों यह गलती हुई ? माया से छूटने के लिए माया के प्रपंच रचे गए, यह सत्य है।

1. लोगों ने क्या प्रतिज्ञा ली थी? 1
   (A) अपना घर फूँकने की
   (B) जीवन की समस्त सुख-सुविधाओं का उपभोग करने की
   (C) धन और मोह का त्याग कर कबीर के बताए मार्ग पर चलने की
   (D) माया के प्रपंच में फँसने की

   उत्तर—विकल्प (C) सही है।

2. 'घर फूँकने' का क्या अभिप्राय है? 1
   (A) धन और मान के मोह का त्याग करना
   (B) निर्भीक होकर सत्य के मार्ग पर चलना
   (C) मार्ग में आने वाली बाधाओं को विनम्रतापूर्वक नष्ट करना
   (D) उपरोक्त सभी कथन सही हैं

   उत्तर—विकल्प (D) सही है।

3. गद्यांश के अनुसार पोथियाँ रचने का क्या उद्देश्य था? 1
   (A) तथाकथित धार्मिक गुरुओं को महिमामंडित करना
   (B) धर्म विशेष संबंधी विचारों और उद्देश्यों को प्रसारित करना
   (C) धार्मिक ज्ञान को लिखकर सहेजना
   (D) (A) और (B) दोनों कथन सही हैं

   उत्तर—विकल्प (D) सही है।

4. गद्यांश में 'अन' उपसर्ग और 'इक' प्रत्यय के योग से बने शब्द हैं? 1
   (A) अनेक और अनुचित
   (B) अनुचित और सामाजिक
   (C) अमुक और सामाजिक
   (D) अनुचित और विनम्रता

   उत्तर—विकल्प (B) सही है।

5. गद्यांश में आए हुए 'गुरुपद' शब्द का क्या अर्थ है? 1
   (A) गुरु का पद
   (B) गुरु और पद
   (C) महत्त्वपूर्ण पद
   (D) स्वामी का पद

उत्तर—विकल्प (C) सही है।

VII. जैसा कि उनके प्रवचनों में था, दयानंद जी ने अपनी पुस्तक में भी विभिन्न धार्मिक संप्रदायों और मतों में पाए जाने वाले कपोल-कल्पित आख्यानों का, जिन्होंने भारत की जनता को विभाजित कर रखा था, तर्कपूर्ण विवेचन कर, एक-एक करके उन्हें नष्ट कर दिया। स्वामी जी के तर्क सटीक और प्रहारक होते थे। स्वामी दयानंद पुस्तक के उपसंहार में कहते हैं, "मैं ऐसे धर्म में विश्वास करता हूँ जो सार्वभौमिक सिद्धान्तों पर आधारित हो और जो समय की कसौटी पर खरा उतरे। इसी कारण यह धर्म बाकी सभी संकीर्ण धर्मों की कमज़ोरियाँ व अवगुणों से परे है। किसी भी धर्म में जो कुछ भी आपत्तिजनक या झूठ है वह वैसा ही रहेगा।"

आदर्श मानव के विषय में स्वामी जी का दृष्टिकोण था कि केवल उसे ही मनुष्य कहा जा सकता है जो विचारशील हो व दूसरे के प्रति भी वैसा ही महसूस करे जैसा वह अपने लिए करता है, जो अन्याय का अनुमोदन न करता हो एवं केवल सद्गुणों व सत्य का सम्मान करता हो।

1. स्वामी दयानंद जी के व्याख्यानों और उनकी पुस्तक का मूल विषय क्या रहा है? 1
   (A) भारतीय जनता को विभाजित करने वाले धार्मिक संप्रदायों द्वारा उल्लिखित मतों का खंडन करना
   (B) भारतीय जनता को विभाजित करने वाले सिद्धांतों का प्रचार करना
   (C) धार्मिक अंधविश्वासों की महत्ता स्थापित करना
   (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (A) सही है।

2. स्वामी जी के तर्क कैसे होते थे? 1
   (A) अस्पष्ट और उलझे हुए
   (B) जनता को भ्रमित करने वाले
   (C) सटीक और प्रहारक
   (D) कपोल कल्पित

उत्तर—विकल्प (C) सही है।

3. स्वामी दयानंद जी किस धर्म में विश्वास रखते थे? 1
   (A) जटिल सिद्धांतों से युक्त हो।
   (B) जो सार्वभौमिक सिद्धांतों पर आधारित हो।
   (C) जो समय की कसौटी पर खरा उतरे।
   (D) (B) और (C) दोनों सही हैं।

उत्तर—विकल्प (D) सही है।

4. स्वामी जी आदर्श मानव किसे मानते थे? 1
   (A) जो विचारशील हो।
   (B) जो सद्गुणों और सत्य का सम्मान करता हो।
   (C) जो अन्याय का समर्थन न करता हो।
   (D) जिसमें उपर्युक्त सभी गुण हों।

उत्तर—विकल्प (D) सही है।

5. गद्यांश में आया हुआ कौन-सा शब्द 'समर्थन' शब्द का समानार्थी है? 1
   (A) सार्वभौमिक
   (B) अनुमोदन
   (C) विवेचन
   (D) सम्मान

उत्तर—विकल्प (B) सही है।

सामान्य त्रुटियाँ—

(1) अधिकांश छात्र गद्यांश को ठीक से नहीं पढ़ते फलत: उसके मूल भाव को नहीं समझ पाते।
(2) छात्र बिना समझे प्रश्न के उत्तर पद्यांश की भाषा में ही लिख देते हैं जिससे उन्हें पूरे अंक नहीं मिल पाते।
(3) एक ही सारगर्भित शीर्षक लिखने के स्थान पर दो-तीन लिख देते हैं जो गलत है।

निवारण—

(1) छात्रों को गद्यांश कम से कम दो बार ध्यानपूर्वक पढ़ना चाहिए।
(2) प्रश्नों के उत्तर अपनी भाषा में देने चाहिए।
(3) शीर्षक एक ही दें तथा वह संक्षिप्त, सारगर्भित व रोचक हो।

❑❑

अध्याय

2 अपठित काव्यांश

पाठ्यक्रम

एक अपठित काव्यांश 120 शब्दों का $(1 \times 5 = 5)$ विकल्प सहित **(5 अंक)**

पाठ का सारांश

Scan to know more about this topic

'अपठित काव्यांश' का अभिप्राय ऐसे काव्यांश से है जिसे पहले से न पढ़ा गया हो। 'अपठित काव्यांश को हल करते समय निम्नलिखित बिन्दुओं को ध्यान रखना आवश्यक है–

- सर्वप्रथम दिए गए काव्यांश को ध्यानपूर्वक दो-तीन बार पढ़ें ताकि काव्यांश का मूल भाव और अर्थ समझ में आ जाए।
- काव्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- सबसे सही विकल्प का ही चयन करना चाहिए।

काव्यांशों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

(प्रत्येक 5 अंक)

निम्नलिखित काव्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1 \times 5 = 5$

I. खेत और खलिहान तुम्हारे,
ये पहाड़, जंगल, उपवन,
ये नदियाँ, ये ताल सरोवर,
गाते हैं विप्लव गायन!
उत्तर में गा रहा हिमाचल,
दक्षिण में वह सिंधु गहन
सभी गा रहे हैं, लो आया।
यह लोलित जागरण प्रहर!
गंगा गाती कल-कल ध्वनि में,
भारत के कल की बातें,
यमुना गाती है कल-कल कर
बीत गईं कल की रातें,
साबरमती गरज कर बोली
अब कैसी निशि की छातें
दिन आया, अपना दिन आया,
यों गाती है लहर-लहर!
उत्तर से दक्खिन पूरब से
पश्चिम तक तुम एक, अरे!
भेदभाव से परे एक ही
रही तुम्हारी रोकटोक अरे!
एक देश है, एक प्राण तुम,

1. प्रकृति क्या गा रही है? 1

(A) खुशी के गीत **(B)** क्रांति के गीत

(C) होली के गीत **(D)** इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (B) सही है।

2. नदियाँ कल-कल ध्वनि में क्या संदेश देती हैं? 1

(A) उठो, कर्मशील बनो।

(B) जन-जागरण का समय आ गया है।

(C) अतीत बीत चुका है, अब वर्तमान और भविष्य की चिंता करना आवश्यक है।

(D) उपर्युक्त सभी

उत्तर—विकल्प (D) सही है।

3. इस काव्यांश के माध्यम से क्या संदेश दिया गया है? 1

(A) आपस में बैर-भाव रखने का

(B) अनेकता में एकता और सांप्रदायिक सद्भाव का

(C) अपने धर्म और संप्रदाय को श्रेष्ठ बताने का

(D) भारत की विविधता का

उत्तर—विकल्प (B) सही है।

4. 'खिली एकता ज्योति प्रखर' का आशय है— 1

(A) भारत की एकता की अखंड ज्योति दीप्तिमान है।

(B) दीपक की ज्योति बहुत तेज है।

(C) एकता का फूल खिल रहा है।

(D) भगवान के दीपक की ज्योति अखंड है।

उत्तर—विकल्प (A) सही है।

5. 'गंगा गाती कल-कल ध्वनि में पंक्ति' में कौन-सा अलंकार है? 1

(A) अनुप्रास और पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार

(B) यमक और पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार

(C) पुनरुक्ति प्रकाश और श्लेष अलंकार

(D) उपमा और यमक अलंकार

उत्तर—विकल्प (A) सही है।

तुम हो नहीं अनेक अरे!
खोलो निज लोचन, देखो यह
खिली एकता ज्योति प्रखर!

II. निजता की संकीर्ण क्षुद्रता
तेरे सुविपुल में खो जाए,
ओ दुस्सह तेरी दुस्सहता
सहज सह्य हमको हो जाए।
ओ कृतान्त हमको भी दे जा
निज कृतान्तता का कुछ अंश,
नई सृष्टि के नवोल्लास में,
फूट पड़े तेरा विभ्रंश!
नव भूखंड अमृत के घट-सा
दे ऊपर की ओर उछाल
सागर का अन्तस्तल मथ कर
तेरे विप्लव का भूचाल।
जीर्ण-शीर्णता के दुर्गों को
कुसंस्कार के स्तूपों को
ढा दे एक साथ ही उठकर
दुर्जय तेरा क्रोध कराल
कुछ भी मूल्य नहीं जीवन का
हो यदि उसके पास न ध्वंस;
ओ कृतान्त हमको भी दे जा
निज कृतान्तता का कुछ अंश।
ओ भैरव, कवि की वाणी का
मृदु माधुर्य लजा दे आज,
वंशी के ओठों पर अपना,
निर्मम शंख बजा दे आज।

1. काव्यांश में 'संकीर्ण क्षुद्रता' का क्या अभिप्राय है? 1

(A) समाज की स्वार्थ पूर्ण क्षुद्र मानसिकता

(B) समाज में व्याप्त कुरीतियाँ

(C) समाज के जीर्ण-शीर्ण कुसंस्कार

(D) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं

उत्तर—विकल्प (D) सही है।

2. कवि 'नव भूखंड अमृत के घट-सा, दे ऊपर की ओर उछाल 'के माध्यम से ईश्वर से क्या प्रार्थना करता है? 1

(A) वह हमारे जीवन में अमृत भर दे।

(B) ईश्वर हमें अमर कर दें।

(C) हमें नवीन उत्साह और आत्मविश्वास रूपी अमृत से भरा जीवन दें।

(D) सारे संसार को अमृत के घड़े जैसा बना दें।

उत्तर—विकल्प (C) सही है।

3. कवि मानव से कैसे क्रोध की अपेक्षा करता है? 1

(A) सब कुछ नष्ट कर देने वाले

(B) जो समाज की कुरीतियों और कुसंस्कारों को जलाकर राख कर दे।

(C) जिसे देखकर सब भयभीत हो जाएँ।

(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (B) सही है।

4. कवि के अनुसार किस का जीवन मूल्यवान होता है? 1

(A) जिसने समाज के उत्थान के लिए क्रांतिकारी परिवर्तन किए हों।

(B) जिसने समाज में अपने नियम चलाए हों।

(C) जिसने सब के जीवन में परिवर्तन किए हों।

(D) उपरोक्त सभी कथन सत्य हैं।

उत्तर—विकल्प (A) सही है।

5. काव्यांश में आए 'कुसंस्कार' और 'निजता' शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग और प्रत्यय हैं— 1

(A) कुसंस्कार में 'कुसं' उपसर्ग और निजता में 'जता' प्रत्यय

(B) कुसंस्कार में 'संस्कार' उपसर्ग और निजता में 'नि' प्रत्यय

(C) कुसंस्कार में 'र' उपसर्ग और निजता में 'ता' प्रत्यय

(D) कुसंस्कार में 'कु' उपसर्ग और निजता में 'ता' प्रत्यय

उत्तर—विकल्प (D) सही है।

III. कोटि-कोटि नंगों भिखमंगों के जो साथ,
खड़े हुए हैं कंधा जोड़े, उन्नत माथ,
शोषित जन के, पीड़ित जन के कर को थाम,
बढ़े जा रहे उधर जिधर हैं मुक्ति प्रकाम।
ज्ञात और अज्ञात मात्र ही जिनके नाम।
वंदनीय उन सत्पुरुषों को सतत प्रणाम।
जिनके गीतों के पढ़ने से मिलती शांति,
जिनके तानों के सुनने से झिलती भ्रांति,
छा जाती मुखमंडल पर यौवन की कांति।
जिनकी टेकों पर टिकने से टिकती क्रांति।
मरण मधुर बन जाता है जैसे वरदान,
अधरों पर खिल जाती है, मादक मुस्कान।

1. काव्यांश में किन की वंदना और प्रशंसा की गई है? 1

(A) दीन-दु:खियों और शोषितों के हितैषी लोक सेवकों की

(B) दीन-दु:खियों का शोषण करने वाले लोगों की

(C) दीन-दु:खियों और शोषितों की

(D) इनमें से किसी की नहीं

उत्तर—विकल्प (A) सही है।

2. परोपकारी व्यक्तियों को काव्यांश में कैसा बताया गया है? 1

(A) स्वार्थी और अहंकारी

(B) अपने कार्य की प्रशंसा चाहने वाला

(C) आत्म सीमित और संवेदन शून्य

(D) सत्पुरुष और वंदनीय

उत्तर—विकल्प (D) सही है।

3. वे लोग पीड़ितों का हाथ थामे कहाँ बढ़े जा रहे हैं? 1

(A) उन्हें कष्टों से मुक्ति दिला कर उनका उद्धार करने के लिए

(B) उनको पढ़ाने के लिए

(C) उनको एक नई मंज़िल दिखाने के लिए

(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (A) सही है।

4. परोपकारी व्यक्तियों का मरण भी किस रूप में बदल जाता है? 1

(A) जीवन के रूप में

(B) उन्नति के रूप में

(C) मरकर भी अमर होने के रूप में

(D) उपरोक्त सभी

उत्तर—विकल्प (C) सही है।

5. जन हितैषी व्यक्तियों की प्रशंसा सुनने से क्या होता है? 1

(A) मन को शांति मिलती है।

(B) हृदय में वेदना उठती है।

(C) चित्त अशांत हो जाता है।

(D) मन में जिज्ञासा जाग उठती है।

उत्तर—विकल्प (A) सही है।

IV. जय बोलो उस धीरव्रती की जिसने सोता देश-जगाया।
जिसने मिट्टी के पुतलों को वीरों का बाना पहनाया
जिसने आज़ादी लेने की एक निराली राह निकाली
और स्वयं उस पर चलने में जिसने अपना शीश चढ़ाया।
घृणा मिटाने को दुनिया से लिखा लहू से जिसने अपने
'जो कि तुम्हारे हित विष घोले, तुम उसके हित अमृत घोलो।
कहीं बेड़ियाँ औ' हथकड़ियाँ, हर्ष मनाओ, मंगल गाओ
किन्तु यहाँ पर लक्ष्य नहीं है, आगे पथ पर पाँव बढ़ाओ।
आज़ादी वह मूर्ति नहीं है जो बैठी रहती मन्दिर में,
उसकी पूजा करनी है तो नक्षत्रों से होड़ लगाओ।
हल्का फूल नहीं आज़ादी, वह है भारी ज़िम्मेदारी
उसे उठाने को कंधों के, भुजदंडों के, बल को तोलो।

1. प्रस्तुत काव्यांश में कवि ने किसे धीरव्रती कहकर संबोधित किया है? 1

(A) देश की जनता को (B) महात्मा गांधी को

(C) स्वतंत्रता सेनानियों को (D) देश के किसानों को

उत्तर—विकल्प (B) सही है।

2. वीरव्रती ने आज़ादी पाने के लिए कौन-सी राह निकाली? 1

(A) सत्य, अहिंसा और असहयोग आंदोलन के द्वारा आज़ादी पाने की राह

(B) युद्ध द्वारा आज़ादी पाने की राह

(C) आपसी विचार-विमर्श द्वारा आज़ादी पाने की राह

(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (A) सही है।

3. उस धीरव्रती ने घृणा मिटाने के लिए दुनिया को क्या संदेश दिया? 1

(A) ईंट का जवाब पत्थर से दो।

(B) युद्ध क्षेत्र में डटे रहो।

(C) जो तुम्हारे हित विष घोले उसके लिए तुम अमृत घोलो।

(D) हिंसा का जवाब हिंसा से दो।

उत्तर—विकल्प (C) सही है।

4. आज़ादी प्राप्त होने के पश्चात् भी काव्यांश में क्या करने का संदेश दिया गया है? 1

(A) आज़ादी पाने के बाद आराम से बैठ जाने का

(B) आज़ादी को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए निरंतर कर्म पथ पर अग्रसर रहने का

(C) आज़ादी का उत्सव मनाने का

(D) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं

उत्तर—विकल्प (B) सही है।

5. 'आज़ादी' शब्द में मूल शब्द और प्रत्यय हैं— 1

(A) आ + जादी

(B) आजा + दी

(C) आज + दी

(D) आज़ाद + ई

उत्तर—विकल्प (D) सही है।

AI V. हाँ जानकर भी मैंने न भरत को जाना,
सब सुन लें, तुमने स्वयं अभी यह माना।
यह सच है तो फिर लौट चलो घर भैया,
अपराधिन हूँ मैं तात तुम्हारी मैया।
दुर्बलता का ही चिन्ह विशेष शपथ है,
पर, अबलाजन के लिए कौन-सा पथ है ?
यदि मैं उकसाई गई भरत से होऊँ,
तो पति-समान ही स्वयं पुत्र को भी खोऊँ
ठहरो, मत रोको मुझे, कहूँ सो सुन लो,
पाओ यदि उसमें सारा, उसे सब चुन लो।
करके पहाड़-सा पाप मौन रह जाऊँ ?
राई भर भी अनुताप न करने पाऊँ।
उल्का-सी रानी दिशा दीप्त करती थी,
सबमें भय, विस्मय और खेद भरती थी।
"क्या कर सकती थी मरी मंथरा दासी,
मेरा मन ही रह सका ना निज विश्वासी
जल पंजर-गत अब अधीर, अभागे,
ये ज्वलित भाव थे
स्वयं तुझमें जागे।

1. इस काव्यांश में कौन किस से घर लौटने के लिए कह रहा है? 1

(A) माता कैकई भरत से

(B) माता कैकई श्रीराम से

(C) माता कौशल्या श्रीराम से

(D) माता सुमित्रा लक्ष्मण से

उत्तर—विकल्प (B) सही है।

2. कैकई अपने द्वारा शपथ खाने की बात को क्या मानती हैं? 1

(A) अपनी दुर्बलता का चिह्न

(B) अपनी सत्यता का प्रमाण

(C) अपनी कठोरता का चिह्न

(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—विकल्प (A) सही है।

3. कैकई पति के समान पुत्र को भी खोने की बात किस परिस्थिति में कहती हैं? 1

(A) वे अपनी शपथ को सत्य सिद्ध करने के लिए ऐसा कहती हैं।

(B) उन्हें लगता है कि यदि राम नहीं लौटे तो वे भरत को भी खो देंगी।

(C) वे श्री राम को विश्वास दिलाना चाहती हैं कि भरत निर्दोष हैं।

(D) (A) और (C) दोनों

उत्तर—विकल्प (D) सही है।

4. अपने बेटे भरत के संदर्भ में कैकई क्या स्वीकार करती हैं? 1

(A) माँ होकर भी मैंने अपने पुत्र के स्वभाव को नहीं पहचाना

(B) भरत के बारे में सब कुछ जानने का

(C) भरत अपने भाइयों से प्यार नहीं करते

(D) भरत को अयोध्या के राज्य का लालच था।

उत्तर—विकल्प (A) सही है।

5. 'उल्का-सी रानी' में कौन-सा अलंकार है? 1

(A) रूपक (B) उत्प्रेक्षा

(C) अन्योक्ति (D) उपमा

उत्तर—विकल्प (D) सही है।

❑❑

समय-1 घंटा

स्वतः मूल्यांकन-1

30 अंक

1. सत्संग से हमारा अभिप्राय उत्तम प्रकृति के व्यक्तियों की संगति से है। मानव मन में श्रेष्ठ एवं गर्हित भावनाएँ मिश्रित रूप से विद्यमान होती हैं। कुछ व्यक्ति सहज सुलभ सद्गुणों की उपेक्षा करके कुमार्ग का अनुगमन करते हैं। वे न केवल अपना विनाश करते हैं, अपितु अपने साथ रहने तथा वार्तालाप करने वालों के जीवन और चरित्र को भी पतन अथवा विनाश के गर्त की ओर उन्मुख करते हैं। विश्व में प्रायः ऐसे मनुष्य ही अधिक हैं जो उत्कृष्ट और निकृष्ट दोनों प्रकार की मनोवृत्तियों से युक्त होते हैं। उनका साथ यदि किसी के लिए लाभप्रद नहीं होता तो हानिकारक भी नहीं होता। इसके अतिरिक्त तृतीय प्रकार के मनुष्य वे हैं जो गर्हित भावनाओं का दमन करके केवल उत्कृष्ट गुणों का विकास करते हैं। ऐसे व्यक्ति निश्चय ही महान प्रतिभा-सम्पन्न होते हैं। उनकी संगति प्रत्येक व्यक्ति में उत्कृष्ट गुणों का संचार करती है। उन्हीं की संगति को सत्संग के नाम से पुकारा जाता है।

1. सत्संग से लेखक का क्या अभिप्राय है? 1
   - (A) उत्तम प्रकृति के व्यक्तियों से बातचीत करना
   - (B) अधम प्रकृति के व्यक्तियों की संगति करना
   - (C) उच्च वर्ग के व्यक्तियों की संगति करना
   - (D) उत्तम प्रकृति के व्यक्तियों की संगति करना
2. विश्व में किस प्रकार के व्यक्ति अधिक हैं? 1
   - (A) निकृष्ट प्रवृत्तियों से युक्त मानव
   - (B) उत्कृष्ट मनोवृत्तियों से युक्त मानव
   - (C) उत्कृष्ट और निकृष्ट दोनों प्रकार की मनोवृत्तियों से युक्त मानव
   - (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
3. हम महान् प्रतिभा संपन्न व्यक्ति किन्हें कहेंगे? 1
   - (A) जो गर्हित भावनाओं का दमन करके उत्कृष्ट भावनाओं का विकास करते हैं।
   - (B) जो उत्कृष्ट भावनाओं का दमन करके निकृष्ट भावनाओं का विकास करते हैं।
   - (C) जो महान् प्रतिभाओं के विकास में अपना योगदान देते हैं।
   - (D) जो उच्च प्रतिभा संपन्न हैं।
4. कुमार्ग का अनुगमन करने वाले व्यक्ति किस प्रकार हानिकारक होते हैं? 1
   - (A) वे अपने साथियों के जीवन और चरित्र को पतन और विनाश की ओर उन्मुख करते हैं।
   - (B) वे अपना विनाश करते हैं।
   - (C) अपने साथ रहने वाले लोगों के चरित्र को उत्थान की ओर ले जाते हैं।
   - (D) इनमें से कोई नहीं
5. गद्यांश के लिए उचित शीर्षक होगा— 1
   - (A) कुसंगति का महत्त्व
   - (B) सत्संगति का महत्त्व
   - (C) सत्संग
   - (D) महान् प्रतिभा संपन्न व्यक्ति

2. आप दुःखों से डरिए मत। घबराइए मत, काँपिए मत, उन्हें देखकर चिन्तित या व्याकुल मत होइए, वरन् उन्हें सहन करने को तैयार रहिए, किन्तु सच्चे सहृदय मित्र की तरह भुजा पसार कर मिलिए।

खबरदार : ऐसा मत कहना, कि यह संसार बुरा है, दुष्ट है, पापी है, दुःखमय है। ईश्वर की पुण्य कृति, जिसके कण-कण में उसने कारीगरी भर दी है, कदापि बुरी नहीं हो सकती। सृष्टि पर दोषारोपण करना तो उसके कर्ता पर आक्षेप करना होगा। 'यह घड़ा बहुत बुरा बना है'—इसका अर्थ है—कुम्हार को नालायक बताना। आपका पिता इतना नालायक नहीं है जितना कि आप। 'दुनिया दुःखमय है'—यह शब्द कह कर उसकी प्रतिष्ठा पर लांछन लगाते हैं। ईश्वर की पुण्य भूमि में दुःख का एक अणु भी नहीं है। हमारा अज्ञान ही हमारे लिए दुःख है। आइए, अपने अन्दर से समस्त कुविचारों और दुर्गुणों को धोकर अन्तःकरण को पवित्र कर लें जिससे दुःखों की आत्यंतिक निवृत्ति हो जाए और हम परम पद प्राप्त कर सकें।

1. दुःख का मूल कारण क्या है? 1
   - (A) अंधकार (B) हमारी अज्ञानता
   - (C) हमारे कुविचार (D) अविश्वास
2. दुःख आने पर हमें क्या करना चाहिए? 1
   - (A) उससे डरना नहीं चाहिए।
   - (B) उन्हें देखकर चिंतित या व्याकुल नहीं होना चाहिए।
   - (C) उन्हें सहन करने को तैयार रहना चाहिए।
   - (D) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं
3. हमें परम पद कैसे प्राप्त हो सकता है? 1
   - (A) जब हमारा अंतःकरण पवित्र होगा।
   - (B) जब हम अज्ञान से युक्त होंगे।
   - (C) जब हम दुःखों से घबरा जाएँगे।
   - (D) जब हम दुःखों से पलायन करने लगेंगे।
4. 'पुण्यकृति' शब्द का समास विग्रह और समास का नाम है— 1
   - (A) पुण्य की कृति—तत्पुरुष समास
   - (B) पुण्य से भरी कृति—तत्पुरुष समास
   - (C) पुण्य से भरी है जो कृति—कर्मधारय समास
   - (D) पुण्य और कृति—द्वंद्व समास
5. इस गद्यांश का क्या उद्देश्य है? 1
   - (A) व्यक्ति में सकारात्मक प्रवृति का विकास करना
   - (B) व्यक्ति को दुःखों के प्रति भयभीत करना
   - (C) संसार के दुष्ट व्यक्तियों को खबरदार करना
   - (D) इनमें से कोई नहीं

3. नन्हे-नन्हे फूलों की अधखिली कलियों की,
नई-नई कोपलों को यों न झुलसाइए।
कमजोर कंधे हैं जो, मज़बूत बाँहे हैं न,
बेबसी, लाचारी के बोझ से यों न दबाइए॥
हाथ में हथौड़ा न दो, न दो खुरपी, कुदाल,
स्वार्थ के घेरे से बाहर तो निकल देखो,
मानवता की खातिर, मानव बन जाइए।
आँसुओं से न लिखी हो कोई तकदीर यहाँ,
लहू बेच किसी का न दौलत जुटाइए।
भारत महान् लोग, भारतीय महान् कहें,

सुकोमल कर में यों कलम थमाइये।
न हो फटेहाल कोई, न कोई कंगाल हो जो,
सब खुशहाल हों, वो खुशहाली लाइए॥
न रहे ये बचपन, टुकड़ों का मोहताज़,
न किसी के जीवन को नरक बनाइए।

1. काव्यांश में नन्हे-नन्हे फूल किन्हें कहा गया है? 1
   (A) छोटे-छोटे फूलों को
   (B) छोटे-छोटे बच्चों को
   (C) रंग-बिरंगी तितलियों को
   (D) अधखिली कलियों को
2. यह कविता समाज की किस प्रमुख समस्या को दर्शाती है? 1
   (A) जाति के आधार पर होने वाले भेदभाव की समस्या को
   (B) बाल-विवाह की समस्या को
   (C) बाल-मजदूरी का समस्या को
   (D) भ्रष्टाचार की समस्या को
3. कवि समाज से क्या अपेक्षा करता है? 1
   (A) बाल मजदूरों का ध्यान रखने की
   (B) बाल मजदूरी की समस्या को जड़ से मिटाने की
   (C) बाल मजदूरों को अच्छा भोजन देने की
   (D) बाल मजदूरों के परिवारों की सहायता करने की
4. बाल मजदूरी रोकने के लिए इस काव्यांश में क्या कदम उठाने को कहा गया है? 1
   (A) बाल मजदूरी संबंधी नियम केवल फाइलों में बंद होकर न रह जाएँ।
   (B) अखबारों में लेख लिखना या दीवारों पर पोस्टर टाँगना भी समाधान नहीं है।
   (C) बाल मजदूरी संबंधी कड़े नियम बनाकर उनका सख्ती से पालन हो।
   (D) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।
5. बच्चों के सुकोमल हाथों में हथौड़ा, खुरपी या कुदाल की जगह क्या देना चाहिए? 1
   (A) झाड़ने को झाड़ू
   (B) लिखने के लिए कलम
   (C) पढ़ने के लिए किताबें
   (D) (B) और (C) दोनों कथन सत्य हैं।

ऐसा कोई नया इतिहास तो रचाइए॥
न रहे नियम सब फाइलों में बन्द यहाँ,
न नियम दीवारों पर लिखकर दिखाइए,
इन सबसे तो कुछ होने का न मेरे भाई,
बाल मजदूरी रुके, कदम बढ़ाइए॥

4. सच है विपत्ति जब आती है,
कायर को ही दहलाती है,
सूरमा नहीं विचलित होते,
क्षण एक नहीं धीरज खोते।
विघ्नों को गले लगाते हैं,
काँटों में राह बनाते हैं।
मुँह से न कभी उफ़ कहते हैं,
संकट का चरण न गहते हैं,
जो आ पड़ता सब सहते हैं,
उद्योग-निरत नित रहते हैं,
शूलों का मूल नसाते हैं,
बढ़ खुद विपत्ति पर छाते हैं।

1. विपत्ति में कौन घबरा जाते हैं? 1
   (A) कायर और डरपोक मनुष्य
   (B) निडर और साहसी मनुष्य
   (C) धर्म भीरु मनुष्य
   (D) आज़ाद ख्यालों वाले मनुष्य
2. विपत्ति आने पर भी सूरमा क्या नहीं करते? 1
   (A) वे अपना धैर्य नहीं खोते।
   (B) वे विषम परिस्थितियों में विकलित नहीं होते।
   (C) वे अपनी हिम्मत छोड़े देते हैं।
   (D) (A) और (B) दोनों कथन सत्य हैं।
3. 'विघ्नों को गले लगाकर 'काँटों में राह बनाने' का आशय है— 1
   (A) परेशानियों को गले लगाना और काँटों को काटना
   (B) परेशानियों और बाधाओं को झेल कर निरंतर आगे बढ़ते रहना
   (C) मुश्किलों से हार मान जाना
   (D) मुश्किलों से घबराकर आँसू बहाना
4. काव्यांश के अनुसार एक सच्चे सूरमा की क्या विशेषताएँ हैं? 1
   (A) कष्ट सहकर भी मुँह से कुछ न कहना
   (B) विपरीत परिस्थितियों में भी निरंतर कर्मशील रहना
   (C) मार्ग की बाधाओं पर विजय प्राप्त करना
   (D) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं
5. इस काव्यांश के द्वारा कवि क्या प्रेरणा देता है? 1
   (A) विषम परिस्थितियों में भी धैर्य रखने की
   (B) मार्ग की बाधाओं से हार मान लेने की
   (C) अकर्मण्य बैठे रहने की
   (D) इनमें से कोई नहीं

❑❑

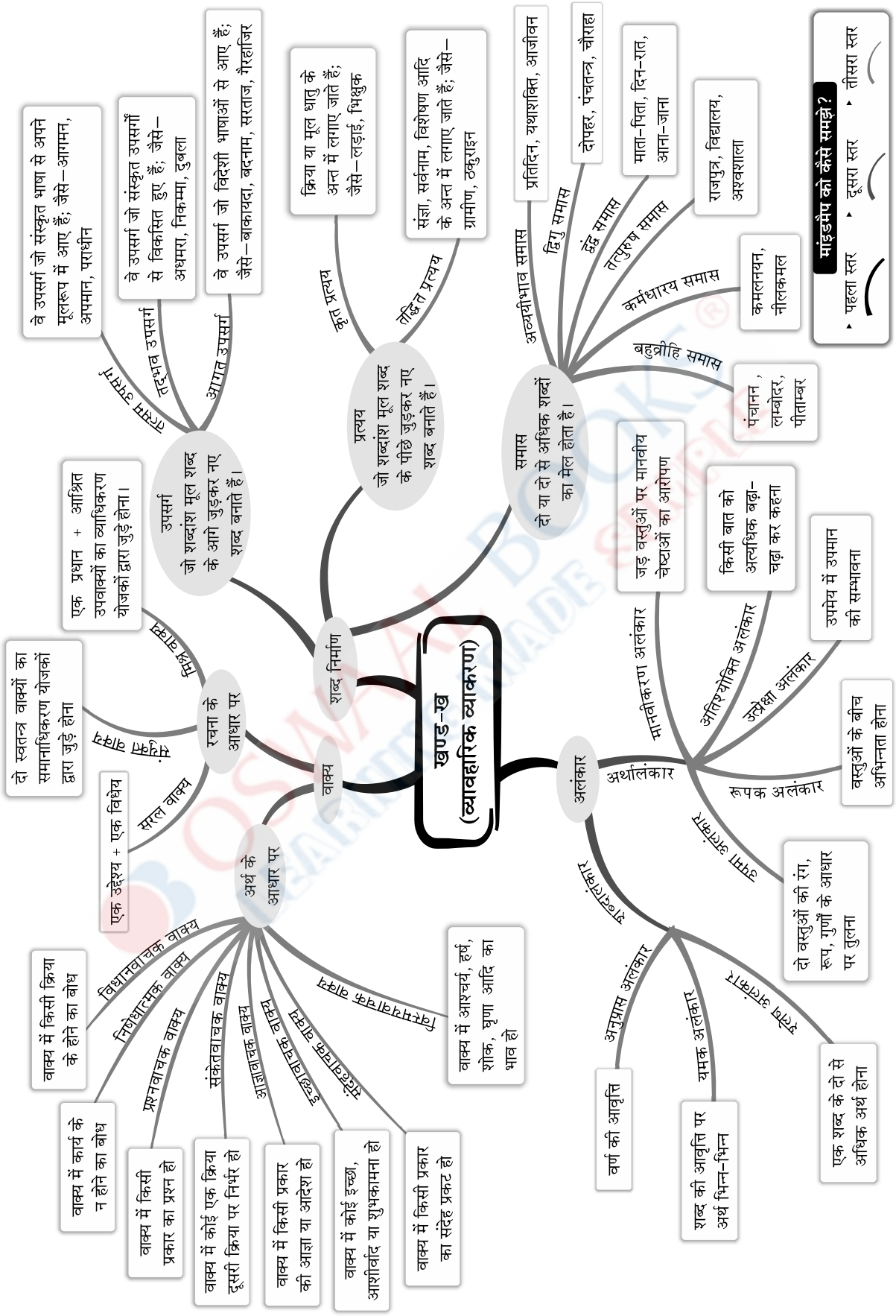
खण्ड-ख
(व्यावहारिक व्याकरण)
शब्द निर्माण
उपसर्ग
जो शब्दांश मूल शब्द के आगे जुड़कर नए शब्द बनाते हैं।
तत्सम उपसर्ग
वे उपसर्ग जो संस्कृत भाषा से अपने मूलरूप में आए हैं; जैसे–आगमन, अपमान, पराधीन
तद्भव उपसर्ग
वे उपसर्ग जो संस्कृत उपसर्गों से विकसित हुए हैं; जैसे– अधमरा, निकम्मा, दुबला
आगत उपसर्ग
वे उपसर्ग जो विदेशी भाषाओं से आए हैं; जैसे–बाकायदा, बदनाम, सरताज, गैरहाजिर
प्रत्यय
जो शब्दांश मूल शब्द के पीछे जुड़कर नए शब्द बनाते हैं।
कृत प्रत्यय
क्रिया या मूल धातु के अन्त में लगाए जाते हैं; जैसे–लड़ाई, भिक्षुक
तद्धित प्रत्यय
संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि के अन्त में लगाए जाते हैं; जैसे– ग्रामीण, ठकुराइन
समास
दो या दो से अधिक शब्दों का मेल होता है।
अव्ययीभाव समास
प्रतिदिन, यथाशक्ति, आजीवन
द्विगु समास
दोपहर, पंचतन्त्र, चौराहा
द्वंद्व समास
माता-पिता, दिन-रात, आना-जाना
तत्पुरुष समास
राजपुत्र, विद्यालय, अश्वशाला
कर्मधारय समास
कमलनयन, नीलकमल
बहुव्रीहि समास
पंचानन, लम्बोदर, पीताम्बर
मांडलमैप को कैसे समझें?
पहला स्तर
दूसरा स्तर
तीसरा स्तर
वाक्य
रचना के आधार पर
मिश्र वाक्य
एक प्रधान + आश्रित उपवाक्यों का व्याधिकरण योजकों द्वारा जुड़े होना।
संयुक्त वाक्य
दो स्वतन्त्र वाक्यों का समानाधिकरण योजकों द्वारा जुड़े होना
सरल वाक्य
एक उद्देश्य + एक विधेय
अर्थ के आधार पर
विधानवाचक वाक्य
वाक्य में किसी क्रिया के होने का बोध
निषेधात्मक वाक्य
वाक्य में कार्य के न होने का बोध
प्रश्नवाचक वाक्य
वाक्य में किसी प्रकार का प्रश्न हो
संकेतवाचक वाक्य
वाक्य में कोई एक क्रिया दूसरी क्रिया पर निर्भर हो
आज्ञावाचक वाक्य
वाक्य में किसी प्रकार की आज्ञा या आदेश हो
इच्छावाचक वाक्य
वाक्य में कोई इच्छा, आशीर्वाद या शुभकामना हो
संदेहवाचक वाक्य
वाक्य में किसी प्रकार का संदेह प्रकट हो
विस्मयादिबोधक वाक्य
वाक्य में आश्चर्य, हर्ष, शोक, घृणा आदि का भाव हो
अलंकार
अर्थालंकार
मानवीकरण अलंकार
जड़ वस्तुओं पर मानवीय चेष्टाओं का आरोपण
अतिशयोक्ति अलंकार
किसी बात को अत्यधिक बढ़ा-चढ़ा कर कहना
उत्प्रेक्षा अलंकार
उपमेय में उपमान की सम्भावना
रूपक अलंकार
वस्तुओं के बीच अभिन्नता होना
उपमा अलंकार
दो वस्तुओं की रंग, रूप, गुणों के आधार पर तुलना
शब्दालंकार
अनुप्रास अलंकार
वर्ण की आवृत्ति
यमक अलंकार
शब्द की आवृत्ति पर अर्थ भिन्न-भिन्न
श्लेष अलंकार
एक शब्द के दो से अधिक अर्थ होना

शब्द निर्माण

	भेद	उदाहरण
1. उपसर्ग जो शब्दांश मूल शब्द के आगे जुड़कर नया शब्द बनाते हैं।	**तत्सम**	उपसर्ग + मूलशब्द = नया शब्द आ + गमन = आगमन अप + मान = अपमान अति + रिक्त = अतिरिक्त
	तद्भव	बिन + कहे = बिनकहे चौ + मास = चौमासा भर + पेट = भरपेट
	आगत	दर + असल = दरअसल बे + शर्म = बेशर्म ला + परवाह = लापरवाह
2. प्रत्यय जो शब्दांश मूल शब्द के पीछे जुड़कर नया शब्द बनाते हैं।	**कृत प्रत्यय**	मूलशब्द + प्रत्यय = नया शब्द गिर + आवट = गिरावट पूज + अनीय = पूजनीय गम + अनीय = गमनीय
	तद्धित प्रत्यय	भूख + आ = भूखा पागल + पन = पागलपन गाड़ी + वाला = गाड़ीवाला
3. समास दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से बना नया शब्द।	**अव्ययीभाव समास**	समस्त पद — विग्रह यथायोग्य — योग्यता के अनुसार बीचोंबीच — बीच ही बीच में भरपेट — पेट भर कर
	तत्पुरुष समास	बसचालक — बस को चलाने वाला कष्टसाध्य — कष्ट से साध्य प्रजापति — प्रजा का पति (स्वामी)
	द्विगु समास	त्रिभुवन — तीन भुवनों का समाहार नवग्रह — नौ ग्रहों का समाहार
	द्वंद्व समास	आय-व्यय — आय और व्यय दूध-दही — दूध और दही
	कर्मधारय समास	स्वर्णकमल — स्वर्ण का है जो कमल सज्जन — सत् है जो जन
	बहुव्रीहि समास	दशानन — दश हैं आनन जिसके अर्थात् रावण चक्रपाणि — चक्र है पाणि में जिसके अर्थात् विष्णु

अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद

भेद		उदाहरण
1. विधानवाचक वाक्य	ऐसा वाक्य जिससे किसी कार्य के करने या होने का बोध हो।	1. वह रो रहा है। 2. अध्यापक जी पढ़ा रहे हैं।
2. निषेधात्मक वाक्य	ऐसा वाक्य जिससे कार्य के निषेध (न होने) का बोध हो।	1. मैं बाजार नहीं जाऊँगी। 2. आज, माताजी घर नहीं आएँगी।
3. प्रश्नवाचक वाक्य	ऐसा वाक्य जिसमें कोई प्रश्न पूछा जाए।	1. तुम क्या लाए हो? 2. आज, आप कौन-से कार्य करेंगे?
4. संकेतवाचक वाक्य	ऐसा वाक्य जिसमें एक क्रिया दूसरी क्रिया पर निर्भर हो।	1. यदि वर्षा होती तो फसल अच्छी होती। 2. मोहन आ जाता तो मैं चला जाता।
5. संदेहवाचक वाक्य	ऐसा वाक्य जिसमें कार्य के होने के प्रति संदेह अथवा संभावना हो।	1. हो सकता है, आज वर्षा हो। 2. शायद, कल मीरा कानपुर जाएगी।
6. इच्छाबोधक वाक्य	ऐसा वाक्य जिसमें इच्छा, शुभकामना या आशीर्वाद व्यक्त किया गया हो।	1. भगवान सबका भला करें। 2. आपकी यात्रा शुभ हो।
7. आज्ञावाचक वाक्य	ऐसा वाक्य जिसमें आज्ञा या आदेश दिया गया हो।	1. तुम जा सकते हो। 2. आप चुप रहिए।
8. विस्मयादिबोधक वाक्य	ऐसा वाक्य जिसमें आश्चर्य, हर्ष, शोक, घृणा आदि का भाव हो।	1. हाय! मैं मर गया। 2. छि:! कितनी बदबू आ रही है। 3. वाह! कितना मधुर स्वर है।

अलंकार

अलंकार के भेद उपभेद	पहचान	उदाहरण
1. शब्दालंकार	वर्णों, शब्दों के कारण सौन्दर्य	
(i) अनुप्रास	वर्ण की आवृत्ति	1. तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए ('त' वर्ण की आवृत्ति) 2. कालिंदी कूल कदंब की डारन ('क' वर्ण की आवृत्ति)
(ii) यमक	किसी शब्द की आवृत्ति हो लेकिन अर्थ में भिन्नता हो	1. काली घटा का घमण्ड घटा (घटा–घटाएँ, कम होना) 2. है कवि बेनी, बेनी ब्याल की चुराई लीन्ही। (बेनी—कवि का नाम, चोटी)
(iii) श्लेष	एक ही शब्द के अनेक अर्थ हों	1. सुबरन को खोजत, फिरत कवि, व्यभिचारी, चोर (सुबरन—सुंदर, रंग–रूप , सुंदर वर्ण, सोना)
2. अर्थालंकार	अर्थ के कारण सौन्दर्य	
(i) उपमा	अत्यधिक समानता के कारण किसी व्यक्ति या वस्तु की तुलना किसी अन्य प्रसिद्ध व्यक्ति या वस्तु से करना	1. निर्मल तेरा नीर अमृत सम उत्तम है। (नीर की अमृत से तुलना) 2. नागिन–सा रूप तेरा। (नागिन के रूप से तुलना)
(ii) रूपक	उपमेय और उपमान में अभिन्नता या अभेद	1. चरण कमल बंदौ हरिराई (चरण और कमल में अभिन्नता) 2. मैया मैं तो चन्द्र खिलौना लैहों (चन्द्र और खिलौना में अभिन्नता)
(iii) उत्प्रेक्षा	उपमेय में उपमान की सम्भावना	1. सिर फट गया उसका वहीं मानो अरुण रंग का घड़ा ('खून से सने सिर' में 'लाल रंग के घड़े' की सम्भावना) 2. कहती हुई यों उत्तरा के नेत्र जल से भर गए। हिम के कणों से पूर्ण मानो हो गए पंकज नए।। ('अश्रुपूरित नेत्र' में 'हिम–कण से पूरित पंकज' की सम्भावना)
(iv) अतिश्योक्ति	बात को बढ़ा–चढ़ा कर कहना	1. तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान मृतक में भी डाल देगी जान। (दंतुरित मुस्कान का बढ़ा–चढ़ा कर वर्णन) 2. काँच को करके दिखा देते हैं वे उज्ज्वल रतन। (पराक्रम का बढ़ा–चढ़ा कर वर्णन)
(v) मानवीकरण	जड़ पदार्थों या प्राकृतिक वस्तुओं प्राकृतिक वस्तुओं को मानवीकृत करना	1. मेघ आए बन–ठन के संवर के (मेघ द्वारा सजना–संवरना) 2. अम्बर पनघट में डुबो रही, ताराघट उषा नागरी (उषा का स्त्री रूप में मानवीकरण)

अध्याय 6 ई-मेल

प्रस्तावना

ई-मेल या इलेक्ट्रॉनिक मेल, इन्टरनेट के माध्यम से, पत्र भेजने का एक तरीका है। मेल शब्द का अर्थ होता है संदेश, अर्थात् इससे हम यह समझ सकते हैं कि यह एक प्रकार की चिट्ठी या संदेश होता है, जब इस संदेश या चिट्ठी को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भेजा जाता है तो उसे ई-मेल (e-mail) कहते हैं। ई-मेल के द्वारा हम विश्व के किसी भी कोने में में बैठे इंसान तक सिर्फ कुछ सेकण्ड में ही अपना संदेश भेज सकते हैं और अन्य इंसान द्वारा भेजा संदेश इलेक्ट्रॉनिक रूप में पा सकते हैं।

ई-मेल के साथ हम अन्य फाइलें जैसे—फोटो या डॉक्युमेन्ट्स भी जोड़कर भेज सकते हैं।

प्रश्न 1. ट्यूशन टीचर की आवश्यकता हेतु एक ई-मेल लिखिए।

उत्तर—

From : < madhu15@gmail.com

To : < mal@tutorial.com>

Cc : < hr@tutorial.com> दिनांक : 23-04-22

विषय : ट्यूशन टीचर की आवश्यकता हेतु जानकारी

महोदय,

मैं सपना कुमारी बारहवीं कक्षा की विद्यार्थी हूँ। मुझे जानकारी प्राप्त हुई कि आप विभिन्न विषयों की ट्यूशन की जानकारी उपलब्ध कराते हैं। मुझे अपने लिए एक गणित विषय की ट्यूशन की आवश्यकता है।

आपसे अनुरोध है कि मुझे गणित विषय का ट्यूशन उपलब्ध कराने में सहायता करें।

धन्यवाद

सपना कुमारी

कक्षा—12th

मो. 8447070356

प्रश्न 2. किसी विषय के प्रशिक्षण के लिए ई-मेल करें।

उत्तर—

From : madhu14@gmail.com

To : hr14@gmail.com

Cc : prt@gmail.com दिनांक : 23-04-22

विषय : कम्प्यूटर विषय के 10 दिवसीय प्रशिक्षण हेतु जानकारी

अभिवादन,

आपका चयन कम्प्यूटर विषय के 10 दिवसीय प्रशिक्षण के लिए हुआ है। आपको प्रशिक्षण अवधि के लिए भुगतान किया जाएगा। आपका प्रशिक्षण मंगलवार 15 अप्रैल, 2022 से शुरू होगा। जब आप प्रशिक्षण के लिए आएँ तो अपने साथ नीचे दिए गए दस्तावेजों की प्रतियाँ लेकर आएँ। यह दस्तावेज आपको विभाग में जमा करने होंगे।

धन्यवाद **आवश्यक दस्तावेज**

Maduri vaish पासबुक

Mob. 8442010306 आधार कार्ड

पेन कार्ड

प्रश्न 3. किसी पाठ्यक्रम विवरण के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करने के लिए ई-मेल करें।

उत्तर—

From : rcp@gmail.com

To : abc1462@gmail.com

Cc : xyz1442@gmail.com दिनांक : 23-04-22

विषय : पाठ्यक्रम विवरण के सम्बन्ध में

माननीय महोदय,

मैं माधुरी वैश्य दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में हिन्दी विषय की शोध छात्रा हूँ। मैं आपके संस्थान से कम्प्यूटर विज्ञान में डिप्लोमा करना चाहती हूँ। पाठ्यक्रम से सम्बन्धित जानकारी हेतु आप मुझे पाठ्यक्रम की विवरणिका की एक प्रति भेज दीजिए।

आपके इस सहयोग से मुझे पाठ्यक्रम को समझने में सहायता मिलेगी।

धन्यवाद

शोधार्थी

माधुरी वैश्य

दयालबाग एजुकेशनल कॉलेज

आगरा

प्रश्न 4. दूरदर्शन अधिकारी को कार्यक्रमों में सुधार हेतु सुझाव के लिए ई-मेल करें।

उत्तर—

From : rcp@gmail.com

To : abc1562@gmail.com

Cc : xyz1432@gmail.com दिनांक : 22-04-22

विषय : दूरदर्शन कार्यक्रमों हेतु सुझाव

महोदय,

दूरदर्शन देश के लाखों लोगों के मनोरंजन व ज्ञान का स्रोत है, किन्तु बच्चों और युवा वर्ग के लिए जो कार्यक्रम ज्ञानवर्धक हो सकते हैं, ऐसे कार्यक्रम दूरदर्शन पर न के बराबर दिखाये जाते हैं। यदि रविवार को प्रात: या दोपहर के समय विज्ञान या जनरल नॉलेज से सम्बन्धित कोई कार्यक्रम प्रसारित किया जाए तो यह विद्यार्थियों के लिए लाभदायक व रुचिकर सिद्ध होगा।

अत: आपसे अनुरोध है कि विद्यार्थी व युवा वर्ग को ध्यान में रखते हुए दूरदर्शन पर ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों का प्रसारण करें।

धन्यवाद

माधुरी

Mob : 8447070356

प्रश्न 5. किसी कॉलेज में हिन्दी विषय में सहायक अध्यापक के रिक्त पद की जानकारी के लिए ई-मेल करें।

उत्तर—

From : rcp@gmail.com

To : abc1462@gmail.com

Cc : xyz1952@gmail.com दिनांक : 22-04-22

विषय : हिन्दी विषय में सहायक अध्यापक के रिक्त पद की जानकारी

कला संकाय प्रमुख

डी.ई.आई, दयालबाग

आगरा—282005

माननीय महोदय,

सादर सूचित करना चाहती हूँ कि मैं माधुरी वैश्य हिन्दी विभाग की शोध छात्रा हूँ। मेरी पी.एच.डी. समाप्त होने की ओर अग्रसर है। महोदय हिन्दी विभाग में सहायक अध्यापक के कुल कितने पद रिक्त हैं? कृपया जानकारी प्रदान करें।

आपसे सहयोग की अपेक्षा में

धन्यवाद

शोधार्थी

माधुरी वैश्य

हिन्दी विभाग

कला संकाय

रजिस्ट्रेशन क्रमांक : 184186

माधुरी

Mob : 8447070356

❑❑

OSWAAL BOOKS® LEARNING MADE SIMPLE